जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The Toxicity of Honey! When honey is heated, especially at high temperatures, it undergoes a chemical transformation that makes it potentially harmful

A Marvel of Strength and Precision

The Maid of Orléans She convinced Charles VII to allow her to accompany the French army to the besieged city of Orléans

''डैड लाइन'' से कुछ घंटे पहले, कांग्रेस को राहत मिली

सरकार ने, 24, अकबर रोड खाली करने के लिए कांग्रेस को कुछ और समय देने का निर्णय लिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय को खाली करने की तय समय सीमा से कुछ घंटे पहले ही कांग्रेस को राहत मिली है, सरकार ने उन्हें और समय देने पर सहमति जताई है।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कुछ अधिकारी केन्द्रीय आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर के संपर्क में थे, जिन्होंने पहले मना कर दिया था, लेकिन आखिरी समय में वे युवा कांग्रेस कार्यालय और एआईसीसी मुख्यालय, दोनों के लिए समय सीमा बढ़ाने पर सहमत हो गए।

अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात पर चुप्पी साधे हुए हैं कि असल में क्या बातचीत हुई।

- प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्टी, केन्द्रीय आवास मंत्री खट्टर से सम्पर्क स्थापित करने में जुटी थी।
- खट्टर ने पहले तो मोहलत देने से साफ मना कर दिया था, पर, अंतिम समय में कांग्रेस मुख्यालय व यूथ कांग्रेस का ऑफिस खाली करने के लिए कुछ और समय देने के लिए अपनी सहमति दे दी।
- कांग्रेस ने राहत की सांस ली, क्योंकि पार्टी के कार्यकर्ता, नेता व स्टाफ इस बात से काफी विचलित थे कि 48 साल से उनका ''दूसरा घर'' (सैकण्ड होम), अब उनसे छिन जाएगा।
- पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं को यह भय था कि जिस तरह यूएनआई का दफ्तर, टेबल -कुर्सियाँ बाहर फैंक कर सील कर दिया गया था, ऐसा हश्र उनके, 24, अकबर रोड, स्थित मुख्यालय का न हो।
- पर, अगर ऐसा होता तो यह खबर हैडलाइन बनती, विश्व भर में, क्योंकि आखिर कांग्रेस हिंदुस्तान की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है तथा कई दशकों तक सरकार की बागडोर कांग्रेस के हाथ में ही रही है।

लेकिन कांग्रेस पार्टी में काफी राहत है, क्योंकि नेता, कार्यकर्ता और कर्मचारी अपने इस कार्यालय को खोने की संभावना से परेशान थे, जिसे वे अपना दूसरा घर मानते हैं। यह जगह पिछले 48 वर्षों से पार्टी के पास है।

कांग्रेस नेताओं को यह डर था कि उनके कार्यालय को भी उसी तरह सील कर दिया जाएगा, जैसे यू.एन.आई. के कार्यालय को सील किया गया था और वहां से मेज-कुर्सियां बाहर फेंक दी गई थीं।

अगर ऐसा होता तो यह निश्चित रुप से अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बनता, क्योंकि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है और देश चलाने का उसका लंबा इतिहास रहा है।

एआईसीसी मुख्यालय ने कई महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक घटनाओं को देखा है, यहाँ के गलियारों में कई वरिष्ठ नेताओं के कदम पड़े हैं, और यहीं से पार्टी दफ्तर ने केन्द्र और राज्यों में सरकारों का संचालन किया है।

रुपए की कीमत में एतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण भारतीय मुद्रा रुपया की कीमत पर लगातार दबाव बना हुआ है। आज डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा रिकॉर्ड 94.85 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई। हालांकि कारोबार के अंत में डॉलर की मांग में मामूली कमी आने के कारण भारतीय मुद्रा 85 पैसे की कमजोरी के साथ

- दिन में रुपये की कीमत 94.85 पैसे प्रति डॉलर तक गिर गई। दिन के अंत में स्थिति सुधरी और कीमत 94.81 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुई।

94.81 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 93.96 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की कमजोरी के साथ पहली बार 94 रुपये के स्तर को पार कर 94.15 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खाड़ी देशों के युद्ध में फंसे सभी राष्ट्र अब इस युद्ध से किसी तरह छुटकारा चाहते हैं

इतने दिनों की लड़ाई में एक बात तो स्पष्ट हुई, किसी को भी पूरी तरह से विजय नहीं मिली

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम एशिया का युद्ध जैसे-जैसे लंबा खिंचता जा रहा है, वैसे-वैसे एक सच्चाई धीरे-धीरे सामने आ रही है - कोई भी पक्ष वह निर्णायक जीत हासिल नहीं कर सकता, जिसने उसे इस युद्ध में धकेला था। लेकिन यदि इसमें पराजित होने वाली कोई एक बड़ी हस्ती है तो वह है, डॉनल्ड ट्रंप व उनकी सत्ता।

अपने घोषित उद्देश्य के विपरीत, अमेरिका और इज़रायल यह सुनिश्चित नहीं कर सकते कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके; वहीं, ईरान भी इज़रायल को पूरी तरह समाप्त करने की कल्पना साकार नहीं कर सकता। भविष्य की एकमात्र आशा यही है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की मजबूरियों को समझें।

डॉनल्ड ट्रंप को उनके अहंकार और कुछ शुरुआती झूठी सफलताओं ने युद्ध में धकेल दिया। वेनेज़ुएला में अमेरिकी अभियान को जिस तरह फटाफट सफलता मिली, उसने ट्रंप को

- न तो अमेरिका व इज़रायल, इस बात की गारंटी ले सकते हैं कि ईरान को कभी भी न्यूक्लियर हथियार उपलब्ध नहीं होंगे।
- साथ ही ईरान कभी भी भीषण बमबारी करके, इज़रायल का अस्तित्व नहीं मिटा सकता है।
- अमेरिका को शायद यह भरोसा था कि वेनेज़ुएला की भांति ईरान में भी तुरंत आनन-फानन में वो युद्ध जीत जाएगा।
- खाड़ी युद्ध में सबसे बड़ी हार हुई ट्रंप की व अमेरिका की, क्योंकि इस युद्ध में अमेरिका का अपने सबसे पुराने व विश्वासी मित्र, पश्चिमी यूरोप से नाता टूट गया।
- अब कुछ समय बाद अमेरिका में ''मिड-टर्म'' चुनाव होने वाले हैं और इस चुनाव से पूर्व ट्रंप की प्रतिष्ठा व छवि को धक्का पहुँचना खतरे से खाली नहीं है।
- अतः अब अमेरिका ही नहीं, ईरान भी इस युद्ध से जल्द से जल्द छुटकारा चाहता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेट्रोल व डीज़ल पर एक्साईज़ ड्यूटी कम करने का किसको लाभ मिलेगा?

केन्द्रीय सरकार का कहना है, इसका लाभ सीधे आम जनता को मिलेगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। केन्द्र सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क (एक्साइज़ ड्यूटी) में 10-10 रुपये की कटौती की, जिसका मकसद ''नागरिकों को राहत'' देना है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह कटौती तेल विपणन कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए की गई है और इसका लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचेगा।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, ''तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी की हिम्मत तो देखिए। वे कहते हैं कि वे भारत के लोगों को राहत देना चाहते हैं, ताकि उनके ऊपर बोझ न पड़े। लेकिन पेट्रोल पंपों पर ईंधन के दाम वही रहेंगे।'' उन्होंने आगे कहा, सरकार ने पिछले 11 सालों में 12 बार उत्पाद शुल्क बढ़ाया है। अब इसमें कटौती करना भारत के लोगों पर कोई एहसान नहीं है।''

इस बीच, पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती कर रही है। उन्होंने कहा, ''पिछले 12 सालों में, जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें घटीं, तब भारत में पेट्रोल और डीज़ल के दाम कम नहीं किए गए। आज की घोषणा चुनावों की वजह से की गई है। 30 अप्रैल तक इंतजार कीजिए।''

- पर, कांग्रेस के अनुसार, इस एक्साईज़ घटाने का मकसद केवल ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लाभ पहुँचाना है। क्योंकि, एक्साईज़ ड्यूटी घटाने के बाद भी पेट्रोल पम्पों पर पेट्रोल व डीज़ल अभी भी पुराने दामों पर ही मिल रहा है।
- कांग्रेस का यह भी कटाक्ष है कि चार राज्यों, केरल, तमिलनाडु, प.बंगाल व असम में चुनाव से पूर्व मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए एक्साईज़ ड्यूटी घटाई गई है और मतदान होते ही पेट्रोल व डीज़ल के दामों में भारी वृद्धि होगी।

उन्होंने इशारा किया कि इन चार विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग खत्म होने के बाद ग्राहकों को ईंधन के लिए ज्यादा कीमत चुकानी होगी।

गौरतलब है कि शुक्रवार को पेट्रोल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बालेन्द्र शाह नेपाल के प्रधानमंत्री बने

काठमांडू, 27 मार्च। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के संसदीय दल के नेता बालेन्द्र शाह (बालेन) ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने शीतल निवास में आयोजित विशेष समारोह में 36 वर्षीय बालेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इससे पहले, राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 76(1) के

- वे नेपाल के प्रधानमंत्री की शपथ लेने वाले मधेशी समुदाय के पहले व्यक्ति हैं।

अनुसार, प्रतिनिधि सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता के रूप में शाह को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। नेपाल के संविधान 2015 (2072) के लागू होने के बाद इस धारा का उपयोग कर प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने का यह पहला अवसर है। साथ ही मधेशी समुदाय से किसी व्यक्ति का नेपाल का प्रधानमंत्री बनना भी पहली बार हुआ है।

काठमांडू महानगर के मेयर पद से इस्तीफा देकर चुनाव में भाग लेने वाले शाह पहली बार संसद में प्रवेश करते ही प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने झापा क्षेत्र-5

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डेढ़ करोड़ रूपए टैक्स चुकाने पर खुलेगी ट्राइटन मॉल की बेसमैंट पार्किंग'

हाई कोर्ट ने थर्ड पार्टी संचालित बेसमैंट पार्किंग खोलने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 27 मार्च। चौमूं पुलिया स्थित ट्राइटन मॉल और 22 गोदाम सर्किल स्थित मन उपासना शॉपिंग मॉल की बेसमेंट में थर्ड पार्टी पार्किंग पर नगर निगम द्वारा यूडी (अरबन डवलपमैंट) टैक्स लगाने के मामले पर हाई कोर्ट सुनवाई हुई। गौरतलब है कि गत 25 मार्च को नगर निगम ने बकाया टैक्स नहीं चुकाने पर ट्राइटन मॉल की बेसमेंट पार्किंग के प्रवेश द्वार को सीज़ कर दिया था। इसके खिलाफ 27 मार्च को सीज़ करने की कार्रवाई पर हाई कोर्ट में याचिका दायर कर स्टे देने की मांग की गई। स्टे देने के लिए याचिका आवेदन दायर किया गया था, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई।

न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और रवि चिराणिया की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए आदेश दिए कि ट्राइटन मॉल 3 करोड़ रुपए की टैक्स व पेनल्टी राशि में से डेढ़ करोड़ रुपए की राशि चुकाए, तभी सीज खोली जाएगी। चूंकि ट्राइटन मॉल के संचालक सनसिटी प्रोजेक्ट प्रा. लि. ने पूर्व में 48 लाख रु. टैक्स राशि जमा करवाई थी, ऐसे में अब उसे शेष 1 करोड़ 2 लाख रुपए जमा करवाने होंगे।

दूसरी ओर, मन उपासना मॉल के संचालक किशन गोपाल रूंगटा प्रा. लि. फर्म को इसी तरह के अन्य प्रकरण में अदालत ने 7 जनवरी से अंतरिम स्टे की राहत दे रखी है, जिसे कोर्ट ने फिलहाल बरकरार रखा है।

इस मामले की सुनवाई कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता के समक्ष सूचीबद्ध थी, परंतु न्यायाधीश एस.पी.शर्मा अवकाश पर थे, इसलिए इस मामले पर न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और रवि चिराणिया ने सुनवाई की।

- अदालत में ट्राइटन मॉल की ओर से कहा गया कि, उन्होंने यह भूमि जेडीए को सरैंडर की थी, जेडीए ने ही पार्किंग सुविधा और उसके रखरखाव के लिए जगह उनको दी है। ट्राइटन मॉल ने थर्ड पार्टी ठेकेदार को पार्किंग संचालन दे रखा है।
- इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, अगर जेडीए को यह जगह सरैंडर की गई है तो जेडीए ही इस पार्किंग के संचालन और रखरखाव का काम क्यों नहीं कर लेता? इससे जेडीए को राजस्व भी मिलेगा।
- नगर निगम की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता जी.एस. गिल ने कहा कि, ''पार्किंग जेडीए प्रशासन वापस ले अथवा नहीं, यह आदेश नगर निगम प्रशासन जेडीए को नहीं दे सकता है और यह इनके कार्यक्षेत्र के बाहर का मामला है।''

सुनवाई के दौरान, ट्राइटन मॉल की ओर से कहा गया कि उनके द्वारा यह भूमि जेडीए में सरेंडर की गई है तथा जेडीए ने ही यह भूमि सुविधा और उसके रखरखाव के लिए पार्किंग के लिए दी है। उनकी ओर से यह भी माना गया कि, पार्किंग थर्ड पार्टी ठेकेदार को संचालन और रखरखाव के लिए दी हुई है। इस पर अदालत ने टिप्पणी की है कि अगर जेडीए को यह जगह सरेंडर की गई है तो जेडीए ही इस पार्किंग के संचालन और उसके रखरखाव का काम क्यों नहीं कर लेता? अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि अगर जेडीए ही पार्किंग संचालन कर ले तो उसे राजस्व आय भी हो जाएगी।

इस पर नगर निगम की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता जी.एस.गिल ने कहा कि पार्किंग जेडीए प्रशासन वापस ले अथवा नहीं, यह आदेश नगर निगम प्रशासन जेडीए को नहीं दे सकता है और यह इनके कार्यक्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जग वसंत जहाज एलपीजी लेकर कांडला पहुंचा

कच्छ, 27 मार्च। मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़' के समुद्री मार्ग पर बढ़े खतरों के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारत का 'जग वसंत' जहाज एलपीजी लेकर शुक्रवार को सुरक्षित गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंच गया।

'जग वसंत' जहाज लगभग 42,000 से 46,000 मीट्रिक टन

- जहाज में 42 से 46 हजार मीट्रिक टन गैस लदी है।

लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारत आया है। होर्मुज की खाड़ी में बढ़े सैन्य तनाव के बीच इस जहाज का सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचना केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक रूप से भी बड़ी सफलता मानी जा रही है।

पिछली गहलोत सरकार में कोटपूतली में रातोंरात 150 मकान-दुकानें तोड़ने का मुद्दा पुनः गर्माया

हाईकोर्ट ने कोटपूतली नगर परिषद आयुक्त को 21 अप्रैल को अगली सुनवाई में जवाब के साथ उपस्थित होने के आदेश दिए

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 27 मार्च। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में कोटपूतली में नगर परिषद् द्वारा 150 से ज्यादा मकान-दुकानों को नियम विरूद्ध तोड़फोड़ का मामला पुनः गर्मा उठा है। मास्टर प्लान में 60 फीट की सड़क को 80 फीट चौड़ी बताकर वर्ष 2021 में रातोंरात सैकड़ों घरों पर बुलडोज़र चला दिए गए थे। इस कार्रवाई के विरोध में हाईकोर्ट में दायर याचिका पर 19 मार्च को सुनवाई हुई। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश बलविंदर सिंह संधू की खंडपीठ ने नगर परिषद् आयुक्त को अगली सुनवाई पर कोर्ट में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि, 21 अप्रैल को अगली सुनवाई में आयुक्त नगर परिषद् स्वयं कोर्ट में उपस्थित होकर समझाएं कि, किस कानून अथवा प्रक्रिया के तहत 60 फीट की सड़क को 80 फीट चौड़ी करने के नाम पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी। क्योंकि आज भी मास्टर प्लान में यह सड़क 60 फीट चौडी ही दर्शायी हुई है।

अदालत ने अपने आदेश में पूछा है कि, कोटपूतली में तोड़फोड़ की इस कार्रवाई से पूर्व क्या नगर परिषद् द्वारा प्रभावित लोगों से जमीन अवाप्ति की कार्रवाई की गई थी? अगर कमिश्नर के पास इस सवाल का जवाब नहीं है अथवा सड़क चौड़ी करने का ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया था तो आयुक्त यह बताएं कि लोगों को हुए नुकसान का मुआवजा दोषी अधिकारियों से क्यों नहीं वसूला जाए?

- अदालत ने कहा कि, ''आयुक्त स्वयं कोर्ट में उपस्थित होकर समझाएं कि, किस कानून अथवा प्रक्रिया के तहत 60 फीट की सड़क को 80 फीट चौड़ी करने के नाम पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी। क्योंकि आज भी मास्टर प्लान में यह सड़क 60 फीट चौड़ी ही दर्शायी हुई है।''

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में नगर परिषद् ने जयपुर-दिल्ली हाईवे से लगती हुई कोटपूतली रोड, जो कि विवेकानंद स्कूल तक जाती है, पर वर्षों पुराने मकान और दुकानों पर रातोंरात बुलडोज़र चला दिए। इससे पहले प्रभावित लोगों को ना तो कोई स्थायी अतिक्रमण को लेकर नोटिस जारी हुआ था और ना ही प्रशासन ने उन्हें भूमि अवाप्ति अथवा सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के बारे में कोई जानकारी दी। नगर परिषद् ने सिर्फ अस्थायी अतिक्रमण को लेकर नोटिस दिए और लोगों के वर्षों पुराने पक्के मकानों व दुकानों को ध्वस्त कर दिया।

इस मामले में कुछ प्रभावितों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थी, तब तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव की खंडपीठ में नगर परिषद् को आदेश दिए थे कि सड़क चौडी करने की कार्रवाई कानून के मुताबिक ही की जा सकती है। सड़क चौडी करने से पूर्व नगर परिषद् को प्रभावित लोगों को चर्चाएं करके उनकी आपत्तियों पर सुनवाई करनी जरूरी है। परंतु इसके विपरीत अपनी मनमर्जी से ही 60 फीट चौडी सड़क को 80 फीट चौडी करने के नाम पर रातोंरात बुलडोजर चला दिए।

इसके खिलाफ जब हाईकोर्ट में कुछ याचिकाएं दायर की गई थी, जिसमें पूछा गया कि नगर परिषद् ने मास्टर प्लान में आखिर कब 60 फीट चौड़ी सड़क को 80 फीट किया। इन मामलों की सुनवाई के दौरान भी नगर परिषद् की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया जा सका कि, मास्टर प्लान में कोई बदलाव किया गया है या नहीं। जिस पर अदालत ने कमेटी बनाकर जांच करने के आदेश दिए थे, परंतु करीब 5 साल बीतने के बावजूद भी ना तो कोई जांच कमेटी का गठन हुआ और ना ही प्रभावित लोगों को न्याय मिला। इस कारण अब पुनः हाईकोर्ट में प्रभावित लोगों की ओर से विशेष अपील याचिका दायर की गई थी। इस मामले की सुनवाई में पूर्व में अदालत ने नगर परिषद् से शपथ पत्र के साथ जवाब भी मांगा था, लेकिन उनके जवाब से कोर्ट सहमत नहीं हुई। इसलिए अब 21 अप्रैल को अगली सुनवाई पर हाईकोर्ट ने आयुक्त को तलब करते हुए जवाब पेश करने के आदेश दिए हैं।

रामनवमी पर 35 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

अयोध्या, 27 मार्च। अयोध्या में रामनवमी पर ठीक दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम का प्रतीकात्मक जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान सूर्य ने अपनी किरण से श्रीरामलला का मस्तकाभिषेक किया।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन्मोत्सव पर रामलला के अभिषेक का सीधा प्रसारण देखा।

उसके बाद प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में श्रीराम मंदिर में भगवान सूर्य की किरणों से श्रीरामलला के मस्तकाभिषेक का सीधा प्रसारण देखा। रामनवमी के दिन शुक्रवार को अयोध्या नगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। रामनवमी के अवसर पर 26 व 27 मार्च को दो दिन करीब 35

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिस प्रकार थोड़ी-सी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ी-सी मेहनत से किस्मत चमक उठती है। –अज्ञात

सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बन रहा है परिवहन प्रदूषण

दिल्ली हो या जयपुर आजकल परिवहन प्रदूषण की चिंता सब को सताए जा रही है। वाहन बढ़ते जा रहे है साथ ही परिवहन प्रदुषण भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले पर्यावरण प्रदूषण की चिंता ज्यादा होती थी। पेड़ कट रहे है और जंगल साफ़ होते जा रहे है। इधर कुछ अर्से से जंगल बढ़ने के समाचार मिल रहे है। जो हमारे लिए ख़ुशी की बात है मगर मोटर गाड़ियों से लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है यह बेहद चिंताजनक है।

ग्रीनपीस इंडिया के क्लाइमेट एंड एनर्जी की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक शहरों में निजी वाहनों, विशेष रूप से भारी एसयूवी की बढ़ती संख्या कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन और प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बन गई है। जैसे-जैसे लोग भारी निजी वाहनों की ओर बढ़ रहे हैं, शहरी हवा और अधिक जहरीली होती जा रही है।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, यदि भारत अपने लक्ष्यों को लागू करता है, तो 2050 तक सड़क परिवहन से कार्बन उत्सर्जन में 50 प्रतिशत कमी आ सकती है। यह 2070 के नेट-जीरो लक्ष्य में सहायक होगा और दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधारेगा। रिपोर्ट में भारत के 80 प्रतिशत घरेलू विनिर्माण दिल्ली सरकार ने 2026-27 का बजट पेश करते हुए परिवहन क्षेत्र में 8,374 करोड़ रुपये आवंटित किए। नई पॉलिसी, 7,500 बसें, मेट्रो और परियोजनाओं से यात्रा तेज और प्रदूषण कम होगा। जहाँ तक देश की राजधानी की बात है वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है, जहां 2.5 का स्तर मानकों से 16 गुना अधिक है। भारत छठा सबसे प्रदूषित देश है। यह प्रदुषण के विभिन्न मानकों की एक समग्र रिपोर्ट है। आज हम बात कर रहे है परिवहन प्रदूषण की।

दुनिया भर के बहुत से देशों में सड़कों पर वाहनों की निरंतर बढ़ती संख्या परिवहन प्रदूषण का एक प्रमुख स्त्रोत है। हमारा देश भारत भी इस समय परिवहन प्रदूषण की विभीषिका से जूझ रहा है। सड़कों का आधारभूत ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ आधार है। सड़कें हमारे परिवहन का मुख्य साधन हैं। जहाँ हर रोज हमारे लाखों व्यवसायिक और निजी वाहन सरपट सड़कों पर दौड़ते हैं। सड़क परिवहन ने सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। सड़क परिवहन के विस्तार को जहां परिवहन के विकास से जोड़कर देखा जाता है, वहीं पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभाव भी किसी से छिपे नहीं हैं। परिवहन के साधनों के तीव्र विकास के साथ प्रदूषण जैसे दुष्परणाम को भी हम भुगत रहे है। हमें परिवहन से हो रहे प्रदूषण को रोकने पर ध्यान देना होगा। देश में कुल वायु प्रदूषण का लगभग 40 प्रतिशत सड़क यातायात के कारण होता है और इसलिए देश में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने परिवहन प्रदूषण की समस्या पर पर देशवासियों को विश्वास दिलाया है की पारिस्थितिकी और पर्यावरण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार कई विकल्पों पर विचार कर रही है और उसी लिहाज से विभिन्न परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा देश में वाहन प्रदुषण को रोकने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। सरकार सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपाय लागू कर रही है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने परिवहन प्रदूषण की समस्या पर पर देशवासियों को विश्वास दिलाया है की पारिस्थितिकी और पर्यावरण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार कई विकल्पों पर विचार कर रही है और उसी लिहाज से विभिन्न परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर काम कर रही है।

भारत 140 करोड़ लोगों का देश है और मोटर वाहनों या ऑटोमोबाइल का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। ये वाहन या तो पेट्रोल या डीजल से संचालित होते हैं, पर्यावरण और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को बेहद प्रभावित करते हैं। आमतौर पर कार से निकलने वाले प्रदूषक तत्व वातावरण में ग्रीनहाउस उत्सर्जन के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक हैं। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के डर से गुजर रही है और इसका सबसे बड़ा कारण वाहन प्रदूषण का बढ़ता स्तर है जिस पर हम सभी को शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है। सड़क पर वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ वाहन प्रदूषण के प्रभाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। वाहन प्रदूषण के प्रभाव पृथ्वी पर रहने वाले प्राणियों को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

मोटर गाड़ियों से निकले धुएँ के कारण बच्चों में सांस से सम्बन्धित रोग तथा नजले की शिकायत बढ़ रही है। वाहनों से निकलने वाले धुएँ में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन, अलडीहाइड, लेड ऑक्साइड प्रमुख हैं जो कि वायुमंडल को प्रदूषित करती हैं। आजादी से पूर्व भारत में परिवहन के सीमित साधन थे। आजादी के बाद इस दिशा में तीव्र गति से काम हुआ। परम्परागत साधनों के अलावा सड़क, रेल, वायु और जल परिवहन यातायात के मुख्य साधन है। यहाँ हम सड़क परिवहन की बात करना चाहते है जो सबसे प्रचलित और लोकप्रिय साधन माना जाता है। परिवहन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवहन के कारण ही कच्चा माल कारखानों तक पहुँच पाता है और उत्पाद ग्राहकों तक पहुँच पाते हैं। परिवहन से हमारा आशय यात्रियों एवं वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने ले जाने से है। परिवहन के साधन किसी देश के उद्योग व कृषि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी भी देश में परिवहन तंत्र की सघनता और आधुनिकता वहाँ के आर्थिक विकास का संकेत है। भारत एक विशाल देश है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक व अन्य विविधताएँ पाई जाती है। इन विविधताओं को एकता के सूत्र में बांधने में परिवहन साधनों का विशेष योगदान है। परिवहन के माध्यम से ही कृषि तथा औद्योगिक उत्पादन उपभोक्ताओं तक पहुँचते हैं।

भारत में सड़क परिवहन की शुरुआत रेल परिवहन से बहुत पहले ही हो गया था। निर्माण और रखरखाव के मामले में रेल की तुलना में सड़कें बेहतर साबित होती हैं। देश के आर्थिक जीवन में परिवहन का अत्यधिक महत्व होता है। वर्तमान प्रणाली में यातायात के अनेक साधन, जैसे-रेल, सड़क, वायु परिवहन इत्यादि शामिल हैं। सड़कों का देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। सड़कों का आधारभूत ढांचा हमारी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ आधार है। भारत के परिवहन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 5.5 प्रतिशत का योगदान है । इनमें सड़क परिवहन का हिस्सा लगभग 5 प्रतिशत है।

सड़क नेटवर्क के मामले में देश दुनिया में दूसरे स्थान पर है। सड़कें देश के सभी हिस्सों और समाज के सभी वर्गों को स्पर्श करती हैं। कृषि हो या व्यापार, उद्योग हो या सामाजिक सरोकार, सड़कें सबके लिए विकास का मार्ग हैं। सड़कें किसी भी इलाके के विकास की बुनियाद होती हैं। सड़क परिवहन किसी भी राष्ट्र की जीवन रेखा मानी जाती है। भारत में सड़क परिवहन में काफी विकास हुआ है। यात्रियों की कुल संख्या में से 87 प्रतिशत से ज्यादा सड़क परिवहन से यात्रा करते हैं और माल की आवा-जाही 60 प्रतिशत से ज्यादा सड़क परिवहन से होती है। भारत में लगभग 55 लाख किमी लंबी सड़कों का जाल है। इस नेटवर्क में राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, स्टेट हाइवे, जिला सड़क, पीडब्लूडी सड़कें, परियोजना सड़कें, ग्रामीण सडकें हैं।

सड़कों को चार वर्गों में विभाजित किया गया। ये राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रांतीय राजमार्ग, जिला सड़कें और ग्रामीण सड़कें है। भारत में सड़क घनत्व इस समय लगभग 1.43 किलोमीटर प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो कई देशों से बेहतर है। सड़कों के नेटवर्क के विकास की जिम्मेदारी केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन की होती है। राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई एक लाख चार हजार किलोमीटर है, जो सड़कों के कुल नेटवर्क के दो प्रतिशत से कम है। लेकिन इन मार्गों से कुल सड़क परिवहन का 40 प्रतिशत से अधिक परिवहन होता है। इस स्थिति में सरकार के साथ साथ हम सब का दायित्व है अपने वाहनों की प्रदूषण जाँच समय पर करवाएं और परिवहन प्रदूषण के बढ़ते खतरे से बचे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

एलपीजी, पेट्रोलियम व उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता: संवेदनशील प्रबंधन

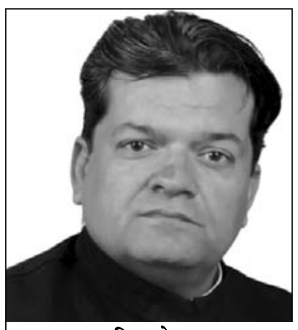

सुमित गोदारा

वैश्विक भू-राजनीतिक के वर्तमान दौर में मध्यपूर्व में जारी तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को झकझोर दिया है। मध्यपूर्व एशिया की इन तात्कालिक परिस्थितियों के कारण कच्चे तेल, गैस और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऐसे संवेदनशील समय में राज्य सरकार संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही जन विश्वास को बनाए रखने, अफवाहों पर नियंत्रण रखने और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी व प्रभावी बनाए रखने के सार्थक प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए सक्रिय, सजग और परिणामोन्मुखी रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किए गए राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों और केंद्र सरकार के साथ सतत समन्वय ने इस संकट के प्रभाव को काफी हद तक सीमित किया है। देशभर में रिफाइनरियों के माध्यम से एलपीजी उत्पादन में वृद्धि, कच्चे तेल का पर्याप्त भंडारण और राज्यों को अतिरिक्त केरोसिन आवंटन जैसे निर्णय इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं।

राज्य सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेकर तत्परता, समन्वय और सख्ती के साथ एलपीजी, पेट्रोलियम पदार्थों और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। यह सक्षम प्रशासनिक प्रबंधन के कारण संभव हुआ है। इससे स्पष्ट है कि संकट की घड़ी में सरकार आमजन के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

संतोष का विषय है कि राजस्थान में एलपीजी की उपलब्धता पूरी तरह नियंत्रण में है। घरेलू एलपीजी की औसत मासिक खपत लगभग 1.55 लाख मीट्रिक टन और व्यावसायिक खपत लगभग 14,700 मीट्रिक टन है। यह राष्ट्रीय खपत का लगभग 5.5 प्रतिशत है। राज्य में 1 करोड़ 84 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सरकार ने पूर्वानुमान आधारित रणनीति अपनाते हुए एलपीजी स्टॉक को सुदृढ़ किया है। फरवरी 2026 में घरेलू गैस का औसत दैनिक स्टॉक लगभग 22 हजार मीट्रिक टन था। इसे मार्च में बढ़ाकर लगभग 24 हजार मीट्रिक टन किया गया है। इससे उपलब्धता 4.3 दिन से बढ़कर 5 दिन तक सुनिश्चित हो गई है। वहीं व्यावसायिक गैस का स्टॉक 14 दिनों तक सुरक्षित रखा गया है। इससे उद्योग, होटल, अस्पताल और अन्य आर्थिक गतिविधियां अप्रभावित रहेगी।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित अतिरिक्त आवंटन मानकों को पूरा करते हुए राजस्थान अठाणी राज्यों में शामिल हुआ है। इसके परिणामस्वरूप राज्य को व्यावसायिक एलपीजी का 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन प्राप्त हुआ है। यह राजस्थान की प्रशासनिक दक्षता और समन्वय का प्रमाण है।

आपूर्ति बढ़ाने के साथ ही उसके न्यायसंगत वितरण और दुरुपयोग की रोकथाम भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस दिशा में राज्य सरकार ने बहु-स्तरीय निगरानी व्यवस्था स्थापित की है। राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय समिति गठित कर गृह, खाद्य, पुलिस और ऑयल कंपनियों के अधिकारियों को एक मंच पर लाया गया है। वहीं जिला स्तर पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और रसद विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीमें सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं।

कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग जैसी गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। अब तक 1,388 गैस वितरकों की जांच, 1,404 स्थानों पर छापे, 3,246 सिलेंडरों की जब्ती, 422 प्रकरण दर्ज और 23 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। यह स्पष्ट संदेश है कि आमजन की आवश्यकताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वितरण प्रणाली में भी महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। एलपीजी डिलीवरी के लिए ओटीपी आधारित सत्यापन अनिवार्य किया गया है। मार्च माह में 90 प्रतिशत डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के माध्यम से हुई। यह फरवरी में मात्र 72 प्रतिशत थी।

उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर में बदलाव अब आधार आधारित ई-केवाईसी के माध्यम से ही संभव है। डिलीवरी बॉय द्वारा पासबुक में एंट्री को अनिवार्य करने से किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावनाओं की रोकथाम की गई है।

जनसुनवाई और त्वरित समाधान के लिए 181, 112 और 14435 हेल्पलाइन नंबर अनवरत 24 घंटे संचालित किए जा रहे हैं। शिकायतों का निस्तारण 24 घंटे के अन्दर सुनिश्चित किया जा रहा है और मुख्य सचिव स्तर तक इसकी निगरानी हो रही है। यह व्यवस्था नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण है।

दीर्घकालिक समाधान की दिशा में भी राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में 5 लाख कनेक्शन की आधारभूत संरचना तैयार है और 1.25 लाख कनेक्शन पहले ही चालू किए जा चुके हैं। औद्योगिक और व्यावसायिक इकाइयों को प्राकृतिक गैस अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह सुरक्षित होने के साथ ही तुलनात्मक रुप से सस्ती भी है। साथ ही इससे भविष्य में इस प्रकार के वैश्विक संकटों का प्रभाव कम किया जा सके।

उर्वरकों की उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यह सीधे किसानों और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा विषय है। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से यूरिया और डीएपी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। पिछले दशक में देश में 6 नए यूरिया संयंत्रों की स्थापना और उत्पादन क्षमता में 76 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि इस दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

वर्तमान परिदृश्य में प्रशासनिक प्रयासों के साथ ही समाज के सभी वर्गों, जनप्रतिनिधि, मीडिया, व्यापारी और आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अफवाहें और भ्रामक सूचनाएं किसी भी संकट को और गहरा बना सकती हैं। इसलिए जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए और किसी भी अनियमितता की सूचना तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए। यह समय सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का यह संकल्प है कि किसी भी परिस्थिति में आमजन को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना न करना पड़। समन्वित प्रयासों, सख्त निगरानी और जनसहभागिता के माध्यम से हम इस संकट का सफलतापूर्वक सामना करने के साथ ही भविष्य के लिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर आपूर्ति प्रणाली भी स्थापित करेंगे। वर्तमान चुनौती ने शासन की कार्यशैली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाया है। जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, और इस विश्वास को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

–सुमित गोदारा,
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, राजस्थान

समय-चेतना की वैज्ञानिक संरचना पर आधारित है भारतीय पंचांग

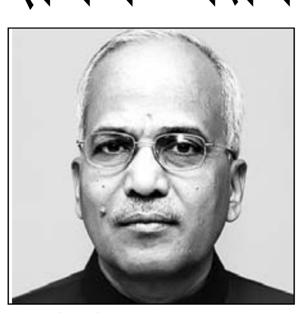

प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल

समय केवल घड़ी की सुइयों का अनुशासन नहीं है; वह ब्रह्मांडीय गति का जीवंत प्रतिबिंब है। मनुष्य ने जब से आकाश की ओर देखा है, तभी से उसने सूर्य की यात्रा, चन्द्रमा की कलाओं और नक्षत्रों की नि:शब्द गति में समय का रहस्य पढ़ ना आरम्भ किया। यही प्रयास आगे चलकर कैलेंडर और पंचांग जैसी समय-गणना प्रणालियों के रूप में विकसित हुआ। आज विश्व-समाज जिस ग्रेगोरियन कैलेंडर को समय-निर्धारण का सार्वभौमिक मानक मानता है, वह मुख्यत: प्रशासनिक सुविधा और ऐतिहासिक संशोधनों का परिणाम है; किन्तु भारतीय परंपरा में विकसित पंचांग समय को केवल तिथियों के क्रम में नहीं, बल्कि खगोलीय लयों के वैज्ञानिक सामंजस्य में समझने का प्रयास है। पंचांग समय का बहुआयामी विज्ञान है। सामान्यत: प्रचलित कैलेंडर जहाँ केवल दिनांक और वार की सूचना देता है, वहीं भारतीय पंचांग पाँच मूलभूत अंगों पर आधारित है- तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण। इन्हीं पाँच तत्वों के कारण इसे 'पंचांग' कहा गया। यह केवल तिथियों की सूची नहीं, बल्कि सूर्य और चन्द्रमा के सापेक्षिक स्थान, नक्षत्रीय विभाजन, ग्रह-स्थितियों और काल-खंडों की सूक्ष्म खगोलीय गणना का जीवंत दस्तावेज है।

भारतीय खगोल-चिंतन में आकाश को 27 नक्षत्रों में विभाजित किया गया है। चन्द्रमा लगभग 27.3 दिनों में पृथ्वी की परिक्रमा करता है, और इसी गति के आधार पर आकाशीय पथ को नक्षत्रों में बाँटा गया है। प्रत्येक नक्षत्र लगभग 1320' का विस्तार लिए हुए है-जो गणितीय सटीकता का परिचायक है। तिथि सूर्य और चन्द्रमा के कोणीय अंतर पर आधारित है। जब दोनों एक ही देशांतर पर होते हैं तो अमावस्या, और जब 180 के अंतर पर होते हैं तो पूर्णिमा होती है। 360 को 30 भागों में विभाजित करने पर प्रत्येक 12 के अंतर से एक तिथि निर्मित होती है। सूर्य एवं चन्द्रमा के संयुक्त अंशों से 27 योग निर्मित होते हैं, जबकि तिथि के आधे भाग को करण कहा जाता है। एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक का काल 'वार' कहलाता है-जो पृथ्वी की वास्तविक गति पर आधारित है। सप्ताह में सात दिन होने का वैज्ञानिक आधार है। भारतीय परंपरा में समय-गणना नौ ग्रहों पर आधारित है-सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु। राहु-केतु छाया ग्रह माने गए हैं, इसलिए मुख्य सात ग्रहों के आधार पर सप्ताह के सात दिन निर्धारित किए गए। दिन-रात को मिलाकर 'अहोरात्र' कहा गया, जिसे 24 'होरा' में विभाजित किया गया। 'अहो' और 'रात्रि' के संयोग से 'होरा' शब्द बना। ग्रहों के होरा-क्रम के आधार पर ही वारों का नामकरण हुआ-प्रथम होरा जिस ग्रह का, उस दिन का नाम उसी पर आधारित। इस प्रकार रविवार, सोमवार, मंगलवार आदि की संरचना खगोलीय गणना का परिणाम है, न कि केवल सांस्कृतिक परंपरा का वर्ष में बारह महीने का आधार भी वैज्ञानिक है।

पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा लगभग 365.25 दिनों में करती है, जबकि चन्द्रमा पृथ्वी की लगभग 12 परिक्रमाएँ करता है। यही कारण है कि वर्ष में 12 महीनों की व्यवस्था की गई। भारतीय पंचांग में सौर वर्ष सूर्य की गति पर एवं चन्द्र वर्ष चन्द्रमा की गति पर आधारित है। चन्द्र वर्ष लगभग 354 दिन का होता है, जो सौर वर्ष से लगभग 11 दिन कम है। इस अंतर को संतुलित करने हेतु प्रत्येक तीन वर्ष में 'अधिक मास' जोड़ा जाता है। यह खगोलीय विसंगति के वैज्ञानिक समाधान का अद्भुत उदाहरण है। महीनों के नामकरण का आधार नक्षत्रीय है। भारतीय पंचांग में महीनों के नाम उस नक्षत्र पर आधारित हैं जिसमें पूर्णिमा पड़ती है। चित्रा से चैत्र, विशाखा से वैशाख, ज्येष्ठा से ज्येष्ठ, श्रवण से श्रावण, अश्विनी से आश्विन, कृत्तिका से कार्तिक, मृगशिरा से मार्गशीर्ष, पुष्य से पौष, मघा से माघ, पूर्वा फाल्गुनी से फाल्गुन। यह नामकरण खगोलीय अवलोकन पर आधारित है, न कि किसी राजा या ऐतिहासिक घटना पर। भारतीय ग्रंथों में घटनाओं का उल्लेख ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति सहित मिलता है। उदाहरणत: वाल्मीकि रामायण में भगवान राम के जन्म का वर्णन चैत्र शुक्ल नवमी, पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में हुआ है। इसी प्रकार रामचरितमानस में नवमी तिथि, अभिजीत मुहूर्त और मध्यान्ह काल का उल्लेख है। यह दर्शाता है कि भारतीय परंपरा में तिथि-निर्धारण ग्रह-स्थिति के आधार पर किया जाता था। वर्तमान ग्रेगोरियन प्रणाली रोमन परंपरा से विकसित हुई- ने 10 महीनों का 304 दिन का वर्ष बनाया। ने जनवरी और फरवरी जोड़े। 46 ईसा पूर्व में ने 365 दिन और लीप वर्ष की व्यवस्था की। 1582 में पोप ग्रेगोरी ने संशोधन कर 10 दिन हटाए और आधुनिक ग्रेगोरियन कैलेंडर का स्वरूप दिया। स्पष्ट है कि यह प्रणाली कई ऐतिहासिक परिवर्तनों का परिणाम है, जबकि भारतीय पंचांग खगोलीय सिद्धांतों पर आधारित सतत परंपरा है। भारतीय प्रणाली गतिशील है-तिथियाँ खगोलीय गति के अनुसार घट-बढ़ सकती हैं। ग्रेगोरियन प्रणाली स्थिर है-प्रशासनिक सुविधा हेतु। भारतीय पंचांग समय की गणना का मात्र सांस्कृतिक उपकरण नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय गति का वैज्ञानिक प्रतिरूप है। सप्ताह की संरचना ग्रह-क्रम पर आधारित है। तिथि सूर्य-चन्द्र के कोणीय अंतर पर आधारित है। मास नक्षत्रीय स्थिति पर आधारित है। वर्ष सौर-चन्द्र समन्वय पर आधारित है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वैश्विक समन्वय हेतु ग्रेगोरियन प्रणाली का उपयोग करते हुए भी अपनी वैज्ञानिक विरासत-भारतीय पंचांग-को समझें और उसके तार्किक आधार को पुन: प्रतिष्ठित करें। भारतीय समय-दृष्टि हमें यह सिखाती है कि समय केवल दिनांक नहीं, बल्कि प्रकृति और ब्रह्मांड के साथ मनुष्य के सामंजस्य का जीवंत संकेत है।

–प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल,
कुलगुरु, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

पश्चिम एशिया संकट के बीच जैसलमेर बना भारत का सौर कवच

अरबों की विदेशी मुद्रा बचा रहा राजस्थान

अचलदास डांगरा

वर्तमान में पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में, राजस्थान का जैसलमेर जिला अपनी भौगोलिक स्थिति और सूर्य की किरणों की प्रचुरता के कारण भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सौर ऊर्जा हब के रूप में उभर रहा है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने सौर ऊर्जा उत्पादन को प्राथमिकता दी है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने जैसलमेर के भिनाजपुरा (पोकरण) में 975 मेगावाट और कुल 1.3 गीगावाट क्षमता के विशाल सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया है।

प्रमुख उपलब्धि: राजस्थान अब 33.46 गीगावाट से अधिक स्थापित सौर क्षमता के साथ देश में शीर्ष स्थान पर है।

औद्योगिक सुविधाएं: राज्य की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 के तहत निवेशकों को भूमि आवंटन, सब्सिडी और टैक्स में भारी छूट जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

विदेशी मुद्रा की बचत और आर्थिक लाभ : जैसलमेर में बढ़ते सौर उत्पादन से न केवल बिजली की किल्लत दूर हो रही है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा सहारा मिल रहा है।

ईंधन खर्च में कमी: सौर ऊर्जा के विस्तार से कच्चे तेल और कोयले के आयात पर निर्भरता कम हुई है, जिससे भारत हर साल अरबों रुपये की विदेशी मुद्रा बचा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने केवल सौर ऊर्जा के माध्यम से ईंधन लागत में 4.2 बिलियन, लगभग 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत दर्ज की है।

विदेशी निवेश (FDI): राजस्थान के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रिकॉर्ड 3.4 बिलियन का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है।

संकट का समाधान बना स्वर्ण नगरी का सूरजपश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के बीच, जैसलमेर के धोरों में लगे लाखों सोलर पैनल देश को सस्ती और प्रदूषण मुक्त बिजली प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार, जैसलमेर अब केवल रेतीले टीलों की भूमि नहीं, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा का केंद्र बन चुका है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जैसलमेर

राशिफल

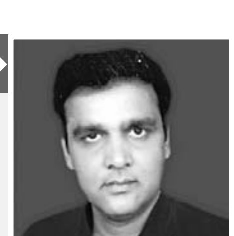

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 28 मार्च, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, पुषय नक्षत्र दिन 2:50 तक, सुकर्मा योग रात्रि 8:06 तक, गर करण प्रात: 8:26 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 2:50 तक है। भद्रा रात्रि 8:16 से आरम्भ होगी। आज नवरात्र व्रत पारणा, नवरात्रोत्थापन, धर्माराज दशमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:58 से 9:29 तक, शुभ 12:32 से 2:14 तक, लाभ अमृत 2:04 से 5:06 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:38

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है।

तुला
स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है, उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

राजस्थान में महिला एवं बाल विकास को नई दिशा दे रही भजनलाल सरकार

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 11.52 लाख गर्भवती महिलाएं लाभांवित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप प्रदेश में महिलाओं के सशक्तीकरण, बाल विकास और संरक्षण, पोषण स्तर में सुधार, आंगनबाड़ियों की मजबूती एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया है। राजस्थान में महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो, इसके लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- लाडो प्रोत्साहन योजना में 6 लाख 53 हजार बालिकाओं को मिली प्रथम किस्त
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 2991 ऋण आवेदन को मंजूरी

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सफल क्रियान्वयन से राजस्थान जनवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में संपूर्ण देश में प्रथम स्थान पर तथा फरवरी 2026 की मासिक रैंकिंग में द्वितीय स्थान पर रहा। इस योजना में 26 मार्च तक 11 लाख 52 हजार 8 गर्भवती महिलाओं को 553 करोड़ रुपये हस्तांरित किए गए हैं। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों में पोषण की स्थिति को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना में 26 मार्च तक 5.15 लाख लाभार्थियों को 172 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राजस्थान में 6200 से अधिकमिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों को मुख्य आंगनबाड़ी केंद्रों में क्रमोन्नत किया गया है। करीब 2365 आंगनबाड़ी केंद्रों को आदर्श रूप में विकसित किया जा रहा है। बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 21367 वजन मशीन (मातृ एवं शिशु हेतु), 31694 इन्फेन्टोमीटर (2 वर्ष तक के बच्चों की लम्बाई मापने हेतु) एवं 31694 स्टेडियोमीटर (बच्चों की ऊंचाई मापने हेतु) उपलब्ध करवाए गए है।

वर्ष 2025 में 20 हजार 85 स्मार्ट फोन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिला पर्यवेक्षकों को उपलब्ध करवाए गए हैं। 7273 नंद घर विकसित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गर्म दूध उपलब्ध करवाया जा रहा है।

प्रदेश में 60404 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 'पोषण भी-पढ़ाई भी' के अनुसार शाला पूर्व शिक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। बेटी के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता 7 किस्तों में दी जाती है। योजना की शुरुआत से अब तक लगभग 6 लाख 53 हजार बालिकाओं को प्रथम किस्त से लाभांवित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में अब तक 230.96 करोड़ रुपये के 2991 ऋण आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं।

मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को दी जाएगी गति, टाइमलाइन व माइलस्टोन तय होंगे : अपर्णा अरोरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने कहा है कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को योजनावद्ध तरीके से विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा होने के साथ ही मेजर मिनरल्स में रेयर अर्थ एलिमेंट्स, सोना, लेड-जिंक, सिल्वर, लाइमस्टोन, लिग्नाइट, कॉपर, बेस मेटल आदि के डिपोजिट्स उपलब्ध होने के साथ ही माइनर मिनरल्स के भी विपुल भण्डार है। एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा शुक्रवार को सचिवालय में राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की गतिविधियों की समीक्षा कर रही थी।

अपर्णा अरोरा

उन्होंने निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष के आरंभ के साथ ही एक्सप्लोरेशन, ड्रिलिंग, केमिकल एनालिसिस से लेकर ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन तक की तैयारियों की टाइमलाइन तैयार करते हुए प्रत्येक कार्य का माइलस्टोन तय किया जाएं ताकि कार्य में गति आने के साथ ही समयबद्ध मोनेटरिंग सुनिश्चित हो सके। अरोरा ने कहा कि विभाग के पास राज्य के प्रत्येक स्थान में संभावित मिनरल्स का डेटा के अनुसार एक्सप्लोरेशन के लिए ड्रिलिंग, केमिकल एनालिसिस आदि हो सके और उपलब्ध खनिज की गुणवत्ता व उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इससे ऑक्शन होने वाले ब्लॉकों अधिक प्रीमियम पर नीलाम होंगे और रोजगार और राजस्व के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए हमें समन्वित प्रयास करने होंगे।

राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आलोक प्रकाश जैन ने आरएसएमईटी की गतिविधियों से अवगत कराया। अधीक्षण भूवैज्ञानिक जयपुर व एमओयू नोडल अधिकारी श्री संजय सक्सैना ने एमओयू के संबंध में प्रगति जानकारी दी। बैठक में विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण खनि अभियंता विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार हुड्डा व अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाहरी के व्यक्ति को राशन की दुकान आवंटित करने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मालपुरा उपखंड के सीतारामपुरा ग्राम पंचायत के बंबोरी गांव की राशन की दुकान ग्राम पंचायत के बाहर के व्यक्ति को आवंटित करने पर प्रमुख खाद्य सचिव, खाद्य आयुक्त, टोंक जिला कलेक्टर और जिला रसद अधिकारी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश भंवर सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि जिला रसद अधिकारी ने 17 अक्टूबर, 2025 को सीतारामपुरा के बंबोरी गांव की खाली उचित मूल्य की दुकान के आवंटन के लिए विज्ञिप्त जारी की थी। इसमें शर्त थी कि आवेदक उसी ग्राम पंचायत का निवासी होना चाहिए। इस दौरान ही राज्य सरकार ने 1 जनवरी, 2026 को पंचायतों का पुनर्गठन किया, लेकिन विज्ञिप्त की शर्त में संशोधन नहीं किया।

याचिका में कहा गया कि पांच फरवरी, 2026 को इस दुकान के आवंटन के लिए अजमेरी ग्राम पंचायत के गांव प्रतापपुरा के निवासी का चयन कर लिया। इसके बाद टोंक जिला रसद अधिकारी ने उसे 17 फरवरी, 2026 को दुकान आवंटित कर दी।

इसे लेकर याचिकाकर्ता की ओर से संबंधित अधिकारियों को शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में जिला रसद अधिकारी की कार्रवाई गलत है। याचिका में गुहार की गई की दुकान का आवंटन रद्द कर उसे स्थानीय निवासी को आवंटित की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया

पिछले 32 वर्षों में हमने शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, कृषि, उद्योग, रोजगार, प्रकृति, पर्यावरण, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण, युग निर्माण, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सनातन धर्म की सेवा में ऐतिहासिक योगदान दिया : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 स्थित बृहद् सभागार योगभवन में रामनवमी पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया गया। स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि आज हम तीन-तीन पर्व एक साथ मना रहे हैं। आज राम नवमी भी है, नवरात्रि की पूर्णता भी है और पतंजलि का यशस्वी सन्यास दिवस भी है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि योगपीठ के माध्यम से पिछले 32 वर्षों में हमने शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, कृषि, उद्योग, रोजगार, प्रकृति, पर्यावरण, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण, युग निर्माण, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सनातन धर्म की सेवा में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज शताधिक ट्रस्टों और विभिन्न संगठनों के माध्यम से देश के 600 से अधिक जिलों में 5000 से अधिक तहसीलों में 35 लाख से अधिक गांव में और लगभग पूरी दुनिया के 200 देशों में योग आयुर्वेद और स्वदेशी और सनातन धर्म के प्रतिष्ठा का कार्य भगवान ने पतंजलि से हो रहा है।

रामनवमी पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया गया।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण महाराज ने पूज्य स्वामी महाराज को 32वें संन्यास दिवस की शुभकमानाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम की जो उदात्तता है, मर्यादा है, उनकी जो व्यापकता है, स्वीकार्यता है उसकी आज विश्व जनमानस में आवश्यकता है। उनके चरित्र व जीवन के प्रत्येक आयाम से हम बहुत कुछ समझ और सीख सकते हैं।

कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने कहा कि यदि श्रीराम धर्म के विग्रह हैं तो स्वामी रामदेव महाराज 21वीं सदी में श्रीराम के साक्षात विग्रह हैं। श्रीराम मात्र हमारे आध्यात्मिकता के केंद्र बिंदु नहीं हैं, मात्र हमारी सामाजिक सांस्कृतिक धरोहरों की जीवंतता को बरकरार रखने वाले प्रतीक नहीं हैं अपितु राम सनातन रूप से आने वाली सभी सहस्त्राबियों के लिए भारत ही नहीं विश्व के लिए एक मानक व्यक्तित्व के रूप में प्रेरणा स्त्रोत व मार्गदर्शक रहेंगे।

नाबालिग से अश्लीलता करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने स्कूल के शौचालय में घुसकर कक्षा-2 की छात्रा से अश्लीलता करने वाले अभियुक्त अनिल कुमार को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने लैंगिक हमले के साथ ही पीड़िता को भावनात्मक चोट भी पहुंचाई है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के पिता ने 11 अक्टूबर, 2025 को गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी का फैसला स्वागत योग्य

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेट्रोल-डीजल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में कमी के निर्णय को स्वागत योग्य बताया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपये घटाकर देशवासियों को बड़ी राहत दी गई है। इस निर्णय से पेट्रोल पर लगने वाली ड्यूटी अब 13 रुपये से घटकर 3 रुपये और डीजल पर 10 रुपये से घटकर शून्य हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा जनहित में लिए गए इस संवेदनशील फैसले से वैश्विक बाजार के चुनौतीपूर्ण समय में लाखों परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही, वे वैश्विक उतार-चढ़ाव की अनिश्चितता से मुक्त रहेंगे।

शर्मा ने इस राहत के लिए 8 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों से दूर रहें एवं एकजुट होकर देश-प्रदेश की प्रगति में अपना सहयोग प्रदान करें।

- प्रधानमंत्री मोदी के संवेदनशील निर्णय से लाखों परिवारों को मिलेगा आर्थिक संबल
- वैश्विक चुनौती के समय जनता को अतिरिक्त बोझ से मिली राहत : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

नई दिल्ली में 30 मार्च को होगा राजस्थान स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

जयपुर/नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रवासी राजस्थानियों का फेडरेशन और अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन राजस्थान संस्था संघ द्वारा 30 मार्च सोमवार को नई दिल्ली के मण्डी हाऊस स्थित एलटीजी सभागृह में 77 वें राजस्थान स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष नवरत्न अग्रवाल बीकानेरवाला ने बताया कि केंद्रीय कानून मन्त्री अर्जुन राम मेघवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि पाली सांसद, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और वन नेशन वन इलेक्शन संसदीय संयुक्त समिति के अध्यक्ष पी पी चौधरी, दिल्ली के सांसद योगेन्द्र चंदौलिया, प्रवीण खण्डेलवाल, दिल्ली प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू होंगे जबकि समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी श्याम सुंदर अग्रवाल तथा स्वागताध्यक्ष डॉ एस के चांडक होंगे। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष के.के.नरेडा ने बताया कि हीमांक एंड टीम, मुद्रा डांस स्टूडियों, कला स्मृति अकादमी (रोशमी मजूमदार) एवं ललिता स्वामी द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। संस्था के महासचिव चन्द्र शेखर मिश्रा ने बताया कि समारोह में कला और संस्कृति, साहित्य लेखन, मीडिया, खेलकूद, महिला उद्यिमता, कलाकारों, उद्योग एवं व्यवसाय, समाज सेवा आदि विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मान भी प्रदान किए जायेंगे।

सामूहिक 21वीं ध्वजा पद यात्रा आज से शुरू होगी

जयपुर। श्री आदि गौड ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में श्री हनुमान जी महाराज सेवा मंडल जयपुर की ओर से सामूहिक 21वीं ध्वजा पद यात्रा शनिवार को शुरू होगी।

जयपुर से मंदिर श्री बद्रीनाथ जी से रवाना होकर पदयात्रा 2 अप्रैल को अलवर के थानागाजी पहुंचेगी। शनिवार को राजेन्द्र भारद्वाज, रींकू भारद्वाज, विनय भारद्वाज, हितेष व संजय द्वारा ध्वजा पूजन किया जायेगा। यात्रा कूकस, चंदवाजी, शाहपुरा, और विराटनगर में रात्री विश्राम के लिए रूकेगी।

उर्वरक उपलब्धता के इंतजाम और कालाबाजारी रोकने के सख्त निर्देश

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग ने खरीफ सीजन 2026 को देखते हुए उर्वरकों की उपलब्धता और उनके संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इस संबंध में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में निर्देश दिए गए कि उर्वरकों के राज्य से बाहर अवैध परिवहन को रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उर्वरक निरीक्षकों को नियमित निरीक्षण कर जमाखोरी, टैगिंग और कालाबाजारी पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।साथ ही नीम कोटेड यूरिया के औद्योगिक और गैर-कृषि उपयोग पर भी विशेष नजर रखने के लिए औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने जिला स्तर पर गठित फर्टिलाइजर रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठकें अप्रैल के पहले सप्ताह में आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा धरती माता बचाओ अभियान के तहत 15 अप्रैल तक ग्राम स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को प्रशिक्षण, गोष्ठियों और रात्रि चौपालों के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। डीएपी के विकल्प के रूप में 3 बैग एसएसपी और 1 बैग यूरिया के उपयोग की सलाह दी जाएगी। साथ ही कपास, मूंगफली सहित अन्य फसलों में एसएसपी और एनपीके उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। उर्वरकों के वितरण और बिक्री में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पीओएस मशीन से स्टॉक सत्यापन, मूल्य सूची प्रदर्शन और आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। आईएफएमएस पोर्टल के जरिए अधिक खरीद और अधिक बिक्री करने वाले विक्रेताओं की पहचान कर भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, यूरिया 3.67 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 0.82 लाख मीट्रिक टन, एनपीके 0.66 लाख मीट्रिक टन और एसएसपी 1.94 लाख मीट्रिक टन है। वहीं केंद्र सरकार द्वारा खरीफ 2026 के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल, आयुक्त चिन्मयी गोपाल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि जिला स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। सरकार का कहना है कि सख्त निगरानी और समुचित प्रबंधन से किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध होंगे, जिससे कृषि उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

'पेशेंट फ्रेण्डली हों स्वास्थ्य सुविधाएं, शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई होगी'

रोगी को पूरी संवेदनशीलता के साथ उपलब्ध करवाएं उपचार : गायत्री राठौड़

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही पेशेंट फ्रेण्डली एप्रोच के सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बड़े अस्पतालों में मरीज भार अधिक है, लेकिन रोगियों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाएं।

स्वास्थ्य जैसे विषय में किसी भी तरह की असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जा सकती। सभी चिकित्सा अधिकारी पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों को पूरा करें। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ शुक्रवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में संबद्ध अस्पतालों के सभी अधीक्षकों के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर चर्चा कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज और इससे जुडे अस्पतालों की अपनी एक प्रतिष्ठा और पहचान है।

यहां के उपचार की गुणवत्ता के कारण ही यहां सर्वाधिक रोगी भार रहता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करें कि यह छवि धूमिल नहीं हो। यहां का हर एक चिकित्सक एवं हर एक स्वास्थ्यकर्मी प्रो-एक्टिव रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाए।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों की समीक्षा की।

अल्पकालिक-दीर्घकालिक प्लान बनाएं

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक प्लान अलग-अलग बनाए जाएं, ताकि जिन सुविधाओं में तत्काल सुधार किया जा सकता है, उनका कार्य लंबित नहीं रहे। स्टाफ का नियोजन इस प्रकार करें कि जहां आवश्यकता अधिक है, वहां जरूरत के अनुरूप चिकित्सक एवं कार्मिक उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि तात्कालिक आवश्यकता के अनुरूप संविदा आधार पर चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ लिया जा सकता है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश कि अस्पताल में उपलब्ध जांच मशीनों एवं उपकरणों को पूरा उपयोग हो। कार्मिक या स्पेशलिस्ट के अभाव में किसी जांच मशीन का उपयोग नहीं हो रहा हो तो तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, लेकिन रोगी को कोई परेशानी नहीं हो।

रोगी भार अधिक तो बढ़ाएं काउंटर

राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में रोगी भार अधिक हो तो काउंटर बढ़ाए जाएं। आवश्यकता अनुसार हेल्प डेस्क स्थापित की जाएं, ताकि रोगियों को उपचार लेने के लिए भटकना नहीं पड़े या लंबे समय तक कतारों में खड़ा नहीं रहना पड़े। उन्होंने क्राउड मैनेजमेंट के लिए तकनीकी उपाय अपनाने पर भी बल दिया। राठौड़ ने कहा कि ट्रोमा सेंटर एवं इमरजेंसी में रोगी गंभीर स्थिति में आते हैं, वहां उपचार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हों। चिकित्सा विशेषज्ञ हमेशा उपस्थित रहें। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी अस्पतालों में आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

स्ट्रेचर, व्हील चेयर की कमी नहीं हो

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग करें।

स्ट्रेचर, व्हील चेयर, दवाओं एवं अन्य संसाधनों की समुचित उपलब्धता रहे। कहीं से भी यह शिकायत नहीं आए कि रोगी को इन संसाधनों के अभाव में परेशानी उठानी पड़े। उन्होंने जांचों के लिए पोर्टेबल मशीनों का उपयोग बढ़ाने पर भी बल दिया, ताकि गंभीर रोगियों को तत्काल जांच सुविधा उपलब्ध हो सके। आपातकालीन इकाई सभी अस्पतालों में बेहतर स्थिति में हो। जिन अधिकारियों की ड्यटी आपातकालीन इकाई में हो, वे हमेशा वहां उपस्थित रहे। रात के समय में भी समुचित स्टाफ वहां मौजूद रहे। सीसीटीवी कैमरा आदि के माध्यम से इसकी मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. राकेश जैन, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित सभी संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवचंडी यज्ञ, अखण्ड रामायण पाठ और महाआरती शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

धर्माचार्य सुधांशुमहाराज का संदेश-धर्म-अध्यात्म की गंगा को जन-जन तक पहुंचाएं

जयपुर। विश्व जागृति मिशन (विजामि) की स्थापना के 35 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुलाबी नगरी में आदर्श नगर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में जयपुर मंडल की ओर से नवचंडी यज्ञ, अखण्ड रामायण पाठ, कन्या पूजन, महाआरती और भंडारा प्रसादी सहित कई धार्मिक और आध्यामिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल ने बताया कि 35 वर्ष पहले रामनवमी के दिन विश्व जागृति मिशन की स्थापना हुई थी। स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में आनंदधाम आश्रम में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस पर विश्व जागृति मिशन के संस्थापक और देश के जाने-माने आध्यात्मिक संत धर्माचार्य श्री सुधांशु महाराज ने डिजिटल माध्यम से प्रसारित विशेष संदेश में कहा कि हम सब बेहतरीन जीवन जी सके इसके लिए देश और समाज को ऊंचा उठाने के लिए धर्म और अध्यात्म की गंगा को जन-जन तक पहुंचाने में सतत भागीदारी का संकल्प लें।

आचार्य सुधांशु ने कहा कि मिशन द्वारा गत 35 वर्षों में भारत में 88 और अन्य देशों में स्थित 11 शाखाओं के माध्यम से भारत के आध्यात्मिक वाङ्मय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद और गीता पर आधारित 8000 से अधिक प्रवचनों की श्रृंखला और गुरूकुलों की स्थापना जैसे अनेक प्रकल्पों के जरिए देश में शिक्षा, संस्कार, साधना, ध्यान और तप की परम्पराओं के संवद्धर्न की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया गया है। घर-परिवार और समाज में आपसी रिश्तों में प्रेम और अपनत्व की भावना लगातार गहरी हो, वृद्धजन अपनी जीवन संध्या में सिर उठाकर खुशियों के साथ जी सके तथा बालक और युवा संस्कारवान बने, इसके लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। जयपुर मंडल से जुड़े श्रद्धालुओं ने स्थापना दिवस के सिलसिले में नवरात्र स्थापना से लेकर रामनवमी तक प्रतिदिन नवचंडी यज्ञ तथा अखंड रामायण पाठ में अपूर्व उत्साह से भाग लिया। आचार्य श्री मोहन शास्त्री और पंडित विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य में मंडल अध्यक्ष मदनलाल अगव्राल सहित पदाधिकारियों दिनेश गुप्ता, द्वारका प्रसाद मुटरेजा, हेम भार्गव, दिनेश सैनी, मदन लाल शर्मा, राजेश अरोड़ा, महिला पदाधिकारियों कांता भल्ला, इंदु भार्गव, आनंदी देवी, ज्ञान कंवर, अलका अरोडा और रेनू कर्मचदानी सहित श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां दी और 500 से अधिक कन्याओं का पूजन किया।

ब्यावर में 21 लाख रूपये चोरी व गुम हुए मोबाइल परिवादियों को लौटाये

मोबाइल गुम होने पर राजस्थान पुलिस की वेबसाइट पर अपनी शिकायत दर्ज करवाये

ब्यावर । रतन सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, उप अधीक्षक पुलिस राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में जिले के सभी थानाधिकारी गणों एवं साईबर सेल द्वारा जिले के विभिन्न थानों के चोरी/गुम मोबाइल फोन को बरामद करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। सीईआईआऱ पर ट्रेसशुदा मोबाईल को रिकवर कर अभियान में इस वर्ष में 12 जनवरी, 2026 को 51 मोबाइल फोन का वितरण किया गया तथा 27.मार्च को अभियान को जारी रखते हुये 52 मोबाइल फोन को परिवादियों को लौटाये गये जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख रूपये है।

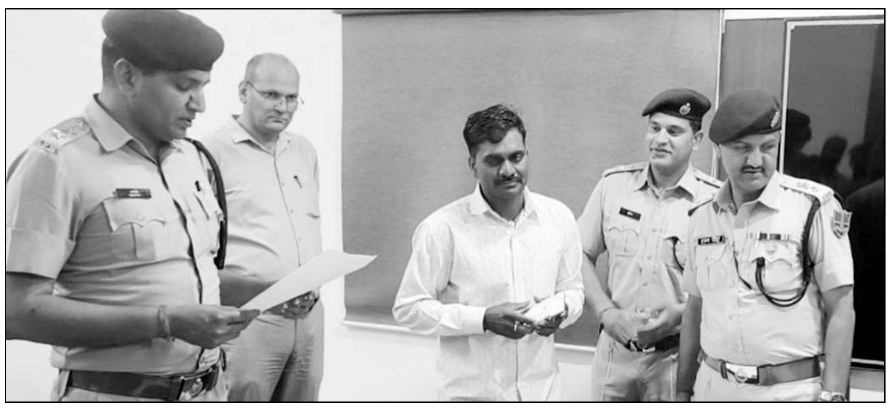

रतन सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार फरियादियों को उनके मोबाइल सुरक्षित पहुंचाये।

इस प्रकार वर्ष 2026 में अब तक कुल 103 मोबाइल फोन बरामद कर परिवादियों को लौटाये गये। ट्रेसशुदा मोबाईल को राजस्थान के विभिन्न जिलों तथा बिहार, गुजरात, मध्यप्रदेश से आसूचना तथा सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरामद करने में सफलता अर्जित की। परिवादी को फोन लौटाये गये जिसे पाकर परिवादियों ने काफी प्रसन्नता व्यक्त की तथा पुलिस कार्यवाही की प्रशंसा की। जिले में चोरी / गुम हुये मोबाईल फोन बरामद करने की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। आमजन से अपील की जाती है कि मोबाइल गुम होने पर राजस्थान पुलिस की वेबसाइट पर नागरिक सुविधा के लिए उपलब्ध खोया हुआ सामान/दस्तावेज में अपनी शिकायत दर्ज करवाये तथा पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के पश्चात मोबाइल को ब्लॉक करने की कार्यवाही करें । पुलिस टीम में सरफराज सउनि. प्रभारी साइबर सैल, नैना सिंह, कानि, मीना, म.कानि साइबर सैल, रामवतार, कानि., सुभाष कानि आदि थे।

■ 2026 में 103 मोबाइल फोन बरामद कर परिवादियों को लौटाये गये। ट्रेसशुदा मोबाईल को राजस्थान के विभिन्न जिलों तथा बिहार, गुजरात, मध्यप्रदेश से आसूचना तथा सीई आईआर पोर्टल की मदद से बरामद करने में सफलता अर्जित की।

7.70 लाख अभ्यर्थियों की निगरानी के लिए सुरक्षा प्रबंध

■ उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 की तैयारी पूरी

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग आगामी 5 एवं 6 अप्रैल को आयोजित होने वाली उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से आयोजित करने एवं परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाए रखने के लिए सुदृढ़ और बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयारी कर रहा है। इस परीक्षा में प्रदेश के 41 चयनित शहरों में स्थापित 1174 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रश्न पत्रों की गोपनीयता, सुरक्षित भंडारण और उनके समयबद्ध वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधियों, डमी अभ्यर्थियों के प्रवेश और संदिग्ध तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस के समन्वय से विशेष निगरानी तंत्र विकसित किया गया है। अभ्यर्थियों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने हेतु इस बार की उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा में क्यूआर कोड युक्त आधुनिक प्रवेश पत्र, अनिवार्य मूल रंगीन फोटो पहचान पत्र और प्रत्येक केंद्र पर सघन वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे तकनीकी सुरक्षा उपायों को अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। परीक्षा के दौरान आपराधिक तत्वों के अवांछित प्रयासों की पूर्ण रोकथाम के लिए परीक्षा केंद्र, प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा, संदिग्ध व्यक्तियों व आसपास की गतिविधियों पर नजर रखते हुए अन्य व्यवस्थाओं को और सघन करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों की परिधि में पूर्ण अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में स्थित साइबर कैफे एवं ई-मित्र केंद्रों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखा जाएगा। परीक्षा परिसर में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में गठित विशेष फ्लाइंग स्क्वॉड और पर्यवेक्षी अधिकारी निरंतर केंद्रों का निरीक्षण करेंगे ताकि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर शिथिलता न रहे।

राज्यपाल 28 मार्च को सीकर दौरे पर

सीकर, । राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े 28 मार्च 2026 (शनिवार) को सीकर दौरे पर आएंगे। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े जयपुर से प्रातः 10:55 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर प्रातः 11:30 बजे सीकर जिले के तारपुरा हवाई पट्टी पर पहुंचेंगे।

राज्यपाल प्रातः 11:35 बजे सड़क मार्ग द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के लिए प्रस्थान कर प्रातः 11:50 बजे शेखावाटी विश्वविद्यालय परिसर पहुंचेंगे।

■ राज्यपाल प्रातः 11:30 बजे सीकर जिले के तारपुरा हवाई पट्टी पहुंचेंगे

यहां वे विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर प्रेरणा स्थल का उद्घाटन करेंगे तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय रिसर्च सेंटर का लोकार्पण करेंगे। इसके उपरांत वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे एवं आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन करेंगे। साथ ही राज्यपाल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। राज्यपाल दोपहर 2:05 बजे विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में आयोजित भोजन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े दोपहर 2:40 बजे तारपुरा हवाई पट्टी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा अपराहन 3 बजे हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

भीलवाड़ा । जिले के सवाईपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बन का खेड़ा के समीप गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। सवाईपुर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शाहपुरा निवासी सुरेश कहार (पुत्र सोहन कहार) गुरुवार रात्रि को अपने दो रिश्तेदारों-एक महिला और एक युवक-के साथ भीलवाड़ा से खटवाड़ा की ओर जा रहे थे। बाइक जब बन का खेड़ा के समीप पहुँची, तभी अंधेरे में अचानक सुरेश बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सका । बाइक सवार तीनों सड़क पर काफी दूर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर सवाईपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुँचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद सुरेश कहार को मृत घोषित कर दिया,

मृतक सुरेश कहार

वहीं घायल महिला और युवक का उपचार जारी है।शुक्रवार सुबह पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है।

बूंदी रोडवेज आगार को मिली 8 नई बसें

बूंदी। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) के बूंदी आगार को मुख्यालय से 8 नई अनुबंधित बसें प्राप्त हुई हैं। इन बसों के संचालन से जिले के यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और समयबद्ध परिवहन सेवाएं मिल सकेंगी। इन नई बस सेवाओं का संचालन आगामी 1 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा।

बूंदी आगार के मुख्य प्रबंधक घनश्याम गौड़ ने बताया कि नई बसों के जरिए विभिन्न प्रमुख शहरों और धार्मिक स्थलों के लिए सीधी व सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इससे यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही कई समस्याओं का समाधान होगा। नई बस सेवाओं के तहत कई महत्वपूर्ण रूट्स पर संचालन किया जाएगा। जिसके तहत कोटा-बूंदी-उदयपुर-अहमदाबाद-वडोदरा सेवा, कोटा से शाम 4 बजे, बूंदी से 5 बजे प्रस्थान कर अहमदाबाद सुबह 5:30 बजे एवं वडोदरा 8 बजे पहुंचेगी।

आयुर्वेद विवि व बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के बीच शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आयुर्वेद, तकनीकी शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

समझौते पर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल व बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी तथा बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने हस्ताक्षर किए। कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि यह समझौता आयुर्वेद और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के बीच सहयोग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में स्वास्थ्य विज्ञान और तकनीकी नवाचार का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इस साझेदारी से दोनों विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों को संयुक्त अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और ज्ञान के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय देश और दुनिया में आयुष शिक्षा और शोध को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है, और तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग से नवाचार और स्टार्टअप के नए अवसर भी विकसित होंगे। वहीं बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रोफेसर अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए अकादमिक और शोध सहयोग का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

सैन्य स्टेशनों पर सुरक्षा की पुख्ता तैयारी

दक्षिणी कमान के सेना सिविल फ्यूजन अभियान में राष्ट्र दृष्टिकोण पर आधारित तैयारी को सुदृढ़ किया

जयपुर, जोधपुर । दक्षिणी कमान ने अपने दायित्व क्षेत्र में मिलिट्री सिविल फ्यूजन अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, शिक्षण संस्थानों तथा उद्योग जगत को एक समन्वित प्रयास में साथ लाया गया, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत तैयारी को और मजबूत किया जा सके।

दक्षिणी कमान ने मिलिट्री सिविल फ्यूजन अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया।

■ बबीना में सेना, पुलिस, वन एवं खनन विभागों की संयुक्त गतिविधियों, निगरानी, संयुक्त गश्त कर जमीनी स्तर पर कार्य किया

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान तथा दक्षिणी राज्यों में फैले दक्षिणी कमान के विभिन्न सैन्य स्टेशनों पर आयोजित इस अभियान ने सुरक्षा के प्रति भारतीय सेना की सम्पूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण आधारित प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया। इस पहल ने संस्थागत अभिसरण को बढ़ावा दिया, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को सुदृढ़ किया तथा बदलते और जटिल सुरक्षा परिदृश्य में विविध हितधारकों की सामूहिक प्रतिक्रिया क्षमता को बेहतर बनाया। इस अभियान के माध्यम से परिचालन, प्रौद्योगिकी, प्रशासनिक तथा ज्ञान-आधारित क्षमताओं के सुनियोजित समेकन को प्रदर्शित किया गया।

इसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राज्य पुलिस एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों, नागरिक प्रशासन, केंद्र एवं राज्य स्तरीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों, हवाई अड्डा एवं नागरिक उड्डयन एजेंसियों, वन एवं खनन विभागों, एनसीसी, शैक्षिणक संस्थानों तथा उद्योग भागीदारों की व्यापक भागीदारी रही। इन संयुक्त प्रयासों ने उभरते खतरों की साझा समझ विकसित की, समान कार्यप्रणालियों को अपनाने को प्रोत्साहित किया तथा आंतरिक सुरक्षा, वायु क्षेत्र जागरूकता, संकट प्रतिक्रिया, आपदा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी-सक्षम निगरानी तथा संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में एकीकृत योजना के महत्व को प्रमाणित किया। उभरते बहु-क्षेत्रीय खतरों के परिप्रेक्ष्य में हिंटरलैंड की सुरक्षा तैयारी का आंकलन करने हेतु मुख्यालय दक्षिणी कमान, पुणे में एक उच्च स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। इस अभ्यास की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने की। इसमें महाराष्ट्र शासन के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न जोनों के मंडलीय रेल प्रबंधक तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों एवं अन्य संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अभियान के अंतर्गत उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप अनेक केंद्रित गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

पुणे में औंध मिलिट्री स्टेशन पर बहु-एजेंसी अभ्यास के माध्यम से सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन, आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों, पुलिस तथा एनसीसी ने संयुक्त प्रतिक्रिया तंत्र और समान कार्यप्रणालियों का परीक्षण किया। भोपाल में आयोजित काउंटर-यूएएस सेमिनार में सैन्य विशेषज्ञों, नागरिक उड्डयन क्षेत्र के प्रतिनिधियों तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधिकारियों की भागीदारी रही, जिससे उभरते हवाई खतरों के प्रति साझा समझ और सहयोग को बल मिला। बबीना में सेना, पुलिस, वन एवं खनन विभागों की संयुक्त गतिविधियों, निगरानी, संयुक्त गश्त तथा आसपास के गांवों में जनसंपर्क प्रयासों ने जमीनी स्तर पर समन्वय और क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ किया। चेन्नई में विजय वार मेमोरियल पर आयोजित सुरक्षा सम्मेलन में सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन तथा राज्य एजेंसियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने आंतरिक सुरक्षा और संकट प्रतिक्रिया पर विचार-विमर्श किया।

बेलगावी और हैदराबाद में आयोजित गतिविधियों ने प्रशिक्षण, तैयारी और संस्थागत समन्वय के क्षेत्र में अंतर-एजेंसी सहयोग को और मजबूत किया, जबकि जोधपुर और जैसलमेर की गतिविधियों ने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नागरिक-सैन्य समन्वय, सूचना साझाकरण तथा सामूहिक तैयारी को सुदृढ़ किया। इन संयुक्त प्रयासों की सबसे उल्लेखनीय विशेषता केवल समन्वय नहीं, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना के साथ विभिन्न एजेंसियों का एक मंच पर आना रहा।

पाली के मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की फिर मिली धमकी

पाली, (नि.सं.) पाली के पुराना बस स्टैंड के पास स्थित डाकघर और पासपोर्ट ऑफिस को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ऑफिशियल ई-मेल पर शुक्रवार को धमकीभरा ई-मेल मिला।

सूचना मिलते ही अलर्ट जारी कर दिया गया, जिसके बाद ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी तुरंत अपना काम छोड़कर बाहर आ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू सुरक्षा को लेकर लोगों को डाकघर ऑफिस की बिल्डिंग से दूर रखा जा रहा है। मुख्य गेट पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए है। फिलहाल डाकघर और पासपोर्ट केंद्र में काम जांच जारी रहने तक बंद कर दिया गया है। ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर सीओ सिटी मदनसिंह, कोतवाल रविन्द्रसिंह मय जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे ओर डाकघर अधिकारी से पूरे मामले की जानकारी लीं। पुलिस के जवानों ने पोस्ट ऑफिस के आस पास गुजर रहे लोगों को दूर किया।

बता दें कि इससे पहले भी करीब 17 दिन पहले 10 मार्च को पाली डाकघर और पासपोर्ट केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी ई मेल के जरिए मिली थी।

हालांकि जांच में चप्पे-चप्पे की जांच की गई थी, लेकिन इसके बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। ऐसे में इस बार भी पुलिस ने धमकी को गंभीरता से लेते जाप्ता जांच में जुटे है। बम निरोधक दस्ते कोई मेल के जरिए मिली थी। हालांकि जांच में चप्पे-चप्पे की जांच की गई थी, लेकिन इसके बाद कुछ भी ईमेल की तकनीकी जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धमकी भरा मेल कहां से और किसने भेजा है। सुरक्षा एजेंसियां भी पूरे मामले को गंभीरता से लेकर जांच में जुटी हुई हैं।

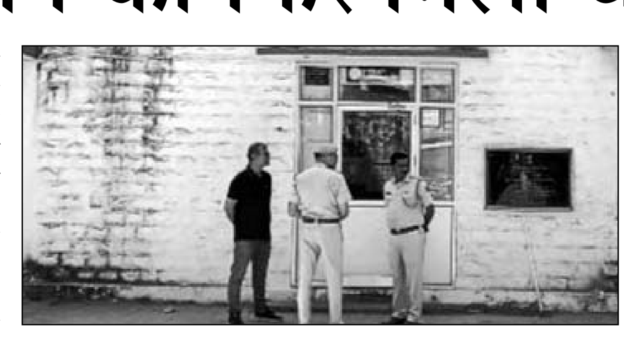

पाली के पुराना बस स्टैंड के पास स्थित डाकघर और पासपोर्ट ऑफिस को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

■ पुलिस पहुंची मौके पर डाकघर खाली कराया और जांच शुरू की

विकास कार्यों का लोकार्पण

झुंझुनूं । रामनवमी के पावन अवसर पर सैनिक नगर में झुंझुनूं राजेंद्र सिंह भांबू का स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत सैनिक नगर में नवनिर्मित सीसी रोड का विधिवत लोकार्पण किया गया। जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही शिव बालाजी मंदिर धाम में गुंबद निर्माण का शिलान्यास भी विधायक द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर राकेश कालेर, सुमेर बोला, रामचंद्र पाटोदा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डूंगरपुर,अंतरराज्यीय महिला चोर गिरोह का सरगना गिरफ्तार

चोरी का माल भी बरामद, उदयपुर सहित सिरोही व पाली में दर्ज हैं 27 प्रकरण

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय महिला चोर गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 2 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह उदयपुर जिले के गौवर्धन थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसके खिलाफ उदयपुर, सिरोही और पाली के विभिन्न थानों में चोरी के 27 प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

उक्त कार्यवाही डूंगरपुर शहर के अशोक नगर निवासी मधुबाला जैन की रिपोर्ट के आधार पर की गई। मधुबाला जैन ने बताया था कि 1 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ रोडवेज बस स्टैंड से बस में सवार हुई थीं। बस में भीड का फायदा उङ्गाकर अज्ञात महिलाओं ने उनके हैंडबैग से लगभग 4.5 तोला वजनी 4 सोने की चूडयिां और आधा तोला वजनी सोने के टॉप्स चुरा लिए थे। इस घटना के बाद कोतवाली थाना के नेतृत्व में एक टीम गङ्गित की गई। पुलिस ने 3 मार्च को इस गिरोह की दो महिलाओं को पहले ही गिरफ्तार कर लिया थाए लेकिन उनका सरगना सिरोही निवासी कमलेश चौधरी फरार चल रहा था। पुलिस ने अब मुख्य सरगना कमलेश चौधरी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उसके कब्जे से चोरी के आभूषण भी बरामद किए गए हैं। बताया कि गिरफ्तार आरोपी कमलेश चौधरी पर 2 हजार रुपए का इनाम घोषित था। वह उदयपुर जिले के गौवर्धन थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ उदयपुर, सिरोही तथा पाली के विभिन्न थानों में चोरी के कुल 27 मामले दर्ज हैं। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों और वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

साहित्यिक प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ

जोधपुर। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिता उमंग-2026 का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पीके शर्मा रहे जबकि अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत ने की।

इस मौके पर कुलगुरु प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से एठीकल्चर के साथ कल्चर का भी अद्भुत संयोजन प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि बेहतर सराहनीय है कि आज के डिजिटल दौर में कृषि के विद्यार्थी आज भी अपनी संस्कृति को संजोए हुए हैं और अपनी जडों से जुड़े हुए हैं।

अवैध मत्स्याखेट पर आमेट के मनोहर सागर तालाब पर कार्रवाई

राजसमंद, (निसं)। जिले के आमेट क्षेत्र स्थित मनोहर सागर तालाब पर अवैध मत्स्याखेट के विरुद्ध मत्स्य विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए निरीक्षण दल ने दो नाव, चार चप्पू व 40 फसला जाल जब्त किए। यह कार्रवाई विभाग द्वारा गति निरीक्षण दल के नेतृत्व में नियमानुसार की गई।

■ नाव, चप्पू व जाल जब्त, जिलेभर में अभियान जारी

जिला मत्स्य अधिकारी डॉ. शीतल नरूका ने बताया कि निरीक्षण के दौरान तालाब क्षेत्र में मत्स्य नियमों के विपरीत गतिविधियां संचालित पाई गईं, जिस पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से प्रयुक्त सामग्री को जब्त किया गया। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि अवैध मत्स्याखेट किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जाएगी।

मत्स्य विभाग द्वारा जलाशयों के संरक्षण एवं मत्स्य संसाधनों के सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है।

अवैध मत्स्याखेट पर आमेट के मनोहर सागर तालाब पर कार्रवाई की गई।

औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन शुरु

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम द्वारा भीलवाड़ा जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्डों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना (नौवां चरण) के अंतर्गत आवंटन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इस योजना के तहत कुल 324 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध कराए गए हैं। जिले के औद्योगिक क्षेत्र फतेहपुरा-समेलिया में 231, करणपुरा में 42, कान्याखेड़ी में 04, उखलिया में 03, पण्डेर (गुलाबपुरा), तहसील जहाजपुर में 17, धुवाला, तहसील माण्डल में 12, पीपलूंद, तहसील जहाजपुर में 06 तथा किडीमाल, तहसील करेड़ा में 07 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त फतेहपुरा-समेलिया में 02 वेयरहाउस भूखण्ड भी उपलब्ध कराए गए हैं।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 05)/2026/ई-14890
ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या (ERCC/RCC 05)/2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारीं लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 12 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।
(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक
DIPR/C/6117/2026

संपत्ति कुर्की से पहले नगर निगम की कमेटी करेगी आमजन की सुनवाई

31 मार्च तक लोगों राहत के साथ बकाया यू.डी. टैक्स जमा कराने का मौका मिला

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को यूडी टैक्स संग्रह अभियान की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के संशोधन मौका मुआयना के बाद ही किए जाएं, ताकि आमजन के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके। बैठक में जैन ने नगर निगम स्तर पर एक समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो उन प्रकरणों की सुनवाई करेगी जिनमें कुर्की प्रस्तावित है।

उन्होंने कहा कि सुनवाई के बाद संबंधित करदाता को बकाया जमा कराने के लिए दो दिन का समय दिया जाए, ताकि उन्हें उचित अवसर मिल सके। जैन ने अधिकारियों को 31 मार्च तक चल रहे यूडी टैक्स संग्रह अभियान को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को दी जा रही रियायतों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को यूडी टैक्स संग्रह अभियान की समीक्षा बैठक ली।

■ वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जयपुर में यूडी टैक्स के रूप में 120.62 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जबकि यूडी टैक्स एवं विज्ञापन कर मिलाकर कुल 144.58 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जयपुर में यूडी टैक्स के रूप में 120.62 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जबकि यूडी टैक्स एवं विज्ञापन कर मिलाकर कुल 144.58 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देते हुए विशेष छूट दी गई है। इसके तहत वर्ष 2024-2025 तक के नगरीय विकास कर की राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति पर शत-प्रतिशत छूट होगी। जिन प्रकरणों में वर्ष 2011-12 से पूर्व का नगरीय विकास कर बकाया है, उन प्रकरणों में एक मुश्त जमा कराने पर उस अवधि के नगरीय विकास कर में शास्ति की छूट के साथ मूल बकाया में भी 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

सचिव ने कहा कि यह अभियान न केवल राजस्व वृद्धि का माध्यम है, बल्कि आमजन को राहत प्रदान करने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनसंपर्क और जागरूकता गतिविधियों को बढ़ाकर इस अभियान को सफल बनाएं।

इस बैठक में डीएलबी निदेशक प्रतीक जुईकर, नगर निगम आयुक्त डॉ गौरव सैनी, वित्तीय सलाहकार सांवरमल, निदेशक विधि लेखराज जाग्रत, नगर निगम के राजस्व अधिकारी सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

मार्च का अंत और अप्रेल की शुरूआत आंधी-बारिश से

नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से 31 मार्च तक जयपुर समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी-बारिश होने की संभावना : मौसम विभाग

जयपुर। प्रदेश में लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिम विक्षोभ के असर से मार्च माह का अंत और अप्रेल की शुरूआत आंधी बारिश से होगी। नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से शनिवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी। 31 मार्च तक जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी-बारिश देखने को मिलेगी। अप्रेल माह के पहले सप्ताह में बैक टू बैक पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के पश्चिम व उत्तरी भागों में बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को झुंझुनूं, चूरू और जैसलमेर में मौसम बदला और काले घने बादल छाने के साथ तेज हवाएं चली और हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश से रबी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। खेतों में पानी भर गया और फसलें पानी में डूब गई। सबसे ज्यादा बारिश पिलानी में 8 मिलीमीटर दर्ज की गई। 36.7 डिग्री के साथ बाड़मेर और 26.2 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। बादल छाने और बारिश होने से प्रदेश के पारे में लगातार उतार-चढ़ाव का दौर बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक नया पश्चिमी विक्षोभ 28 मार्च से राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होने तथा मेघगर्जन के साथ तेज आंधी-बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। 28 मार्च को पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में कहीं-कहीं दोपहर बाद आंधी-बारिश होने की संभावना है। 29-31 मार्च को विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन, आंधी (40-50 प्रति किलोमीटर घंटा) व कहीं-कहीं हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। अप्रेल के प्रथम सप्ताह में भी बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों के लिए अलर्ट जारी किया है कि खुले आसमान में पक कर तैयार फसलों, कृषि मंडियों व धान मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो को ढककर रखें या सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके।

जयपुर में शुक्रवार को दिनभर छितराए बादल छाए रहे। बादलों के बीच से सूरज की आंखमिचौली भी देखने को मिली। बादल छाने और हल्की हवाएं चलने से दिन के पारे में 1.3 डिग्री की गिरावट और रात के पारे में 1 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया। जयपुर का अधिकतम तापमान 33.9 और न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। 29 से 31 मार्च के बीच पश्चिम विक्षोभ का प्रभाव सबसे अधिक रहने से जयपुर में आंधी-बारिश की संभावना है।

साइबर ठगी के आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

■ राजस्थान हाईकोर्ट में डी.जी.पी. राजीव शर्मा ने रखा पक्ष

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अजमेर की 83 साल की महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 83 लाख रुपए की ठगी करने से जुडे मामले में दायर अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश नवीन तेमानी की ओर से दायर द्वितीय अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में डीजीपी राजीव शर्मा और डीआईजी साइबर क्राइम वीसी के जरिए अदालत से जुडे। डीजीपी ने कहा कि घटना एक बडी साजिश का हिस्सा हो सकती है और इसमें और भी पीडित सामने आ सकते हैं। मामले में विदेश में बैठे याचिकाकर्ता के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किए जा चुके हैं। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। वहीं राज्य सरकार की ओर से एएजी राजेश चौधरी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के आधार पर अपराध की गंभीरता में कमी नहीं आती है। प्रकरण में पुलिस ने कुछ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है और मामले में अनुसंधान जारी है। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित जिंदल ने कहा कि याचिकाकर्ता के खाते में पांच लाख रुपए मिलने का दावा किया जा रहा है और वह दस लाख रुपए देने को तैयार है। मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार होकर जेल में बंद है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि गत सुनवाई पर पीडिता ने अदालत में उपस्थित होकर कहा था कि मामले में चल रही कार्रवाई और जांच एजेंसी की ओर से न्याय नहीं न मिलने की वजह से वह पूरी तरह निराश है और उसे अस्सी लाख के बजाए दस लाख रुपए में समझौता करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। महिला ने अदालत को बताया कि वह जीवन के अंतिम चरण में है और पूरी तरह अकेली रहती है। उसकी देखभाल करने वाला भी कोई निकट संबंधी नहीं है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने डीजीपी और एसपी को तलब करते हुए वृद्धा को शहर में आवास और भोजन उपलब्ध कराने को कहा था।

जेडीए की सीमा बढ़ी, लेकिन आधे से ज्यादा जयपुर शहर अब भी सीवरेज-ड्रेनेज से वंचित

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की सीमा को दोगुना कर 6000 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने के फैसले के बीच शहर में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वर्तमान में राजधानी की 60 फीसदी से अधिक आबादी सीवरेज, ड्रेनेज सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

जेडीए ने हाल के दिनों में करीब 600 नए गांवों को अपनी सीमा में शामिल किया है। इसके बावजूद मौजूदा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की गति धीमी बनी हुई है। पिछले वर्षों में विकसित की गई 135 से अधिक कॉलोनियों में से करीब 70 कॉलोनियां अब भी सीवरेज और ड्रेनेज सुविधा से वंचित हैं। शहर के कई हिस्सों में दशकों से सीवरेज लाइन नहीं डाली जा सकी है। रिंग रोड क्षेत्र तथा अजमेर, सीकर और आगरा रोड से सटी कॉलोनियों में भी यही स्थिति बनी हुई है। बरसात के दौरान ड्रेनेज सिस्टम के अभाव में सड़कों पर जलभराव की समस्या आम हो जाती है, जिससे आमजन और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। हालांकि जेडीए ने पीआरएन एरिया में सीवरेज कार्य शुरू किया है, लेकिन शहर के अन्य क्षेत्रों में अब भी कार्य लंबित है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा संपन्न

हरिद्वार (कासं)। भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी) से संबद्ध देशभर के विद्यालयों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शैक्षणिक सत्र 2026-27 के समापन के बाद अब मूल्यांकन का काम तेजी से होने जा रहा है। ताकि बोर्ड परीक्षा का परिणाम शीघ्र घोषित किया जा सके।

यहां बता दें कि 9 से 25 मार्च 2026 तक बोर्ड की परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुकी है। इन परीक्षाओं में देश के विभिन्न राज्यों के हजारों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बीएसबी बोर्ड परीक्षाओं का संचालन पूरे देश में पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित वातावरण में किया गया। सभी परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड के निर्धारित मानकों के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। परीक्षा की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी में परीक्षा प्रक्रिया को संपन्न कराया गया।

इसके अतिरिक्त, सभी परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर शाखा कार्यालय नोएडा स्थित कंट्रोल रूम से लाइव स्क्रीनिंग के माध्यम से निरंतर निगरानी रखी गई, जिससे परीक्षा संचालन पूरी तरह प्रभावी, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बना रहा। किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए बोर्ड की ओर से विशेष सतर्कता बरती गई तथा त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई थी।

भारतीय शिक्षा बोर्ड सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं परीक्षा केंद्र प्रभारियों के समन्वित सहयोग से यह परीक्षा प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई।

बोर्ड ने इस सफल आयोजन पर सभी संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों एवं सहयोगी कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अब बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ किया जाएगा।

मूल्यांकन कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करते हुए परिणाम शीघ्र घोषित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य की अगली प्रक्रिया समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके।

29-30 मार्च को जलापूर्ति रहेगी प्रभावित, 31 मार्च से होगी बहाली

जयपुर (कासं)। बीसलपुर-जयपुर पेयजल परियोजना के आवश्यक नियमित मरम्मत कार्य किए जाने के कारण जयपुर शहर की पेयजल आपूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगी।

जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता (क्षेत्र द्वितीय) जयपुर अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि 28 मार्च (शनिवार) को सूरजपुरा पम्पिंग स्टेशन से जयपुर शहर के लिए पेयजल पम्पिंग सायं 8 बजे से 29 मार्च सायं 8 बजे तक पूर्णत: बंद रहेगी।

इस निर्धारित शटडाउन के चलते 29 मार्च को जयपुर शहर की सम्पूर्ण जलापूर्ति बाधित रहेगी। 30 मार्च को प्रातःकाल: जलापूर्ति पूर्णत: बाधित रहेगी। हालांकि सायंकाल: जलापूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रहेगी। इसके बाद 31 मार्च से जलापूर्ति पुन: सामान्य रूप से सुचारू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी ग्रीष्मकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए यह मरम्मत कार्य अत्यंत आवश्यक है, जिससे भविष्य में निर्बाध एवं सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि को ध्यान में रखते हुए अग्रिम रूप से पर्याप्त मात्रा में पेयजल का संग्रहण कर लें तथा जल का विवेकपूर्ण एवं संयमित उपयोग करने में सहयोग प्रदान करें।

'3 सप्ताह में सर्वे रिपोर्ट पेश करो, वरना जेडीए सचिव व निगम कमिश्नर पेश हो'

हाईकोर्ट ने खातीपुरा रोड से खिरणी फाटक की 60 फीट चौडी रोड पर अतिक्रमण मामले में जवाबा मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खातीपुरा रोड से खिरणी फाटक की 60 फीट चौडी रोड पर अतिक्रमण मामले में जेडीए व नगर निगम को मौके की सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। तय समय में रिपोर्ट पेश नहीं होने पर अदालत ने जेडीए सचिव व नगर निगम कमिश्नर को आगामी सुनवाई पर पेश होने के लिए कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश श्रीराम नागरिक विकास समिति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा कि खातीपुरा से खिरणी फाटक को जोड़ने वाली रोड पर अतिक्रमण है। कई भूखंड रोड पर ही स्थित हैं और उन्हें हटाया भी नहीं गया है। जिसके चलते यहां का ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। ऐसे में मौके से अतिक्रमण हटाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गत 17 फरवरी को जेडीए व नगर निगम को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था। अधिवक्ता अमित कुडी ने अदालत में शपथ पत्र पेश कर कहा कि उन्होंने 23 फरवरी को नगर निगम को पत्र लिख दिया था कि यह स्थानीय स्कीम उन्हें ट्रांसफर कर दी हैं, लेकिन दोनों की ओर से सर्वे की गफलत भरी रिपोर्ट आई। जिस पर कोर्ट ने दुबारा सर्वे रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए।

डॉ. सतीश पूनियां ने बेंगलुरु में ली बैठक

बेंगलुरु। ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी महानगरपालिका चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर बेंगलुरु में भाजपा की संगठनात्मक बैठक हुई, जिसमें बेंगलुरु वेस्ट, बेंगलुरू सेंट्रल एवं साउथ, बेंगलुरु नॉर्थ एवं ईस्ट के पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं पार्टी पदाधिकारियों की बैठक लेकर भाजपा के विजय संकल्प की सिद्धि को लेकर मंथन किया।

ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी महानगरपालिका चुनाव-2026 को लेकर आयोजित बैठक को चुनाव प्रभारी राम माधव, चुनाव सह-प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां, चुनाव सह-प्रभारी संजय उपाध्याय, कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र येदियुरप्पा, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष आर अशोक इत्यादि पदाधिकारियों ने संबोधित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर भाजपा के विजय संकल्प में जुटने का आव्हान किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री एनस नंदीशा रेड्डी, प्रदेश उपाध्यक्ष बैराठी बसवराज, प्रदेश मंत्री थमेशा गौडा, जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौडा, जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति, विधायक एस रघु, विधायक दसारहल्ली मुनिराजु इत्यादि ने भी संबोधित कर सभी कार्यकर्ताओं को विजय अभियान के लिए संकल्पित होकर कार्य करने का संकल्प दिलाया, इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों की खुशहाली से ही देश की समृद्धि संभव : डॉ. समित शर्मा

सहकारी समितियों को व्यवसाय में वृद्धि कर आय बढ़ाने की आवश्यकता : राजफैड प्रशासक

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड (राजफेड) के प्रशासक डॉ. समित शर्मा ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' नया विचार नहीं होकर एक-दूसरे की मदद करने की हमारी परम्परा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएंगे। डॉ. शर्मा शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन के सभागार में राजफेड की 69वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के प्रतिनिधि के रूप में ईश्वर ने हमें किसानों के परिवार में खुशहाली और समृद्धि लाने का अवसर दिया है। किसान खुशहाल होगा तभी देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता से मुक्ति दिलाकर आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद योजना लागू की। इस योजना से बड़ा परिवर्तन यह आया है कि अन्न उत्पादन में आज देश आत्मनिर्भर हो चुका है तथा दूसरे देशों को अन्न का निर्यात करने लगा है।

राजफैड के प्रशासक डॉ. समित शर्मा ने शुक्रवार को आयोजित 69वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित किया।

राजफैड प्रशासक ने कहा कि सहकारी समितियों को अपने व्यवसाय में वृद्धि कर आय बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों को अपने साथ जोड़ने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जो अन्न खाते हैं वह हमारे शरीर के अनुकूल होना चाहिए। इसके लिए श्री अन्न को प्रोत्साहित किया जाना समय की आवश्यकता है। फसल में रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों का उपयोग संतुलित रूप में किया जाए। साथ ही, जैविक खेती व उत्पादों को अपनाने के लिए किसानों और आमजन को जागरूक किया जाए।

डॉ. शर्मा ने प्रदेश भर से आए क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं प्रशासकों के सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर सूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता एवं किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जाएंगे।

राजफैड के प्रबंध निदेशक बचनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि विगत दिनों में क्रय-विक्रय सहकारी समितियों को 183 करोड़ रुपए की बकाया राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि समितियों की नियमित आय के लिए खरीद के अलावा अन्य विकल्पों को अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है। कृषि विभाग से समन्वय कर खाद का सहकारी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटन करवाने के प्रयास किए जाएंगे।

अग्रवाल ने कहा कि जो समितियां बीज उत्पादन, जैविक खेती और निर्यात से जुड़ना चाहती हैं, वे राष्ट्रीय स्तर पर गठित तीन बहुराज्यीय समितियों भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड, राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड एवं राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड की सदस्य बनें, राजफेड द्वारा इसमें पूर्ण सहयोग किया जाएगा। वार्षिक साधारण सभा में गत साधारण सभा की कार्यवाही की पुष्टि सहित एजेंडा में शामिल विभिन्न बिंदुओं का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। प्रारंभ में शासन सचिव सहित अन्य गणमान्यजनों ने दीप प्रज्वलन कर वार्षिक साधारण सभा का विधिवत शुभारंभ किया। साधारण सभा में वित्त विभाग के प्रतिनिधि संयुक्त शासन सचिव देवेंद्र अरोड़ा सहित क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के अध्यक्ष एवं प्रशासक तथा सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

स्प्रिंग-समर एडिट एग्जीबिशन शुरू

जयपुर (कासं)। भारतीय हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट्स के समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी मंच शिल्पकारी द्वारा जयपुर में बहुप्रतीक्षित एग्जीबिशन स्प्रिंग-समर एडिट का बिडला ऑडिटोरियम में भव्य आगाज हुआ। एग्जीबिशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, डेवलपमेंट कमिश्नर (डीसी) - हैंडलूम्स, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, आईएएस डॉ एम. बीना द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने शिल्पकारी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि "यह भारत की हैंडलूम और हस्तशिल्प विरासत को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य कर रहा है। शिल्पकारी की संस्थापक शिल्पी भार्गव ने बताया कि एग्जीबिशन के शुभारंभ पर मेडिटेशन एक्सपर्ट और यगन आचार्या, निर्मला सेवानी ने मंत्रोच्चारण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। यह तीन दिवसीय एग्जीबिशन 29 मार्च तक बिडला ऑडिटोरियम के म्यूज़ियम हॉल में आयोजित होगी। एग्जीबिशन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आर्टीजंस द्वारा भारत के बेहतरीन हैंडलूम वस्त्रों और हैंडक्राफ्टेड उत्पादों का एक क्यूरेटेड कलेक्शन शोकेस किया है। इस कलेक्शन में 40 से अधिक शिल्पों को शामिल किया गया है, जिसमें हैंडलूम साड़ियां, टेक्सटाइल, गारमेंट्स, यार्डेज़, ज्वैलरी और हैंडीक्राफ्ट्स की विस्तृत रेंज प्रदर्शित की जा रही है।।

"अर्थ ऑवर-डे" में सहभागिता की अपील

जयपुर। अर्थ ऑवर डे पर 28 मार्च को लोकभवन में रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक सभी गैर-जरूरी विद्युत प्रकाश उपकरण बंद रखे जाएंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आमजन से भी अपील की है कि एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स को बंद रखकर अर्थ ऑवर डे में सभी सहभागिता निभाएं। उन्होंने कहा कि इससे सामूहिक तौर पर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में हम सार्थक पहल कर पाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह हम सबकी महती पहल होगी। उल्लेखनीय है कि बिजली बचाने के मकसद से दुनियाभर में विश्व भर में अर्थ ऑवर डे मनाया जाता है। यह अर्थ ऑवर वर्ल्ड वाइड फंड का एक अभियान है। इसका मकसद लोगों को बिजली के महत्व के प्रति और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरुक करना है।

जेडीए ने आवंटित की 17 हैक्टेयर भूमि

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 220वीं बैठक में शहर के समग्र विकास, सार्वजनिक परिवहन के विस्तार और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नॉन-फेयर रेवेन्यू गतिविधियों के लिए ग्राम मानपुरा (तहसील मौजमाबाद) में 7.45 हेक्टेयर तथा ग्राम भोजपुरा (तहसील फागी) में 10.0529 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय मेट्रो परियोजना को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी। इसके अतिरिक्त, शहर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 33/11 केवी जीएसएस के निर्माण के लिए ग्राम चकवाड़ा (तहसील फागी) में 1000 वर्गमीटर भूमि आवंटन को भी मंजूरी प्रदान की गई। इन फैसलों से जयपुर में विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और शहरी सुविधाओं के व्यापक विकास को रफ़्तार मिलेगी। बैठक में सचिव निशांत जैन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ प्रिया बलराम, उप आयुक्त दिग्गज चांगल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिद्वार में जयपुरिया यात्री निवास सेवा

हरिद्वार। पावन तीर्थनगरी हरिद्वार में सेठ बेनी प्रसाद जयपुरिया ट्रस्ट द्वारा भूपतवाला क्षेत्र में जयपुरिया यात्री निवास का शुभारंभ किया गया। यह पहल न केवल एक महत्वपूर्ण सेवा कार्य है, बल्कि समस्त राजस्थानी समाज के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय भी है। देश-विदेश से हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर राजस्थानी यात्रियों के लिए यह यात्री निवास एक सुरक्षित, सुलभ एवं आत्मीय आवास सुविधा प्रदान करेगा। इसे श्रद्धालुओं के लिए एक स्नेहपूर्ण आश्रय के रूप में विकसित किया गया है। इस पुनीत कार्य के लिए समाज में महावीर प्रसाद जयपुरिया एवं अनुराग जयपुरिया के प्रति विशेष सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की जा रही है। उनकी यह पहल नर सेवा ही नारायण सेवा के आदर्श को साकार करती है, जिसकी व्यापक सराहना हो रही है। उद्घाटन अवसर पर स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

181 कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया

जयपुर। राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के कंट्रोल रूम का शुक्रवार को राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि विभाग की नई योजनाओं को संपर्क पोर्टल के सब्जेक्ट में शामिल किया जाए, जबकि पुराने और अनुपयोगी विषयों की समीक्षा कर उन्हें हटाया जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 23 मार्च 2025 से 27 मार्च 2026 तक राजस्व विभाग से जुड़े कुल 1,90,151 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 1,80,222 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। यह कुल 94.78 प्रतिशत निस्तारण दर दर्शाता है। इन मामलों के समाधान में औसतन 22 दिन का समय लगा, जबकि लगभग 50 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि जताई।

Earth Hour 2026: A Global Switch-Off For A Brighter Planet

Observed on Saturday, March 28, 2026, Earth Hour is a global environmental movement that encourages individuals, communities and businesses to switch off non-essential lights for one hour. Organised annually by the World Wide Fund for Nature (WWF), the initiative symbolises collective action against climate change and biodiversity loss. Beyond the symbolic blackout, Earth Hour inspires long-term sustainable habits, from conserving energy to reducing carbon footprints. Iconic landmarks across the world participate, sending a powerful message of unity. More than just sixty minutes in the dark, Earth Hour is a reminder that small actions can illuminate lasting environmental change.

#THE ELEPHANT'S TRUNK

A Marvel of Strength and Precision

The trunk isn't just about brute force, it also allows for delicate actions. Elephants can use their trunks to pick up a single peanut from the ground

The elephant's trunk is one of nature's most extraordinary features. This long, flexible appendage, which is an iconic part of the elephant's anatomy, is made up of around 40,000 muscles and contains no bones at all. It's a unique and powerful tool that allows elephants to perform a wide range of tasks, from simple actions like feeding to complex social interactions. The trunk's strength, flexibility, and precision make it a true marvel of evolutionary design.

A Muscular Wonder

The elephant's trunk is essentially an incredibly complex muscle system, consisting of over 40,000 muscles. This is more than the number of muscles in the entire human body! These muscles are arranged in units that give the trunk its remarkable range of motion. Unlike human limbs, which have bones for support and structure, the elephant's trunk is completely boneless. This lack of bones makes the trunk extraordinarily flexible, allowing it to move in many directions and perform a wide variety of tasks. The muscles work in coordination, enabling the trunk to twist, curl, and extend with precision.

Strength and Dexterity Combined

Despite being boneless, the trunk is incredibly strong. Elephants can use their trunks to carry heavy objects, like uprooting trees or breaking branches. Estimates suggest that an elephant's trunk can lift objects weighing as much as 600 pounds! This strength is essential for survival, especially when moving obstacles or defending against threats. However, the trunk isn't just about brute force, it also allows for delicate actions. Elephants can use their trunks to pick up a single peanut from the ground or handle fragile objects like small twigs without damaging them. This ability to combine strength with dexterity makes the trunk a truly versatile tool.

Precision in Action

In addition to its strength, the trunk's precision is what makes it so unique. Elephants can perform tasks that require fine motor skills, such as plucking individual leaves from a tree or drawing water into their trunks to drink. The trunk's incredible sense of touch also enables elephants to interact with their environment with great care. This tactile sensitivity is crucial not only for foraging but also for social interactions. Elephants use their trunks to communicate, greet one another, and show affection by touching or entwining their trunks with each other.

The trunk's precision is a vital part of how elephants navigate the world. It helps them grasp food, drink, bathe, and perform social behaviours with incredible accuracy.

An Adaptation for Survival

The elephant's trunk serves many purposes, all critical for the animal's survival. It is primarily used for feeding, as elephants are herbivores and need to grasp leaves, branches, and grasses from their surroundings. The trunk can stretch up to 7 feet, giving elephants access to food high in trees or deep in the grasslands. When it comes to drinking, an elephant uses its trunk like a straw, sucking water into it and then squirting it into its mouth.

The trunk also plays a role in bathing, where elephants spray themselves with water or mud to keep cool and protect their skin. Additionally, the trunk is essential for breathing and sniffing, helping elephants to locate food or water from a distance.

The Toxicity of Honey!

Honey, though a natural and potent healing substance, can turn toxic or lose its beneficial effects when combined with certain foods or exposed to high heat. In Ayurveda, these dangerous combinations are referred to as Viruddha Ahara, and they can disrupt the body's balance, leading to digestive issues, toxin buildup, and other health problems.

#AYURVEDA

● Bulbul Joshi

Honey, often praised for its sweetness and medicinal properties, has been used for centuries in traditional medicine. However, what is surprising to know is that like many natural substances, honey can become toxic or lose its beneficial properties when combined with certain foods or exposed to high temperatures. In Ayurveda, this phenomenon is referred to as *Viruddha Ahara,* which denotes incompatible food combinations that may disrupt the body's balance and cause harm. So, how to take your honey so that it remains 'sweet' till the end depends on not misusing it. Here are some tips.

1. Honey and Heat: The Impact of Heating on Honey

When honey is heated, especially at high temperatures, it undergoes a chemical transformation that makes it potentially harmful. Raw honey contains enzymes, vitamins, and antioxidants that are beneficial for the body. However, when honey is exposed to excessive heat (above 40°C or 104°F), these enzymes and nutrients begin to break down. In addition, heating honey can lead to the formation of hydroxymethylfurfural (HMF), a compound that is considered toxic in large amounts. HMF is linked to digestive disturbances, and prolonged consumption of overheated honey may have detrimental effects on the liver and kidneys.

2. Honey with Lukewarm Water: A Safe Combination

While honey mixed with hot water can be harmful, honey with lukewarm water is considered safe and is often used as a soothing remedy. Lukewarm water (at or below 40°C or 104°F) allows honey to dissolve without breaking down its enzymes or creating harmful compounds. Drinking honey with lukewarm water can aid digestion, improve gut health, and promote better hydration. This combination is also recommended for soothing sore throats and boosting energy levels.

3. Honey and Hot Water: A Harmful Mix

Combining honey with hot water (above 40°C) should be avoided, as the heat destroys the natural enzymes present in honey, reducing its therapeutic benefits. Furthermore, excessive heat can transform honey into a more acidic substance, potentially irritating the digestive system and causing indigestion. As mentioned earlier, high temperatures can also lead to the creation of HMF, which may cause long-term health issues.

4. Honey and Ghee: A Traditional but Controversial Pairing

Honey and ghee (clarified butter) are both considered sacred in Ayurvedic traditions, often combined in specific rituals or health tonics. While both have medicinal properties, mixing honey with ghee can be problematic when consumed in large amounts. Ghee is an excellent carrier of fat-soluble nutrients, but when combined with honey, the resultant mixture may lead to digestive imbalance. Honey, being a natural sugar, can aggravate the digestive system when paired with the rich, oily nature of ghee. This combination may disrupt digestion, especially if consumed in excess.

5. Honey and Sesame Oil: A Potentially Harmful Pairing

Sesame oil is rich in healthy fats and antioxidants, but combining it with honey is considered Viruddha Ahara in Ayurveda. Honey's natural sugars and sesame oil's fats may not blend well together in the digestive system. This combination can cause sluggish digestion, bloating, and discomfort. While both ingredients have their own medicinal benefits, it's advisable to consume them separately for better absorption and to avoid gastrointestinal issues.

6. Honey and Hot Milk: A Risky Combination

Combining honey with hot milk is a popular traditional remedy for improving sleep and boosting immunity. However, this combination can be problematic. When honey is mixed with hot milk, it can cause a reaction in the body, especially in individuals with sensitive digestive systems. The heat from the milk can alter the beneficial properties of honey, and the milk proteins may not interact well with honey's natural sugars, leading to poor digestion and possible acidity.

7. Honey and Fish: A Harmful Food Pairing

One of the most well-known Viruddha Ahara combinations is honey with fish. According to Ayurvedic principles, honey and fish should never be consumed together. Honey, being a natural sugar, can ferment in the stomach when combined with fish, a rich protein source. This fermentation process may cause digestive discomfort, bloating, and gas. Additionally, the combination is said to produce toxins in the body that could lead to food poisoning-like symptoms.

8. Honey and Meat: Another Dangerous Combination

Similar to honey and fish, honey and meat are considered an incompatible combination in Ayurvedic dietary principles. The fermentation of sugar in honey when paired with protein-rich meat can disturb the digestive process, leading to gas, bloating, and indigestion. Additionally, both honey and meat are heavy foods, and when combined, they can strain the digestive system, leading to slow digestion and potential toxic buildup.

9. Honey and Radish: A Toxins-Generating Pair

Radishes are known for their cooling properties and ability to aid digestion. However, when consumed with honey, radishes can cause indigestion. Honey's heating qualities combined with the cold nature of radishes may result in an imbalance, creating toxins in the digestive system. This combination can cause stomach discomfort, bloating, and flatulence.

10. Honey and Fruits: A Delicate Balance

Fruits are highly nutritious, but the combination of honey with certain fruits can disrupt the digestive system. Some fruits, particularly citrus fruits, when consumed with honey, can lead to fermentation in the stomach. This can cause bloating and gas. It's best to consume fruits separately from honey or choose fruits with lower acidity levels, such as apples or pears, for a safer combination.

11. Honey with Ginger and Pepper: A Strong Mix for Some

While both ginger and pepper have medicinal properties, combining them with honey should be done cautiously. Ginger is warming, and pepper is a strong stimulant. When combined with honey, these ingredients may over-activate the digestive system, leading to discomfort for individuals with sensitive stomachs. For optimal benefits, consume ginger and pepper separately from honey, especially if you are prone to digestive issues.

12. Honey and Fever: A Contraindicated Pairing

While honey is known for its healing properties, it is generally not recommended for individuals with a fever. Consuming honey during a fever could aggravate the body's internal temperature regulation and may cause further discomfort. Instead, it's better to stick with hydration and foods that are cooling and easy to digest when feverish.

13. Medicinal Uses of Honey

When consumed in moderation and with the right combinations, honey has numerous medicinal benefits. It is known for its antimicrobial properties, helping to heal wounds and soothe sore throats. Honey is also rich in antioxidants, which help combat oxidative stress and support heart health. Additionally, honey can be used as a natural remedy for digestive issues, coughs, and skin ailments. For therapeutic purposes, it is best consumed raw and unheated to preserve its natural enzymes and nutrients.

Honey, though a natural and potent healing substance, can turn toxic or lose its beneficial effects when combined with certain foods or exposed to high heat. In Ayurveda, these dangerous combinations are referred to as Viruddha Ahara, and they can disrupt the body's balance, leading to digestive issues, toxin buildup, and other health problems. To harness honey's full benefits, it's essential to be mindful of how and with what it is consumed. Enjoying honey in its pure form or with lukewarm water is often the safest way to benefit from this ancient superfood.

rajeshsharma1049@gmail.com

#JOAN OF ARC

The Maid of Orléans

She convinced Charles VII to allow her to accompany the French army to the besieged city of Orléans

Joan of Arc, often called the Maid of Orléans, is one of history's most remarkable figures, a young peasant girl who rose to become a military leader and a symbol of French unity and courage during the Hundred Years' War. Born around 1412 in Domrémy, a small village in northeastern France, Joan's life was brief but extraordinarily impactful, marked by her faith, bravery, and determination.

Early Life and Divine Visions

Joan was born into a humble farming family during a turbulent period in French history. France was deeply embroiled in the Hundred Years' War against England, which had claimed large territories in France and severely weakened the French monarchy.

From a young age, Joan claimed to experience visions and hear voices from saints such as St. Michael, St. Catherine, and St. Margaret. These divine messages urged her to support Charles VII, the Dauphin (heir apparent) of France, and help him reclaim his throne by driving the English out of French lands.

Rising as a Leader

Despite being a teenage peasant girl with no military training, Joan's conviction and faith impressed those around her. In 1429, she convinced Charles VII to allow her to accompany the French army to the besieged city of Orléans. This city was crucial to French resistance, and its capture by the English would have been a devastating blow.

Joan's presence inspired the troops and the French population. Her leadership and courage helped lift the siege of Orléans, marking a turning point in the war. This victory boosted French morale and paved the way for Charles VII's coronation as king in Reims, a ceremony Joan insisted must happen to legitimize his rule.

Capture and Trial

In 1430, Joan was captured by Burgundian forces allied with the English. She was handed over to the English and put on trial for charges including heresy, witchcraft, and dressing as a man. The trial was politically motivated, aimed at discrediting her and undermining Charles VII's legitimacy.

Joan was found guilty and, despite her steadfast faith and bravery, was burned at the stake in 1431 at about 19 years of age. Her death was tragic, but her legacy had already begun to inspire the French people.

Legacy

Joan of Arc became a symbol of French nationalism and faith. In 1456, a posthumous retrial declared her innocent, and in 1920, the Catholic Church canonized her as a saint. Today, Joan of Arc is remembered worldwide as a courageous heroine who defied gender and social norms to lead her country through one of its darkest hours.

THE WALL

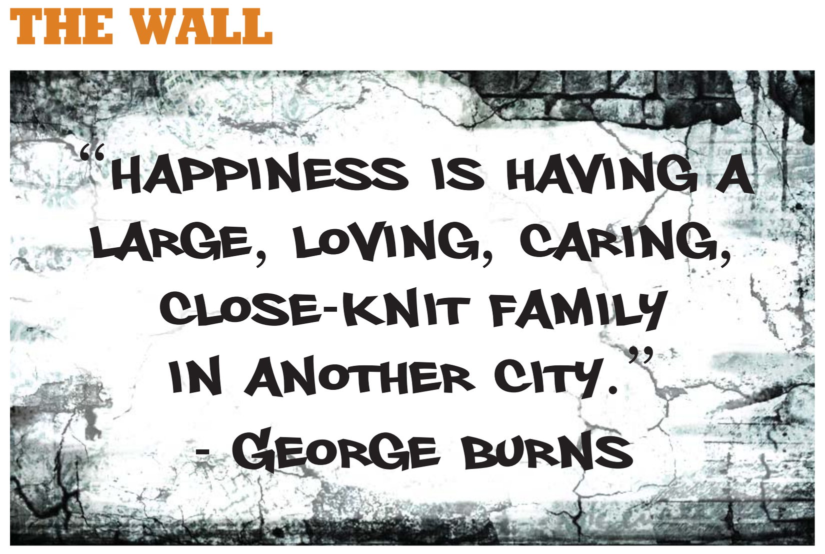

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

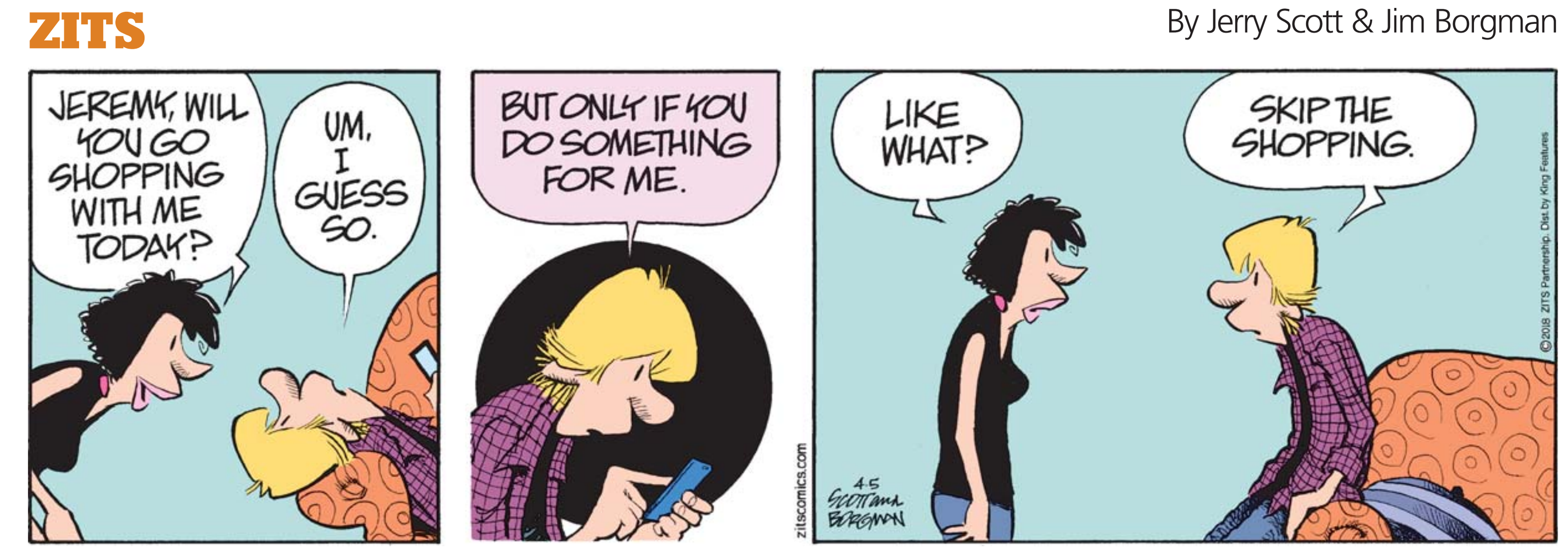

मारपीट के मामले ने तूल पकड़ा, आरोपियों की पैरवी नहीं करेंगे वकील

आगुचा टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों ने एक अधिवक्ता और उनके परिवार से मारपीट की थी

भीलवाड़ा। आगुचा टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों द्वारा एक अधिवक्ता और उनके परिवार के साथ की गई मारपीट और महिलाओं से अभद्रता के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में अभिभाषक संघ, गुलाबपुरा ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपियों की पैरवी न करने का निर्णय लिया है और जिला बार एसोसिएशन से सहयोग की अपील की है।

गुलाबपुरा न्यायालय के अधिवक्ता रामकुंवार प्रजापत अपने परिवार के साथ आगुचा टोल से गुजर रहे थे। आरोप है कि अधिवक्ता द्वारा अपनी पहचान बताने के बावजूद टोलकर्मियों ने उनके पेशे को लेकर अपशब्द कहे और गाली-गलौज की। विवाद इतना बढ़ा कि टोलकर्मियों ने अधिवक्ता और उनके परिजनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पत्र में उल्लेख है कि आरोपियों ने परिवार की महिला और बच्चियों के साथ भी अश्लील हरकतें कीं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अधिवक्ता गुलाबपुरा थाने पहुंचे और देर रात ही पीड़ित पक्ष का मेडिकल करवाकर मामला दर्ज करवाया। गुलाबपुरा पुलिस ने इस मामले में एफ.आई.आर. संख्या 106/2026 दर्ज की है। इसमें आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि 3-4 आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। अभिभाषक संघ, गुलाबपुरा के अध्यक्ष परमेश्वर शर्मा और सचिव पीयूष खण्डेलवाल ने जिला बार एसोसिएशन, भीलवाड़ा के अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ को पत्र लिखकर इस घटना की कड़ी निंदा की है। संघ ने निर्णय लिया है कि गुलाबपुरा का कोई भी अधिवक्ता इन आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा। भीलवाड़ा जिला बार से भी अनुरोध किया गया है कि वे इस मामले में आरोपियों का सहयोग न करें और अधिवक्ता हित में एकजुटता दिखाएं। पत्र में चिंता जताई गई है कि जब कानून के जानकार (अधिवक्ता) ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता का क्या होगा? संघ ने आरोप लगाया कि टोलकर्मी नियम विरुद्ध जाकर 10-15 किमी के दायरे वाले ग्रामीणों के साथ भी आए दिन बदसलूकी करते हैं। अभिभाषक संघ जल्द ही बैठक कर आगामी आंदोलन की रणनीति तय करेगा। यदि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द नहीं होती है, तो वकील कार्य बहिष्कार जैसा कड़ा कदम भी उठा सकते हैं।

अभिभाषक संघ, गुलाबपुरा के अध्यक्ष परमेश्वर शर्मा ने जिला बार एसोसिएशन, भीलवाड़ा के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस घटना की कड़ी निंदा की।

■ घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अधिवक्ता गुलाबपुरा थाने पहुंचे और देर रात ही पीड़ित पक्ष का मेडिकल करवाकर मामला दर्ज करवाया।

भूकी में दिखे भालू, पैंथर व सांभर

बूंदी (निसं)। रामग-विषधारी टाइगर रिजर्व के कालदां बफर जोन के भूकी के नाले में भ्रमण के दौरान दो भालू दिखाई दिए। नाले में सांभर व पैंथर की भी मौजूदगी दर्ज की गई। गुढ़ानाथावतान पंचायत के बिशनपुरा के निकट पड़ने वाला यह नाला बाघिन आरवीटी 8 को भी रास आने लगा है और उसकी टेरेटरी का हिस्सा है। कुछ दिनों पहले एक चरवाहे का बाघिन से सामना भी हो गया था लेकिन गनीमत रही कि बाघिन ने उसपर हमला नहीं किया। इस इलाके में भालुओं की उपस्थिति लंबे समय बाद दिखाई दी है, साथ ही अब तक कालदां के जंगलों से लुप्त माने जा रहे सांभर की मौजूदगी इस महत्वपूर्ण टाइगर कॉरिडोर के लिए अच्छा संकेत है। यहां जंगली सूअर, नीलगाय व चिंकारा भी अच्छी संख्या में मौजूद हैं।

हेड-पोस्ट ऑफिस को ईमेल से मिली बम से उड़ाने की धमकी

तुरंत खाली कराया परिसर, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

बीकानेर। यहां जूनागढ़ किले के पीछे स्थित हेड पोस्ट ऑफिस को ईमेल से बम धमकी मिली। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे मिले मेल के बाद परिसर खाली करवाया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फिलहाल ईमेल भेजने वाले की पहचान की जा रही है और आसपास सर्च जारी है। धमकी मिलते ही अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके में सर्च अभियान शुरू किया। धमकी मिलते ही अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके में सर्च अभियान शुरू किया। सुरक्षा के तहत पोस्ट ऑफिस परिसर को खाली करवा दिया गया और कर्मचारियों व लोगों को बाहर निकाला गया। पोस्ट ऑफिस को मिले ईमेल में परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। इसमें बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर अब्दुल मोहम्मद के अपमान का बदला लेने की बात भी लिखी गई।

धमकी मिलते ही अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। सुरक्षा के तहत पोस्ट ऑफिस परिसर को खाली करवा दिया गया और कर्मचारियों व लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके में सर्च अभियान शुरू किया। शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। कोटगेट हेड पोस्टमास्टर आरपी मीणा ने बताया कि दोपहर 2 बजे ईमेल मिला था। पुलिस अब ईमेल की जांच कर रही है और भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

■ सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की, जिसमें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

गणित तथा संस्कृत विषय की मुख्य सूची जारी

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत गणित तथा संस्कृत विषय की मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषयों की विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच के बाद गणित विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 153 तथा संस्कृत विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 63 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर रंगारंग कार्यक्रम

पाटन (निसं)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय, पाटन में आज शुक्रवार को वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से विविध शैक्षिणक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्य डॉ. मदन लाल मीणा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक अभिरुचि का विकास करना था।कार्यक्रम के अंतर्गत लेखन एवं फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. योगेश कुमार सबल ने बताया कि लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं फिल्म प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने देशभक्ति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर लघु फिल्में प्रस्तुत कीं।राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी सहायक आचार्य किरण यादव ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में रचनात्मकता और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की उत्साही सहभागिता की सराहना की।लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति यादव, द्वितीय स्थान सुमन गुर्जर और तृतीय स्थान मोनिका यादव ने प्राप्त किया। वहीं वंदे मातरम फिल्म प्रतियोगिता की विजेता टीम साहिल शर्मा की रही। लेखन प्रतियोगिता का निर्देशन सहायक आचार्य सरोज गुर्जर ने किया, जबकि फिल्म प्रतियोगिता का संचालन सहायक आचार्य दिनेश बैरवा ने किया। सहायक आचार्य रीतु शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि सहायक आचार्य धर्मवीर कुमावत एवं डॉ. सुमैया और डॉ. सीता मीणा ने कार्यक्रम में महती भूमिका निभाई।

जोधपुर में मेगा रेलवे हब को मंजूरी

जोधपुर, (कासं)। रेल मंत्रालय ने उत्तर पश्चिम रेलवे को बड़ी सौगात देते हुए भगत की कोठी में मेगा रेलवे हब विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दी है। करीब 397.69 करोड़ रुपए की लागत से यह हाईटेक कोचिंग टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिससे वर्ष 2030 तक जोधपुर की रेल संचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि परियोजना के तहत भगत की कोठी स्टेशन को आधुनिक टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में तीन प्लेटफॉर्म की जगह कुल सात प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जिनकी लंबाई लगभग 600 मीटर होगी। परियोजना को प्रारंभ होने के बाद दो वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस परियोजना में तीन पिट लाइन, दो सिक लाइन, 800 मीटर की व्हील लेथ व ड्रॉप पिट लाइन, दो वाशिंग कम स्टेबलिंग लाइन, पैसेंजर रनिंग लाइन, ऑटोमेटिक कोच वाशिंग प्लांट, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, पिट लाइन इंस्पेक्शन शेड तथा आधुनिक प्रशासनिक भवन सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना पूर्ण होने पर जोधपुर सिटी स्टेशन की कुछ कोचिंग एवं मेंटेनेंस सुविधाएं भगत की कोठी स्थानांतरित की जा सकेंगी, जिससे सिटी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार और यात्री सुविधाओं में सुधार संभव होगा। इससे ट्रेनों की संख्या में वृद्धि, बेहतर समयपालन तथा भीड़ प्रबंधन में आसानी होगी।

रामनवमी पर हवन व कन्या पूजन

भीलवाड़ा। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सानिध्य में चल रहे नवचंडी दुर्गा पाठ के अनुष्ठान ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। प्रतिदिन प्रात:काल मण्डल पूजन, गणपति पूजन एवं माँ भगवती दुर्गा का विधिवत अभिषेक कर हवन-यज्ञ किए गए।

वैदिक ब्राह्मण पंडित सत्यनारायण शर्मा, मनमोहन शर्मा एवं वासुदेव शर्मा द्वारा श्रद्धापूर्वक दुर्गा सप्तशती का पाठ संपन्न कराया गया, जिससे श्रद्धालुओं में सकारात्मक ऊर्जा और आस्था का संचार हो रहा है। दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर विशेष सामठाी से दुर्गा हवन का आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। हवन से वातावरण शुद्ध होने के साथ ही नकारात्मक ऊर्जा का क्षय होता है और मन में शांति का संचार होता है। आज शुक्रवार को रामनवमी के शुभ दिन भगवान श्रीराम के पूजन के साथ कन्या पूजन का विशेष महत्व रहा। कन्याओं के चरण धुलवाकर उन्हें तिलक लगाकर श्रद्धापूर्वक भंडारा प्रसाद अर्पित किया गया।

स्वामी जी ने बताया कि रामनवमी सनातन धर्म का प्रमुख त्योहार है जो चैत्र मास शुक्लपक्ष की नवमी तिथि को भगवान विष्णु के सातवें अवतार श्रीराम जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, यह दिन बुराई पर अच्छाई, धर्म की स्थापना और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श जीवन का प्रतीक माना गया है, यह पावन दिन चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन मनाया जाता है जो देवी दुर्गा पुजा के साथ श्री राम की भक्ति का भी संगम है। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

पूरे आयोजन के दौरान आश्रम परिसर में गूंजते मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और भक्तों की उपस्थिति ने वातावरण को पूर्णत: आध्यात्मिक बना दिया, जिससे हर कोई भक्ति रस में सराबोर नजर आया।वहीं स्वामी जी का सम्पूर्ण चैत्र नवरात्रि में मौन संकल्प लिया गया था जो आज राम नवमी पर पूर्ण हुआ। इस अवसर पर सभी सनातन धर्मियो से आव्हान किया कि अपने राष्ट्र और अपने सनातन के लिए सनातन संस्कृति के धार्मिक महत्व वाले उत्सव अपनी परंपरा रीति-रिवाज अनुसार मनाए। पंथों और सूफी वाद में भटकते जा रहे है।

पिछले दिनों अजमेर में एक कार्यक्रम के दौरान माता के मंच पर कव्वाली का प्रोग्राम हुआ व शखी शहबाद कलंदर, दमादम मस्त कलंदर जैसे सूफ़ी गानों ओर इस तरह के आयोजनों से बचना चाहिए। अपनी मूल जड़ो को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस दौरान संत मायाराम, राजाराम, गोविन्द राम, केशव राम, ब्रह्मचारी मिहिर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

अवैध ऑटो एलपीजी पम्प सील

भीलवाड़ा। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे ऑटो एलपीजी पम्पों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जिला रसद विभाग ने भदालीखेड़ा क्षेत्र में एक ऑटो एलपीजी पम्प को सील किया है।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित दल द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भदालीखेड़ा, भीलवाड़ा में एक ऑटो एलपीजी पम्प बिना वैध दस्तावेजों के संचालित किया जा रहा था। जांच में पम्प संचालक बिजेंद्र सिंह द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। इस पर विभागीय टीम ने तत्काल प्रभाव से पम्प को सील कर दिया तथा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की अवैध गैस रिफिलिंग या पम्प संचालन की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

■ कलेक्टर के निर्देश पर रसद विभाग ने ईसी एक्ट के तहत की कार्रवाई

अलवर की जनसमस्याओं को लेकर हल्ला बोल

अलवर। अलवर शहर की आमजन से जुड़ी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न वार्डों और मुख्य मार्गों की बदहाली को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि अलवर शहर वर्तमान में यातायात अव्यवस्था, आवारा पशुओं के आतंक और सफाई व्यवस्था की भारी कमी से जूझ रहा है।

इसके अलावा खराब रोड लाइट, गहराता पेयजल संकट और सडक़ों के किनारे खड़े सूखे पेड़ राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बने हुए हैं। पार्टी ने कालीमोरी अंडरपास के निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी और शहर में पार्किंग व्यवस्था के अभाव को भी प्रमुखता से उठाया है।

धरने के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव मनमोहन सैनी ने कहा कि प्रशासन को जगाने के लिए जिला कलेक्टर के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया है। इस ज्ञापन में शहर के विकास और जनहित से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें शामिल की गई हैं।

पार्टी ने मांग की है कि नगर परिषद और संबंधित विभागों में लंबित पड़े पट्टों का शीघ्र निस्तारण किया जाए और शहर की जर्जर सडक़ों का अविलंब नवीनीकरण व मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए।

इसके साथ ही नगर विकास न्यास के अधीन आने वाले पार्कों की सुध लेने, नई आवासीय योजनाओं को विकसित करने और देसूला में खेल मैदान की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई है। भाकपा ने शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रशासन को सुझाव देते हुए कहा है कि जेल चौराहा से एसएमडी सर्किल तक और 200 फीट बाईपास रोड को छह-लेन में तब्दील किया जाना चाहिए ताकि भविष्य की यातायात जरूरतों को पूरा किया जा सके। ज्ञापन में सडक़ों पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर्स को मानकों के आधार पर दुरुस्त करने, घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्रों के ऊपर से गुजर रही खतरनाक हाईटेंशन लाइनों को हटाने और उप निदेशक आयुर्वेद कार्यालय को स्थाई भवन आवंटित करने की जरूरत पर बल दिया गया है।

साथ ही, फुटपाथ पर बैठने वाले खुदरा सब्जी विक्रेताओं के लिए व्यापार हेतु एक स्थाई और व्यवस्थित जगह सुनिश्चित करने की भी पुरजोर वकालत की गई है।

अलवर शहर की आमजन से जुड़ी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

■ कलेक्ट्रेट पर धरना देकर दी आंदोलन की चेतावनी

अलवर शहर के विकास कार्यों के लिए 221 करोड़ रूपये प्रावधान

अलवर। जिला कलक्टर एवं नगर विकास न्यास की अध्यक्ष डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में आज नगर विकास न्यास की 315वीं बैठक आयोजित हुई, जिसमें वर्ष 2026-27 के आय-व्यय अनुमानों में 310 करोड रूपये के व्यय प्रावधानों का अनुमोदन किया गया तथा अलवर शहर के विकास कार्यों हेतु लगभग 221 करोड रूपये के विकास कार्यो को कराए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

जिला कलक्टर ने नगर विकास न्यास के वर्ष 2026-27 के आय-व्यय अनुमानों में 310 करोड रूपये के व्यय प्रावधानों का अनुमोदन किया तथा अलवर के बहुआयामी विकास, खेल सुविधाओं के विस्तार, सडक तंत्रा के मजबूतीकरण एवं सीवरेज समस्या को मध्यनजर रखते हुए लगभग 221 करोड रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए, जिसमें अपराधों की रोकथाम व शहर की यातायात व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु शहर में 92.80 लाख रूपये की लागत से 10 स्थानों पर 20 ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्नेशन कैमरे (एएनपीआर) लगाए जाने के कार्य की स्वीकृति प्रदान की। साथ ही उन्होंने 200 फीट बाईपास तिजारा रोड एवं दिल्ली रोड पर बरसाती नाला निर्माण व ड्रेनेज कार्य, विज्ञान नगर व शालीमार नगर में सीवरेज लाइन एवं एसटीपी निर्माण कार्य, सागर के पास पार्क निर्माण और विकास इत्यादि कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि 2.71 करोड रूपये की राशि से अलवर शहर के ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार करावे, जिससे जल निकासी एवं नाला-नाली निर्माण कार्य सुगमता से हो सके। इसके अतिरिक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजनान्तर्गत न्यास के अभिसरण से कन्वेंशन सेंटर निर्माण कार्य, खेल सुविधाओं का विस्तार, पर्यटन स्थल लालडिग्गी एवं बाला किला विकास कार्यों के लिए राशि का अनुमोदन किया। उन्होंने यूआईटी की कातला पट्टी एवं मार्बल मार्केट हेतु बहुद्देशीय योजना की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात ले-आउट प्लान अनुसार कार्य को पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने शहर की विभिन्न सडकों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात को प्रबंधित करने के लिए एआई मैपिंग कराए जाने हेतु कार्यों को स्वीकृति प्रदान की।

उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न बजट घोषणाओं के लिए भूमि आवंटन के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की। उन्होंने यूआईटी की चारागाह अतिक्रमित भूमि का फीडबैक लेकर चारागाह भूमि में ग्रीन एरिया विकसित करने तथा अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराकर कार्य योजना बनाकर विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने मार्केट क्षेत्रा में मल्टीलेवल पार्किंग की आवश्यकता के दृष्टिगत यूआईटी के उप सचिव, पीडब्ल्यूडी एवं यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता की कमेटी का गठन कर मल्टीलेवल पार्किंग विकसित किए जाने के संबंध में सात दिवस में कार्य योजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने इसके लिए 6 माह में चालू करने की टाइमलाइन निर्धारित की। उन्होंने नगर निगम एवं यूआईटी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के चौराहों का विस्तृत सर्वे कर उनका थीम बेस रिनोवेशन करावे। उन्होंने योजना एवं गैर योजना क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य जिनमें सडक निर्माण, मरम्मत, पार्कों में विकास कार्य, पौधारोपण एवं सौन्दर्यकरण संबंधित कार्य कराए जाने की स्वीकृति प्रदान की। यूआईटी की सचिव श्रीमती स्नेहल धायगुडे नाना ने बताया कि बैठक में हनुमान चौराहे के पास पीपीपी पर नया बस स्टैण्ड निर्माण कार्य, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कालीमोरी व अम्बेडकर नगर में 33/11 केवी सब स्टेशन की स्थापना, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ठाम दिवाकरी में उच्च जलाशय व स्वच्छ जलाशय के निर्माण हेतु भूमि आवंटन की स्वीकृति दी गई।

■ शहर का बनेगा मास्टर ड्रेनेज प्लान, खेल सुविधाओं का होगा विकास एवं शहर में 10 स्थानों पर लगेंगे 20 एएनपीआर कैमरे

■ शहर में मल्टी लेवल पार्किंग के स्थान चिन्हित हेतु कमेटी सात दिन में देगी रिपोर्ट, 6 माह में पार्किंग चालू की रखी टाइमलाइन

एएसआई सुभाष लांबा का निधन

झुंझुनूं। जिले के उदावास गांव निवासी एवं पिलानी थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक सुभाष लांबा का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पुलिस महकमे और पैतृक गांव उदावास में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार सुभाष लांबा पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे और उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदार कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस विभाग की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू सहित पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। चिता को उनके बेटे ने मुखाग्नि दी। बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जिन्होंने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। आपको बता दें कि एएसआई सुभाष लांबा लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और उनका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही पिलानी क्षेत्र में भी शोक छा गया। पुलिस विभाग के साथ-साथ स्थानीय लोगों में भी गहरा दुख देखा गया।

डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को फिर बम से उड़ाने की धमकी

राजस्थान के अलवर शहर में स्थित मुख्य डाकघर और उसके परिसर में स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी मिली।

अलवर। राजस्थान के अलवर शहर में स्थित मुख्य डाकघर और उसके परिसर में स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी मिली। मार्च के महीने में यह दूसरी बार है जब परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने की सूचना मिलते ही आनन-फानन में पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई है और एहतियात के तौर पर डाकघर के अंदर मौजूद सभी कर्मचारियों और आम नागरिकों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार यह धमकी ई-मेल के माध्यम से भेजी गई थी, जिसमें भवन को बम से उड़ाने का जिक्र किया गया था। जैसे ही इस ईमेल की सूचना पुलिस को मिली, सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस टीम ने पूरे पोस्ट ऑफिस भवन के एक-एक कोने और आसपास के संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी अभियान चलाया। काफी समय तक चली इस जांच के दौरान आम लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। डाकघर में करीब आधा घंटा काम प्रभावित रहा।

■ एक महीने में दूसरी बार मचा हड़कंप

'बूंदी जिले में निर्धारित गेहूं खरीदने के लक्ष्य को बढ़ाया जाए '

बूंदी। बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने किसानों की समस्याओं को लेकर लोकसभा अध्यक्ष मान्य ओम जी बिरला को पत्र लिखकर समस्या समाधान का अनुरोध किया। शर्मा ने पूर्व में भी माननीय मुख्यमंत्री से इन समस्याओं के संबंध में अनुरोध कर चुके हैं।

शर्मा ने पत्र में लिखा कि आपके संसदीय क्षेंत्र के बून्दी जिले में किसानों बडी समस्याओं का सामना करना पड रहा और इस कारण वह अपनी गेहूं, सरसों व चना की फसल बेंच नही पा रहे है। बून्दी जिलें के लिए केन्द्र सरकार ने एमएसपी दर पर केवल मात्र 1 लाख 91 हजार मैट्रीक टन गेहू खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया है और अब तक किसान नें 4 लाख 19 हजार मैट्रीक टन गेहू बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन करवा चुका है तथा अभी भी किसान रजिस्ट्रेशन करवाने की कतार में खडा हुआ है। साथ ही विभाग नें बून्दी जिले में कुल लगभग 6 लाख मैट्रीक टन गेहू की पैदावर होना बतायी है। इसके साथ ही रजिस्ट्रेशन के समय अनेंक अडगें लगाकार सरकार किसानों का गेंहू खरीदना नही चाहती है, बारदानें की माकूल व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है।

डीग में अत्याधुनिक फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण

भरतपुर। डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र में स्वच्छता एवं सतत विकास को नई दिशा देते हुए विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने डीग नगर में 15 कीएलडी क्षमता वाले अत्याधुनिक फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया।

लगभग 3.63 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह परियोजना क्षेत्र के शहरी विकास एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। यह प्लांट आधुनिक एमबीबीआर तकनीक से सुसज्जित है, जो फीकल स्लज के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित उपचार को सुनिश्चित करेगा।

इस परियोजना से 45 हज़ार नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा, जिससे नगर की स्वच्छता व्यवस्था में व्यापक सुधार आएगा तथा भूजल एवं पर्यावरण प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने डीग नगर में 15 कीएलडी क्षमता वाले अत्याधुनिक फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया।

■ **विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह ने कहा कि डीग में स्थापित प्लांट न केवल स्वच्छ भारत मिशन की अवधारणा को मजबूती देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगा**

इस अवसर पर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वच्छता, सुशासन और सतत विकास के मूल सिद्धांतों पर कार्य करते हुए प्रदेश के प्रत्येक नगर और गांव को आधुनिक सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीग में स्थापित यह प्लांट न केवल स्वच्छ भारत मिशन की अवधारणा को मजबूती देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना जनस्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्राप्त होगा।

विधायक ने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार, संबंधित अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों एवं सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे इस सुविधा का समुचित उपयोग करते हुए स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यह परियोजना डीग नगर के समग्र एवं सतत विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो आने वाले समय में क्षेत्र को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर एडीएम डीग, आयुक्त नगर परिषद डीग, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश अजान, जिला प्रवक्ता भावना गंधी, डीग शहर मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी, डीग ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसे, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल गुप्ता, जगदीश टकसालिया, राजेंद्र खंडेलवाल सहित मंडल पदाधिकारी व पार्षदगण मौजूद रहे।

'मतदान केन्द्रों पर निर्वाचक नामावलियों में दावे'

टोंक। नगर परिषद टोंक के आगामी चुनाव के लिए निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशन 24 मार्च को सभी वार्डो में स्थित मतदान केन्द्रो पर किया जा चुका है, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, नगरपरिषद, (एसडीएम) टोक हुक्मीचन्द रोहलानिया ने बताया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में नगरपरिषद चुनाव के लिए निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण हेतु नगर परिषद क्षेत्र टोंक के सभी 60 वार्डो के 124 मतदान केन्द्रो के लिये प्रगणक नियुक्त किये गये है।

■ **कार्यक्रम के दौरान नियुक्त प्रगणक द्वारा मतदाताओं से प्राप्त निर्धारित दस्तावेजों को मय फार्म के कार्यालय में दैनिकरूप से जमा करवाया जाना एवं विशेष तिथियों को मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर निर्वाचन से संबंधित कार्य को प्राथमिकता से किया जाना है**

उन्होंने बताया कि 25 मार्च को नगरपरिषद कार्मिको एंव प्रगणको द्वारा मतदान केन्द्रों पर वार्ड सभा का आयोजन किया जाकर निर्वाचक नामावलियों का पठन किया गया। निर्वाचक नामावली आम जन के निरीक्षण के लिये उपलब्ध करवाई गई। विशेष तिथि 29 मार्च (रविवार) एवं 5 अप्रेल (रविवार) को सभी प्रगणक मतदान केन्द्रो पर उपस्थित रहकर निर्वाचक नामावलियों के संबध में दावे-आपत्ति प्राप्त करेंगे। निर्वाचक नामावलियों में दावे-आपत्ति प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 7 अप्रेल है, निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 22 अप्रेल 2026 को किया जायेगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) टोंक ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान नियुक्त प्रगणक द्वारा मतदाताओं से प्राप्त निर्धारित दस्तावेजों को मय फार्म के कार्यालय में दैनिकरूप से जमा करवाया जाना एवं विशेष तिथियों को मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर निर्वाचन से संबंधित कार्य को प्राथमिकता से किया जाना है। उन्होंने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र टोंक (96) के समस्त संस्थाप्रधान व कार्यालयाध्यक्ष को निर्देशित किया जाता है कि नगर परिषद् क्षेत्र टोंक के 124 मतदान केन्द्रों पर नियुक्त प्रगणक जो आपके अधीनस्थ कार्यालय, विद्यालय से है को 25 मार्च से 7 अप्रैल तक यह कार्य पूर्ण करने के लिए मूल पदस्थापन कार्यालय व विद्यालय समय से कार्य शिथिलता प्रदान की जाएं। साथ ही पर्यवेक्षकगणों को कार्यालय समय प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक कार्य शिथिलता दी जाएं।

निर्वाचन संबंधित कार्यवाही में लापरवाही करने पर संबंधित कार्मिक के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। सभी प्रगणक 29 मार्च (रविवार) एवं 5 अप्रैल (रविवार) को संबधित मतदान केन्द्र पर पूर्ण दिवस उपस्थित रहकर दावें व आपत्तियाँ प्राप्त करेगें।

विद्यार्थियों को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : रामसहाय वर्मा

निवाई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं पदेन बीआरसीएफ समग्र शिक्षा निवाई के तत्वावधान में ब्लॉक के समस्त राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों का दो दिवसीय सत्रांत प्रधानाध्यापक वाकपीठ संगोष्ठी का हनुमान नगर स्थित राधारानी मैरिज गार्डन में आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, विशिष्ट अतिथि डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, अध्यक्षता कर रही मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू जी मीणा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेश विजय एवं एसीबीईओ मीना भदोरिया द्वारा मां शारदे के चित्र के समक्ष दी प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा कहा कि सरकार की मंशा है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

दो दिवसीय सत्रांत संगोष्ठी का आयोजन हुआ ।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीणा ने प्रशासनिक उद्बोधन देते हुए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, प्रवेश उत्सव एवं नामांकन वृद्धि सहित शैक्षिणक गतिविधियों की जानकारी दी।

संगोष्ठी के सचिव रामकिशोर सैनी ने बताया कि संगोष्ठी को लेकर पंजीकरण व प्रशासनिक सत्रों का आयोजन हुआ। संगोष्ठी में अति मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीना भदोरिया ने विद्यालय नामांकन वृद्धि एवं सर्वांगीण विकास में प्रधानाध्यापक की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। कौशलेन्द्रसिंह राजावत ने ज्ञानसंकल्प पोर्टल, हेमलता विजयवर्गीय ने प्रवेशोत्सव पर जानकारी दी।

रामगढ़ पचवारा में संस्था प्रधानों की संगोष्ठी शुरू

लालसोट। उपखंड क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों की दो दिवसीय सत्रांत वाकपीठ संगोष्ठी का शुभारंभ शुक्रवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नौरंगपुरा में उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार जैन, पीईईओ वासुदेव शर्मा, वाइस प्रिंसिपल रामावतार मीना, संयोजक रमेश मीना एवं संगोष्ठी अध्यक्ष नवीन शर्मा सुकार द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। इस दौरान अतिथियों व भामाशाहों का साफा, माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता सुधार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने संस्था प्रधानों से आव्हान किया कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों और कौशल विकास को भी प्राथमिकता दें।संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए। महेश कुमार बैरवा (प्रधानाचार्य, अमराबाद) ने नई शिक्षा नीति 2020 पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं सूरजमल बुनकर (संस्था प्रधान, राणोली) ने विद्यालय सुरक्षा एवं बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। राजेश कुमार गुर्जर (प्रधानाध्यापक, राउप्रावि माद्या ढाणी ढोलावास) ने विद्यालय विकास योजना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार के उपायों पर अपने विचार रखे।

■ **मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों और कौशल विकास को भी प्राथमिकता दें**

इस अवसर पर शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष सतीश सैन सहित भामाशाह रामोतार मीना, रामफूल मीना, रघुनाथ मीना, रामभजन मीना, लालाराम मीना, राजेश मीना, रामकेश मीना, मुकेश मीना (अध्यक्ष) एवं विद्यालय स्टाफ सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निलामी सूचना

स्थानीय विद्यालय के अनुपयोगी/नकारा/अक्रियाशील आई.सी.टी.लैब उपकरणों को निलामी जिसका पुस्तक मूल्य 210900/- है दिनांक 06.04.26 को प्रातः 10 बजे विद्यालय प्रागंण में खुली बोली द्वारा किया जाना है। इच्छुक फर्म/व्यक्ति नियमानुसार 2% धरोहर राशि जमा करवाकर उक्त निलामी प्रक्रिया में भाग ले सकता है। शेष शर्ते व निलामी सामान को किसी भी कार्य दिवस में आकर देखी जा सकती है।

प्रधानाचार्य/PEEO
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
नवरंगपुरा (विराटनगर) कोटपूतली-बहरोड

खोया पाया

भगवान महावीर पुरूषार्थ प्रेरणा निधी न्यास जयपुर का मीटिंग रजिस्टर कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। विवेक काला- ट्रस्टी, 9829066611

भूखण्ड सं.-A-276 जे.डी.ए. की योजना बक्शावाला जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र और जे.डी.ए. की रसीद कही गुम हो गयी है मिलने पर सूचित करे- अनिल कुमार शर्मा मो. 9460064661

हमारे प्लॉट नं. F-1 क्षैत्र 478.75 व F-2 क्षैत्र 450 वर्गगज के अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लीमिटेड रजि. नं. 2608/L की आवासीय योजना ओम एन्क्लेव 2 विलेज पहाड़िया रोहिणी एन्क्लेव फागी के पास के असल आवंटन पत्र रसीदे साइड प्लान कही गिर गये है मिलने पर संपर्क करे। शंकर लाल शर्मा, बाबू लाल शर्मा- 9983780922

नाम परिवर्तन

मैने मेरा नाम विवाह पश्चात् रमा चाँद से बदलकर रमा चाँद श्रीवास्तव पत्नी प्रतीक श्रीवास्तव रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जावे निवासी सी-71, शिव मार्ग, डूंडलोद कॉलोनी, हवा सड़क, जयपुर राजस्थान 302025

मैं Kunjannamma Jose निवासी- 175 महारानी फार्म, विधिस्थली स्कूल लेन, दुर्गापुरा, मानसरोवर, जयपुर-302018 घोषित करती हूं कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से Kunjannamma Karuveli दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम Kunjannamma Jose है। शपथ पत्र दिनांक 26.03.2026

I have changed my name SANDIP KUMAR AGARAWAL to SANDEEP AGRAWAL. In the future, I should be known and recognized by this name. Plot 177, T2, Shyam Kripa, Vishvesariya nagar Vistar, Triveni, Gopalpura, Jaipur.

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 01 जयपुर महानगर द्वितीय
सैकेट्री शिक्षा विरूद्ध ओम प्रकाश
वाद बाबत अनुबन्ध की विशिष्ट पालना एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या... सन् 2025 CS 58/25

बनाम श्रीमती मंजू शर्मा पत्नि श्री सुभाष गुप्ता पुत्री स्व.श्री जुगल किशोर तालुका निवासी प्लाट नं.34 एस.एम.एस.कॉलोनी, महारानी फार्म, दुर्गापुरा जयपुर .....ने आपके विरूद्ध...के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 28 माह 3 सन् 26 को दिन में.... बजें दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सक्ते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो ओर जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जें में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। ओर यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के वाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मै उपंसजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 27 माह 03 सन् 26 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
रीडर ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय

आम सूचना सर्व साधारण को मेरे अभिभाष्य श्री किशन चन्द पुत्र स्व. श्री करमचन्द चंदीरामानी, जाति- सिन्धी, निवासी- प्लॉट नं.-92, आनन्द विहार-जी, नाडी का फाटक, बैनाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का छोटा पुत्र संजू उर्फ संजय कुमार मेरे अभिभाष्य के कहने मे नही है एवं आये दिन लड़ाई झगड़ा करता है एवं गलत संगत में पड़ गया है, इस कारण मेरे अभिभाष्य ने उससे अपने समस्त प्रकार के सम्बन्ध समाप्त कर उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति, जायदाद इत्यादि से अलग कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति संजू उर्फ संजय कुमार से किसी प्रकार का कोई लेनदेन, संव्यवहार, व्यापार, सम्पत्ति अन्तरण आदि करता है तो मेरा अभिभाष्य कतई उत्तरदायी नहीं होगा।
(दिनेश कुमार शर्मा) एडवोकेट, मोबाईल : 9828035260

आम सूचना
मेरे अभिभाष्य मो. इरफान पुत्र श्री मो. शकील निवासी 249, बड़ी मस्जिद के पीछे, जालूपुरा, जयपुर, राज 302001 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र मोहम्मद आरीयन पुत्र श्री मोहम्मद इरफान निवासी- 249, बड़ी मस्जिद के पीछे, जालूपुरा, जयपुर, राज - 302001 कुछ समय से मेरे अभिभाष्य व उसके पुत्र के बीच मतभेद होने के कारण एव गलत संगत व दुराचारी लोगों के प्रभाव में पडकर मेरे अभिभाष्य से अलग हो गया था। इसलिए मेरे अभिभाष्य द्वारा अपने पुत्र मोहम्मद आरीयन को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। 'मेरे अभिभाष्य का अपने पुत्र मोहम्मद आरीयन से कोई सम्पर्क अथवा उसको कोई सहयोग नहीं है। उक्त मोहम्मद आरीयन से किसी भी लेन देन, संव्यवहार रिश्तेदारी इत्यादि के लिए किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था व किसी प्रकार का कोइ फौजदारी मुकदमा होता है तो उसकी भी प्रति मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जयपुर दिनांक 27/3/26 MOHD ZUNAID KHAN (ADVOCATE)

कार्यालय ग्राम पंचायत भदलाव पंचायत समिति स.मा., जिला सवाई माधोपुर
क्रमांकः110-111 **ई-निविदा सूचना संख्या-07/2025-26** दिनांकः25/03/2026
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत भदलाव में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत भदलाव, पं.स.सवाई माधोपुर — NIB : ZSM2526A0898, UBN : ZSM2526WSOB01023 — राधा देवी, प्रशासक, ग्राम पंचायत भदलाव, पं.स.सवाई माधोपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत रांवल, पंचायत समिति स.मा., जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-60-61 **ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26** दिनांक -25/03/2026
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत रांवल में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in दस्तावेज पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रांवल, पं.स.सवाई माधोपुर — NIB : ZSM2526A0897, UBN : ZSM2526WSOB01022 — प्रशासक, ग्राम पंचायत रांवल, पं.स.सवाई माधोपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर
सेक्टर-9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड मानसरोवर जयपुर
क्रमांक :— जसअ/2025/557 दिनांकः 23.03.2026
ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) -165 से 166/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मानसरोवर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व http://sppp.raj.nic.in & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका sppp पोर्टल यू.बी.ई.एन. नं. JMC2526WSOB02969 & JMC2526WSOB02970 है। उक्त निविदा को http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 19.03.2026 को अपलोड करवा दिया जायेगा।
अधिशाषी अभियन्ता, मानसरोवर जोन, नगर निगम जयपुर
राज.संवाद/सी/25/23425

नाम परिवर्तन मेरा नाम वर्तमान में जीतपाल नागवंश है। मेरा पुराना नाम रणजीत नागरवाल था। जिसको मैने नाम परिवर्तन करवाकर मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम जीतपाल नागवंश पुत्र रवि प्रकाश बैरवा निवासी दामोदपुरा बासडा तह. निवाई जिला टोंक करवा दिया है। अतः भविष्य में मुझे जीतपाल नागवंश के नाम से ही जाना जावें।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री राजेश कुमार पुत्र श्री मदन सिंह निवासी ग्राम जसरापुर कोठी की ढाणी बालाजी मंदिर के पास खेतड़ी जिला झुंझुनू राजस्थान व श्री अमित कुमार पुत्र श्री मदन सिंह निवासी मकान नम्बर 378, सुन्दर नगर, बरवाड़ा रोड हिसार हरियाणा द्वारा श्री रामकिशोर चौधरी पुत्र श्री श्रवण लाल चौधरी निवासी पत्रकार कॉलोनी के पास विधानसभा नगर, धौलाई, मानसरोवर, जयपुर राजस्थान व श्री अजय चौधरी पुत्र श्री रामनिवास चौधरी निवासी 5, शेरावतो की ढाणी, पत्रकार कॉलोनी के पास, धौलाई, जयपुर राजस्थान से उनके संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-48-ए सीताराम विहार विस्तार-ए ब्लॉक, ग्राम रामपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर राजस्थान मे स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 113.97 वर्गगज है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहते है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।
(रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट, मो.नं. 9829256466
डांगरथल हाऊस, नाना जी का बाग, मोती डूंगरी रोड, फतेह टीबा मार्ग, जयपुर-302004

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-19, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100580 दिनांक: 25/03/2026 **लोक सूचना**
श्री DEVINE BUILDTECH LLP AUTHORISED SIGNATORY DEEPAK KUMAR SHARMA पुत्र श्री VIJAY KUMAR SHARMA जाति BRAHMAN कार्यालय E-44, LAL BAHADUR NAGAR, RAMJIPURA, JLN MARG, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **औद्योगिक** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है. अर्थातः-

ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं. "कुल किता 16"	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हैक्टे.)
महला, मौजमाबाद (जयपुर)	मैसर्स डिवाईन बिल्डटेक एल. एल.पी. हिस्सा पूर्ण जाति N/A पंजीकृत कार्यालय ई - 44 लाल बहादुर नगर रामजीपुरा JLN मार्ग मालवीय नगर जयपुर खातेदार	1597, 1598, 1596, 1599, 1600, 1603, 1606, 1607, 1608, 1611, 1612, 1630, 1631, 1632, 1604, 1605	0.03, 0.21, 0.45, 0.23, 0.27, 0.08, 0.01, 0.18, 0.05, 0.12, 0.13, 0.03, 0.26, 0.02, 0.39, 0.31	0.03, 0.21, 0.45, 0.23, 0.27, 0.08, 0.01, 0.18, 0.05, 0.12, 0.13, 0.03, 0.26, 0.02, 0.39, 0.31
			कुल	2.77

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।" Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 25-03-2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी जोन-19 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू
कमांक/न.पा.चा./2026/9242 दिनांक :- 23.03.2026
आपत्ति आमंत्रण सूचना
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस नगरपालिका क्षेत्र में स्थित विभिन्न भूखण्डों की निम्नानुसार पत्रावली / प्रार्थना पत्र मय साईट प्लान राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि के अकृषि उपयोग के अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 के तहत् निस्तारण हेतु विचाराधीन है :-

क.सं.	नाम	पिता / पतिकानाम	पता	एरिया	विषय
1.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.40, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
2.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.46, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
3.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.43, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
4.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.37, KRISHANA CITY, CHAKSU	105.83 वर्गमीटर	नियमन
5.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.92, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
6.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.41, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
7.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.56, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
8.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.53, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
9.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.61, KRISHANA CITY, CHAKSU	111.12 वर्गमीटर	नियमन
10.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.85, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
11.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.86, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
12.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.84, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
13.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.90, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
14.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.88, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
15.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.65, KRISHANA CITY, CHAKSU	79.97 वर्गमीटर	नियमन
16.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.91, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
17.	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.44, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
18	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.87, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
19	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.47, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
20	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.57, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
21	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.60, KRISHANA CITY, CHAKSU	99.53 वर्गमीटर	नियमन
22	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.63, KRISHANA CITY, CHAKSU	112.64 वर्गमीटर	नियमन
23	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.54, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
24	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.62, KRISHANA CITY, CHAKSU	78.06 वर्गमीटर	नियमन
25	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.38, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
26	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.52, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
27	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.64, KRISHANA CITY, CHAKSU	115.48 वर्गमीटर	नियमन
28	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.45, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
29	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.59, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
30	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.48, KRISHANA CITY, CHAKSU	134.95 वर्गमीटर	नियमन
31	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.49, KRISHANA CITY, CHAKSU	121.06 वर्गमीटर	नियमन
32	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.55, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
33	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.S-2, KRISHANA CITY, CHAKSU	43.92 वर्गमीटर	नियमन
34	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.39, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
35	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.42, KRISHANA CITY, CHAKSU	92.96 वर्गमीटर	नियमन
36	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.51, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
37	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.58, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
38	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.89, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
39	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.50, KRISHANA CITY, CHAKSU	83.69 वर्गमीटर	नियमन
40	M/s. MANSUKH REALTY	THROUGH Mr. DEEPAK JAIN S/o Mr. DINESH CHAND JAIN	भू.सं.83, KRISHANA CITY, CHAKSU	139.37 वर्गमीटर	नियमन
41	जगन्नाथ डवलपर्स जरिये निदेशक शंकर लाल दुसाद पुत्र श्री जय नारायण		भू.सं. A-28, सृष्टि आवासीय योजना चाकसू	167.22 वर्गमीटर	नियमन
42	जाकिर हुसैन	हुसैन खां	भू.सं. 88, पार्श्वनाथ नगर फागी रोड चाकसू	153.28 वर्गमीटर	नियमन

उक्त भूमि के नियमन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति है तो वह आपत्ति को लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अंदर-2 इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति अंगीकार नहीं की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।
उक्त सूचना आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मुहर द्वारा प्रसारित किया गया।
राज.संवाद/सी/25/23416 **अधिशाषी अधिकारी**

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1894 चूंकि प्रार्थी श्री GAURAV MOHNOT, 12 MANWA JI KA BAG MOTI DUNGRI ROAD JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास KRISHNA CONSCIOUSNESS SOCIETY, 4357 NATHMAL JI CHOWK JOHARI BAZAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2021 चूंकि प्रार्थी श्री AGRIME GARG, 404 VINAYAK APARTMENT CHOMU HOUSE CIRCLE C-SCHEME JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास GURU KRIPA FOUNDATION, G 142 B EPIP ZONE RIICO INDUSTRIAL AREA SITAPURA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1995 चूंकि प्रार्थी श्री NARENDRA KUMAR, A 326 SATKAR SHOPPING CENTER MALVIYA NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास INSTITUTE OF COMMUNITY DEVELOPMENT, 135 SUMER NAGAR VISTAR NEW SANGANER ROAD MANSAROWAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 03.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1976 चूंकि प्रार्थी श्री RAVI PRAKASH SHARMA, BABA DHANI BHANDARI DAUSA ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास NAVJEEWAN PUBLIC SCHOOL SAMITI CHHOKARWARA, CHHOKARWARA TEH SIKARAI DAUSA के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2052 चूंकि प्रार्थी श्री YASH MUKUT GUPTA, A 191 MALVIYA NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास HUMAN EDUCATIONAL CULTURAL ART AND RURAL DEVELOPMENT SOCIETY, A 191 MALVIYA NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 04.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

संक्षिप्त

प्रशिक्षण महाअभियान कल

निवाई। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में 29 व 30 मार्च को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में दो दिवसीय आवासीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन किया जाएगा। महामंत्री जयनारायण कुमावत व वंश प्रदीप पारीक ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य वक्ता विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व सांसद सुखबीरसिंह जौनपुरिया, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी, जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा, शहर प्रभारी सत्यनारायण चंदेल व पूर्व प्रधान ममता चैधरी द्वारा दी प्रज्जवलित करके किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति द्वारा आयोजन स्थल पर ही कार्यकर्ताओं के लिए भोजन व रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। शिविर में शहर मंडल के सभी पदाधिकारी व सदस्य, निवर्तमान पार्षद, पूर्व मंडल अध्यक्ष सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता भाग लेंगे।

प्रवेश प्रक्रिया शुरू

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय दूदू एवं ग्राम पंचायत गागरडू पर संचालित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा राजकीय एवं अनुदानित विद्यालय स्तरीय छात्रावास में वर्ष 2026 27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी के जारी आदेशानुसार जिला समाज कल्याण अधिकारी जयपुर जितेंद्र सेठी ने जिले के अधीन विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया 27 मार्च से ऑनलाइन शुरू कर देने की बात कही 27 मार्च से ऑनलाइन प्रक्रिया चालू कर दी गई है विभागीय वेबसाइट पर नवीन पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है प्रवेश के अंतिम तिथि 31 मई 2026 तय की गई है नवीन प्रवेश की प्रथम मेरिट सूची 10 अप्रैल 2026 द्वितीय 23 अप्रैल 2026 तृतीय 4 म ई 2026 चतुर्थ सूची 11 म ई 2026 को वरीयता के अनुसार जारी की जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव 2 अप्रेल को

निवाई। गांव छौरियां के श्री बालाजी धाम पर 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु सत्यनारायण शर्मा व संजय शर्मा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव को लेकर बालाजी महाराज का सुबह 7 बजे पंचामृत अभिषेक एवं श्रृंगार करके झाँकी सजाई जाएगी। सुबह 10 बजे से आसनों पर संगीतमय सुंदरकांड का पाठ सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

पोस्टर का विमोचन

पावटा। निकटवर्ती ग्राम सुदरपुरा ढ़ाढ़ा के शहीद विक्रम सिंह नगर में आगामी 28 मार्च शनिवार को प्रातः 11: बजे से श्री जीण माता का 05 वां विषाल भण्डारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें गायक कलाकार गिरिराज लालवाड़ी एण्ड पार्टी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जायेगी। जिसे लेकर विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश बदलीवाल, भाजपा नेता मुकेश गोयल, जिला महामंत्री एड. सुरेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह, पूर्व जिला पार्षद धूड़सिंह शेखावत, गोपाल अग्रवाल आदि द्वारा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

राम जन्मोत्सव मनाया

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय के मालपुरा रोड स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी में एक निजी आवास परिसर में रामनवमी के पर्व पर राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर महिलाओं द्वारा भगवान राम की झांकी सजाई जाकर भजनों की प्रस्तुतियां पेश की गई तथा भक्ति मय वातावरण के दौरान नाच गान कर आनंद लिया इस कार्यक्रम में मौजूद सभी महिलाओं ने एक ही रंग की चुनरी ओढ़ कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया पश्चात महा आरती की गई ।

अनुष्का ने 10वीं में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

शाहपुरा । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10वीं परीक्षा 2026 के घोषित परिणाम में लोचूकाबास गांव की प्रतिभाशाली बालिका अनुष्का शर्मा पुत्री राजेश कुमार शर्मा ने 97.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गांव का नाम रोशन किया है। अनुष्का शर्मा ने बताया कि मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता राजेश कुमार शर्मा, माता सुमन शर्मा व दादाजी बाबूलाल शर्मा एवं सभी शिक्षक गणों को देना चाहती हूं।

लालसोट में उमड़ा रामभक्तों का सैलाब : जय श्रीराम के नारे लगाये

लालसोट। नगर में धर्म, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब काली देवी मंदिर से भव्य राम शोभा यात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या में उमड़े रामभक्तों ने पूरे शहर को भगवामय कर दिया।

शोभायात्रा की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। जैसे ही यात्रा आगे बढ़ी, जय श्रीराम के गूंजते नारों ने पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए सड़कों पर उमड़ पड़े और नगर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकाली गई।

यात्रा में सजी आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के सजीव स्वरूपों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर युवा जोश और भक्ति में सराबोर नजर आए।

काली देवी मंदिर से भव्य राम शोभा यात्रा निकाली।

नगर के विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। हर गली-मोहल्ला राममय नजर आया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। लालसोट पुलिस की निगरानी में यात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।

इस दौरान विधायक रामविलास मीणा, बलिया जोशी, रवि हाड़ा, प्रवीण पटेल, राजेश पुरोहित, राहुल पंडित डीडवाना, अंकित शर्मा, नारायणी सेना

■ श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए सड़कों पर उमड़ पड़े और नगर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकाली

जिला अध्यक्ष अक्षत जांगिड़, शंभूलाल पुरोहित, जगदीश अग्रवाल, नंदू पाखला, सेवादास स्वामी, अशोक चौधरी, नानजी संचोली, प्रेमचंद मालिया, एलएन भारद्वाज, पूर्व चेयरमैन जगदीश सैनी, रामजी लाल सैनी, मनोज भट्ट सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

यह भव्य आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गर्व का भी संदेश दे गया।

महिला के गहने लेकर बदमाश फरार

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र में मंदिर से लौट रही महिला के गहने उतरवा कर दो बदमाश फरार हो गए। एक बदमाश ने महिला से कहा कि मैं आपको हथेली पर बालाजी के दर्शन करवा सकता हूं, जिसके बाद आपको 11 कदम चलना होगा, महिला ने मना किया तो पानी के छींटे मारे। इसके बाद महिला के जेवर उतरवाए और 2 कदम चलने का कहा, जैसे ही महिला पीछे घूमी, बदमाश वहां से गहने लेकर भाग निकले। जिसके बाद सुनीता गुप्ता निवासी श्याम नगर ने कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग की है। रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह मंदिर में दर्शन कर पैदल ही घर लौट रही थी, इसी दौरान युवक ने रोक लिया और कहा कि मैं आपको हाथ की हथेली में बालाजी के दर्शन करा सकता हूं, यह कहते ही महिला ने मना कर दिया कि मैं अभी बालाजी के ही दर्शन करके आई हूं, इसी बीच उसका साथी अनजान बनकर आया, उसे प्लानिंग के तहत आरोपी युवक ने मौके पर आए उसके साथी को 41 कदम आगे चलवाया।

शैक्षणिक संस्थान खोलने की मांग

टोंक। टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश चंद्र मीना ने शुक्रवार को लोकसभा के बजट सत्र के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याऐं सदन के पटल पर रखा। इस दौरान सांसद ने बताय ताकि पिछले 10 वर्षो से लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, उसके फलस्वरूप बढ़ते अपराध और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त की। घ्लोकसभा में श्लोक महत्व के मुद्दे के तहत बोलते हुए सांसद ने कहा कि बेरोजगारी के कारण क्षेत्र का युवा भटक रहा है और नशे के साथ-साथ साइबर क्राइम जैसे अपराधों की ओर अग्रसर हो रहा है, जिससे पूरा क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की है कि टोंक-सवाई माधोपुर जैसे पिछड़े क्षेत्र को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्रीय शिक्षण संस्थान खोले जाएं तथा अल्पसंख्यक वर्ग,विशेषकर महिलाओं के लिए विशेष शिक्षण संस्थान खोले जाये।

बाबा भरतदासजी महाराज आश्रम टोरडा बगीची में रामनवमी पर मेला आयोजित

पावटा। पावटा कस्बे से 8 किलोमीटर दूर स्थित टोरडा गांव में बाबा भरतदास जी का आश्रममेहर वर्ष की भाति इस वर्ष भी बाबा भरतदासजी महाराज आश्रम सेवा समिति व समस्त ग्राम जनता के सहयोग से श्री श्री 1008 बाबा भरतदास महाराज व श्री श्री 1008 बाबा गोपाल दास महाराज की असीम कृपा से रामनवमी पर बुधवार को बड़ी धूमधाम से मेले का आयोजन किया गया। वही श्रीराम नवमी के अवसर पर श्री भरतदास बगीची आश्रम टोरडा रामपुरा पर विशाल मेले में जन सैलाब के रूप में भक्तों का तांता लगा रहा। रंगबिरंगी पौशाक में महिला, बच्चे किशोर किशोरियां तथा प्रौढ़ और वयोवृद्ध आसपास के सभी भक्तों ने श्री सीताराम जी के भव्य और दिव्य दर्शन किए।

मंदिर महंत श्री मंगलदास जी

निशुल्क नेत्र व चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ ।

महाराज के सानिध्य में सर्वप्रथम वर्ष प्रतिपदा के दिन नवरात्र घटस्थापना, नो दिवसीय अखंड श्री रामचरितमानस पाठ , श्रीराम नाम संकीर्तन , वर्षप्रतिपदा उत्सव , शास्त्रीय संगीत पर आधारित भक्ति संध्या , श्री रामजन्म बधाई गायन , हवन यज्ञादि , जन्म आरती, श्री राम दरबार के राजसी श्रृंगार सहित छप्पन भोग की झांकी के दर्शन कर लोक कृतार्थ हुआ। लोक परंपराओं के प्रदर्शन में महाशयों का गायन , डफ व चंग वादन तथा लोकनृत्य आदि की प्रस्तुतियां ने जनजीवन का मन मोह लिया आश्रम महंत श्री मंगलदास जी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले के पावन अवसर पर मेले के दौरान विभिन्न संस्थाओं जेएनयू सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा चिकित्सा परामर्श, जांच व दवा वितरण, जीएम गोयल फाउंडेशन पावटा द्वारा विभिन्न रोगों की जांच व उपचार करते हुए जीएम गोयल फाउंडेशन के पदाधिकारी दिलीप गोयल और साहुल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जहां बड़ी संख्या में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों का निशुल्क परामर्श कर इलाज किया गया। वही वैशाली हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिनेश खोड़ा की सेवाएं, मिश्री देवी हॉस्पिटल, बहरोड़ द्वारा नेत्र रोग शिविर, चयनित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन सहित निशुल्क चिकित्सा सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई।

बजरंगपुरा में श्रीराम मारुति महायज्ञ की तैयारियां शुरू

पावटा। ग्राम बजरंगपुरा स्थित श्री झीडा के बालाजी धाम में आगामी 3 मई से 11 मई तक आयोजित होने वाले 108 कुंडात्मक श्रीराम मारुति महायज्ञ को लेकर गुरुवार, 26 मार्च को रामनवमी के पावन अवसर पर भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महंत सांवर मल व्यास एवं पुजारी पंडित सोहनलाल शर्मा के सानिध्य में विधिवत

■ कार्यक्रम में महंत सांवर मल व्यास एवं पुजारी पंडित सोहनलाल शर्मा के सानिध्य में विधिवत पूजा-अर्चना की

पूजा-अर्चना की गई। आचार्य पंडित श्री कृष्ण शास्त्री एवं पंडित रामकरण व्यास ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर यज्ञ स्थल को पवित्र किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुजारी पंडित सोहनलाल शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन मानव कल्याण, क्षेत्र की

भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ

सुख-समृद्धि और अच्छी वर्षा के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। यज्ञ के माध्यम से भगवान की कृपा प्राप्त होती है और क्षेत्र में शांति व समृद्धि का वातावरण बनता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर बालाजी धाम में भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होंगे। कार्यक्रम में सुवालाल यादव (पूर्व प्रधान), हरफूल कसाना, ललित गोयल (पूर्व जिला पार्षद), महेश यादव, घीसा सिंह शेखावत (जयसिंहपुरा), भवानी शंकर शर्मा (बहरोड़), हेमंत कुमार गुप्ता (कोटपूतली), दुष्यंत कुमार शर्मा (जयपुर), बुद्धाराम सिंधु (प्रशासक), रामनिवास मौर्य, पवन शर्मा (जवानपुरा), जगदीश मीणा (पावटा) सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गहलोत की टीम विश्वसनीय नहीं : विधायक रामलाल शर्मा

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कानून-व्यवस्था और सरकारी योजनाओं को लेकर दिए जा रहे बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शर्मा ने गहलोत के हालिया इंतजार शास्त्र वीडियो श्रृंखला और सार्वजनिक आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए उन्हें जमीनी हकीकत से रूबरू होने की सलाह दी है।

तथ्यहीन आंकड़ों पर सवाल रामलाल शर्मा ने कहा कि अशोक गहलोत द्वारा मीडिया के सामने रखे जा रहे आंकड़े और घटनाएं पूरी तरह से भ्रामक हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जयपुर में कमल मीणा की हत्या की खबर को गहलोत ने गलत तरीके से प्रचारित किया, जबकि वास्तविकता में उनकी गाड़ी पर फायरिंग हुई थी, हत्या नहीं। अविश्वसनीय सलाहकार टीम प्रवक्ता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि गहलोत को तथ्यों से अवगत कराने वाली उनकी टीम विश्वसनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में आलोचना का स्थान है, लेकिन एक पूर्व मुख्यमंत्री को गलत और अपुष्ट जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। पुरानी सरकार की

■ शर्मा ने राजनीति में आलोचना का स्थान है, लेकिन एक पूर्व मुख्यमंत्री को गलत और अपुष्ट जानकारी साझा करने से बचना चाहिए

विफलताओं का स्मरण -शर्मा ने गहलोत सरकार के पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौरान प्राकृतिक संपदाओं की जमकर लूट हुई और आरपीएससी जैसी संस्थाओं को कुछ खास लोगों के हाथों की कठपुतली बनाकर प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर गहलोत सरकार का काम वास्तव में बेहतरीन होता, तो 2023 के चुनावों में प्रदेश की जनता उन्हें सत्ता से बाहर नहीं करती। जनता ने उनके शासन के दौरान हुए भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे दर्दों को अभी भुलाया नहीं है। आगामी चुनाव और युवा शक्ति -शर्मा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि राजस्थान का युवा वर्ग कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार का बदला आने वाले समय में जरूर लेगा।

एडीएम ने अवैध बेचान के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिए

खैरथल। जिला सचिवालय पर नार्को कोऑर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने जिले में पुलिस विभाग को नशीले पदार्थों की तस्करी तथा अवैध बेचान के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही के कड़े निर्देश दिए हैं।

जिला कमेटी बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी, अफीम या गंजे की अवैध खेती, ट्रामाडोल कोडिन आधारित खांसी की दवाई, भांग के वैध ठेको पर संचालित अवैध गतिविधियों की रोकथाम, पुलिस विभाग में अन्य विभागों द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही, एनडीपीएस अधिनियम और दवाइयां के हानिकारक प्रभाव के प्रावधान के बारे में जागरूकता साहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए

कोऑर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक लेते अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट।

कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जिले में एनडीपीएस एक्ट में खैरथल पुलिस द्वारा 1 जनवरी 2026 से 26 मार्च 2026 तक 16 प्रकरणों में 17 मुलजिमों को गिरफ्तार कर 4.159 किलोग्राम गांजा,393 किलो अफीम तथा 37.05 ग्राम स्मैक जप्त कर कार्रवाई की गई वहीं भिवाड़ी पुलिस द्वारा इस वर्ष 26 मार्च तक एनडीपीएस एक्ट में मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई कर 19 प्रकरणों में 20 मुलजिम को गिरफ्तार कर 12.522 ग्राम गांजा, 37 ग्राम अफीम,1.70 ग्राम स्मैक एवं 73 100 की शीशी (ऑन रेक्स कफ सिरप 100 मल कोडिंग फास्फेट नारकोटिक घटक) जप्त की गई। इसके साथ ही 01 मोटरसाइकिल भी जब्त की गई ।

■ कलेक्टर ने दवाइयां के हानिकारक प्रभाव के प्रावधान के बारे में जागरूकता साहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की

पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम के तहत 1 जनवरी 2026 से 26 मार्च 2026 तक 86 प्रकरण दर्ज कर 85 मुलजिमो को गिरफ्तार कर 514.74 लीटर हथकड/देशी शराब, 9.370 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने मेडिकल विभाग को कोरेक्स कप सिरप की अवैध बिक्री पर मेडिकल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिले में ड्रग की समस्या से निपटने में युवाओं और महिलाओं की भागीदार हेतु जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए ।

पीएम सूर्य घर व कुसुम योजना से बदली तस्वीर

भरतपुर। राजस्थान में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में भरतपुर जिला तेजी से नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा अभियान अब जमीनी स्तर पर प्रभाव दिखाने लगा है। सरकारी और निजी भवनों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी कमी आई है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठे हैं।

अधीक्षण अभियन्ता विद्युत विभाग रामहेत मीणा ने बताया कि जिले में 21 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे 10, 5 और 6 मेगावाट के तीन चरणों में बांटकर विभिन्न एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग के चलते कार्य गति पकड़ रहा है। भरतपुर मुख्यालय के साथ नदबई, वैर, उच्चौन, बयाना, रूपवास और छौंकरवाड़ा क्षेत्रों में 1928 सरकारी भवनों की पहचान की गई है।

सार-समाचार

एसडीएम ने रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया

सांभरझील। समाजसेवी मनोहर लाल कुमावत के पुत्र तरुण कुमावत की तृतीय पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर का विशाल आयोजन होगा। इसके लिए एसडीम ऋषिराज कपिल ने रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। रक्तदान शिविर का आयोजन 29 मार्च को नया बस स्टैंड स्थित ब्राह्मण समाज की धर्मशाला में होगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 तक रहेगा रक्तदान शिविर के आयोजन में ब्राह्मण समाज संस्था का विशेष सहयोग होगा। इसी क्रम में अधिक से अधिक रक्तदान शिविर में अपनी भागीदारी सुनिश्चित किए जाने हेतु रक्तदाता टीम व परिवारजन की तरफ से सभी समाज के बंधुओं को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित किए जाने हेतु विशेष अनुरोध किया गया है।

गाड़ी में पिस्टल रखकर यूट्यूबर से वसूले एक लाख रुपये

पावटा। भाबरू थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां कुछ लोगों ने मिलकर एक यूट्यूबर युवक को फंसाने के लिए उसकी कार में पिस्टल रख दी और फिर उसे आर्म्स एक्ट का डर दिखाकर एक लाख रुपये की वसूली कर ली। जानकारी देते हुए पीड़ित दयाराम फौजी ने बताया कि, आरोपियों ने पहले उनसे दोस्ती की और उसे भरोसे में लेकर गांव बुलाया। इसके बाद साजिश के तहत रास्ते में उसकी कार में पिस्टल रख दी गई। बाद में उसी हथियार के आधार पर युवक को धमकाया गया कि उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज करा दिया जाएगा। डर के कारण पीड़ित युवक से करीब एक लाख रुपये वसूल लिए गए, जबकि शुरुआत में उससे पांच लाख रुपये की मांग की गई थी। वही पीड़ित दयाराम ने उसकी गाड़ी में रखी पिस्टल को असली बताया व वह कहा से आई इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। मामले की गंभीरता सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर एसएचओ सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच उच्च अधिकारियों को सौंप दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है और इसमें शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पूरी योजना बनाकर पहले युवक को बुलाया और फिर नकली हथियार रखकर उसे ब्लैकमेल किया। घटना के खुलासे के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

पावटा में पेंशनर्स का विरोध प्रदर्शन, काली पट्टी बांधकर जताया रोष

पावटा। कस्बे में पेंशनर्स समाज उपशाखा द्वारा उपखंड कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। पेंशनर्स ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर अपनी लंबित मांगों को लेकर नाराजगी जाहिर की और प्रधानमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स को अपेक्षित वित्तीय लाभ नहीं मिलने से वे लंबे समय से असंतुष्ट हैं। इसके साथ ही करीब एक वर्ष पूर्व संसद द्वारा लिए गए एक निर्णय का विरोध करते हुए उसे 'काला कानून' करार दिया और उसे समाप्त करने की मांग उठाई। पेंशनर्स समाज पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में उपशाखा अध्यक्ष डॉ. सुरेश शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष प्रभाती लाल सरधना, प्रथम अध्यक्ष घीसा सिंह, बनवारी लाल आर्य, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश कुमार वैध, अशोक, बसंत कुमार मीणा, रामअवतार स्वामी, कोषाध्यक्ष रामकुमार यादव, संगठन मंत्री अश्विनी कुमार शर्मा सहित सैकड़ों पेंशनर्स मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दो की मौत

टोंक। अलीगढ़ थाना क्षेत्र में गुरूवार रात्रि को शादी समारोह से लौट रहे दो मोटरसाईकिल सवार दोस्तों को एक तेज रफ्तार से आ रही स्विफ्ट कार ने टक्कर मार दी, हादसा इतना भीषण था कि दोनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा टोंक-सवाईमाधोपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-552 पर चापोला बालाजी और ग्लोबल आईटीआई के बीच हुआ, जिसमें एक तेज रफ्तार से आ रही स्विफ्ट कार ने बाइक सवार दोस्तों के टक्कर मार दी, इस दौरान वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा बाइक सवार निवासी चौथ का बरवाड़ा कुम्हारिया के ओमप्रकाश गुर्जर पुत्र बालू गुर्जर उम्र 22 साल व उसके साथी देशराज गुर्जर पुत्र प्रहलाद गुर्जर उम्र 27 साल की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में मौके पर पंहुची पुलिस ने दोनों के शवों को अलीगढ़ अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया तथा शुक्रवार को परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद कार सवार कार को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया, जिसके खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कार्यवाही प्रारम्भ किया।

ढोढसर-गुडलिया मोड़ पर 6-लेन ओवरब्रिज की उठाई मांग

चौमूं / कालाडेरा। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने चौमूं विधानसभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार और जनहित की प्रमुख समस्याओं के समाधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को पत्र लिखकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। शर्मा ने राष्ट्रीय राजमार्ग 52 (जयपुर-सीकर) पर गोविन्दगढ़ पुलिया के विस्तार और ढोढसर से गुडलिया मोड़ तक नए 6-लेन ओवरब्रिज व सर्विस रोड निर्माण की मांग की है। रामलाल शर्मा ने पत्र में अवगत कराया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 के निर्माण के समय बनी गोविन्दगढ़ पुलिया अब वर्तमान यातायात के दबाव को झेलने में असमर्थ है। हाल ही में गोविन्दगढ़ से बधाल तक फोरलेन सड़क का कार्य पूर्ण होने और गोविन्दगढ़ से निवाणा तक सड़क स्वीकृति के बाद रीको क्षेत्र के भारी वाहनों का आवागमन बढ़ गया है। पुरानी पुलिया के संकरा होने और वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या के कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतः इसे 6-लेन में उन्नत किया जाना जनहित में अनिवार्य है। ढोढसर से गुडुलिया मोड़ तक 6-लेन ओवरब्रिज का प्रस्ताव पूर्व विधायक ने ढोढसर से गुडुलिया मोड़ के बीच बढ़ती दुर्घटनाओं और जाम की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है।

आईपीएल 2026 में महेंद्र सिंह धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलना चाहिए। अश्विन का कहना है कि अगर धोनी बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी खेलते हैं, तो उन्हें पूरा सीजन नहीं खेलना चाहिए। - आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, इम्पैक्ट प्लेयर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी: महेन्द्र सिंह धोनी

क्रिकेट फैंस के लिए इस बार का सत्र खास होने वाला है क्योंकि महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर मैदान पर उतरने की तैयारी में हैं और उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका जोश कम होता नजर नहीं आ रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, आगामी लीग सत्र में वह चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे, जबकि टीम पहले ही एक नए दौर की शुरुआत कर चुकी है। टीम ने हाल ही में ऋतुराज गायकवाड़ को पूर्णकालिक कप्तान बनाया है और संजू सैमसन को ट्रेड के जरिए शामिल कर नई रणनीति पर काम शुरू किया है।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच कांटे की टक्कर रही है। कुल 26 मैचों में से सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11 मैच जीते हैं।

आईपीएल के 19वें सीजन की आज से शुरुआत : चैम्पियन आरसीबी को रोक पाएगी हैदराबाद ? सीजन ओपनर में चौके-छक्कों की बरसात तय

नई दिल्ली, 27 मार्च। आईपीएल 2026 सीजन की शनिवार से शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। ये मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। आरसीबी अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा, जबकि हैदराबाद भी जीत से शुरुआत करने के लिए बेताब रहेगा।दोनों टीमों के बाद गेंदबाजी विकल्प की कमी। आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पांड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा।

आरसीबी कितनी मजबूत - इस सीजन में आरसीबी की बल्लेबाजी काफी मजबूत दिख रही है। ओपनिंग में विराट कोहली और फिल सॉल्ट उतर सकते हैं। मिडिल ऑर्डर में कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल अहम भूमिका निभाएंगे। फिनिशिंग की जिम्मेदारी टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड पर होगी। गेंदबाजी में जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा।

हैदराबाद को खलेगी कमिंस की कमी - वहीं, पिछला सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अच्छा नहीं रहा था और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर रही थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। ओपनिंग में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। मिडिल ऑर्डर में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लियाम लिविंगस्टोन निचले क्रम में ताकत बढ़ाएंगे।

कैसी रहेगी पिच - एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच टी20 मैचों के लिए बल्लेबाजों के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। यहां की छोटी बाउंड्री और फ्लैट विकेट बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देती है। तेज गेंदबाजों को यहां काफी समझदारी से गेंदबाजी करनी होगी, जबकि स्पिनर्स को गेंद को रोककर और टर्न दिलाकर असर दिखाना होगा।

पिछले साल हुई भगदड़ की कसक अब भी बरकरार - इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है। दरअसल, पिछले साल चार जून को आरसीबी की खिताबी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फिल सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जैकब डफी।

सनराइजर्स हैदराबाद : हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन (कप्तान), अनमोलप्रीत वर्मा, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, लियाम लिविंगस्टोन, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्स, शिवम मावी।

जयपुर और जयगढ़ के बीच होगी आज फाइनल टक्कर

जयपुर, 27 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेले जा रहे सीजन के आखिरी टूर्नामेंट आरपीसी कप - द्वितीय (आउट ऑफ हैट) का शुक्रवार को मैच आयोजित हुआ। यह मुकाबला टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ के बीच खेला गया, जिसमें टीम जयपुर 8-3 के स्कोर से टीम नाहरगढ़ को हराकर फाइनल में पहुंची। अब टूर्नामेंट का फाइनल मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर कल, 28 मार्च को शाम 5 बजे से खेला जाएगा। इस फाइनल मुकाबले में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ आमने-सामने होगी। विजेता टीम जयपुर से की ओर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल अर्जित किए। वहीं, टीम से नरेंद्र सिंह, बलबीर सिंह और रघुराम हरि प्रत्येक खिलाड़ी ने 1-1 गोल हासिल किया। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ से अश्विनी शर्मा ने 2 गोल और तरुण बिलवाल ने 1 गोल किया। टीम से मयूरध्वज सिंह और विग्रहराज सिंह कोठारिया भी खेले।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 27 मार्च। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है।

कई खिलाड़ी जता चुके हैं विरोध

इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है।

गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है।

आईपीएल 2026 के लिए कमेंट्री पैनल का ऐलान 12 भाषाओं में 160 से ज्यादा कमेंटेटर की आवाज

नई दिल्ली, 27 मार्च। टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च, शुक्रवार से होगी, इससे एक दिन पहले गुरुवार को आगामी सीजन के लिए कमेंट्री पैनल का ऐलान हो गया, जिसमें बताया गया कि 160 से ज्यादा लोग 12 भाषाओं में कमेंट्री करते हुए दिखेंगे।स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी शेयर करते हुए बताया कि कमेंट्री पैनल में 160 से ज्यादा लोग नजर आएंगे। टूर्नामेंट में फैंस कुल 12 भाषाओं में कॉमेंट्री सुन सकेंगे। जिसमें हिन्दी, इंग्लिश, तमिल, तेलुगु, कन्नड, भोजपुरी, हरयाणवी, मराठी, बांग्ला,गुजराती, पंजाबी और मलयालम शामिल है। सभी भाषाओं में एक से बढ़कर एक दिग्गज कमेंट्री का दारोमदार संभालेंगे। मैच में कमेंट्री से चार चांद लग जाते हैं। बताते चलें कि इस बार उमेश यादव और आर अश्विन जैसे दिग्गज भी कमेंट्री बॉक्स में दिखेंगे। बता दें कि, अश्विन पिछले सीजन यानी 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे, लेकिन 2026 सीजन से पहले उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके अलावा नवजोत सिंह सिद्धू, आकाश चोपड़ा और इरफान पठान जैसे दिग्गज हिन्दी बॉक्स में नजर आएंगे। इन दिग्गजों की आवाज सुनने के लिए फैंस हमेशा ही उत्साहित नजर आते हैं।

कोडाई क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 27 मार्च। अंडर-12 पिंकसिटी कप में संस्कार क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में 54 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कोडाई क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रिंस ने 4, अथर्व शर्मा और गोपाल शास्त्री ने 2-2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोडाई क्रिकेट अकादमी ने 6 ओवर में 55 रन एक विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः- NNJ/PR/214 दिनांकः- 24.03.2026

:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB40100)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcj पर देखी जा सकती है।

आयुक्त

नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/23406

नीलय के शतक व नवदीप के पंजे से जीती राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 27 मार्च। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग में दिन का पहला मुकाबला राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी व आर्यन क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 औवर में 327 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नीलय अरोड़ा ने 158 रन व सक्षम ने 37 रनों की पारी खेली। आर्यन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में विहान अग्रवाल ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन क्रिकेट अकादमी 27 ओवर में 96 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें सनी ने 32 रन व रोहित सैनी ने 21 रनों का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में नवदीप सिंह ने 5 विकेट व अक्षत मेंनारिया ने तीन व मानवेंद्र ने दो विकेट लिए। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने 231 रन से मुकाबला जीता।

हिमांशु की अर्धशतकीय पारी से जीती नारायणा क्रिकेट अकादमी- दिन का दूसरा मुकाबला नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.1 ओवर में 219 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रवि कश्यप ने नाबाद 127 रनों की पारी खेली। नारायणा क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में दक्ष बागवान ने तीन विकेट व चर्चित यादव ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणा क्रिकेट अकादमी 48.1 ओवर में 220/7 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। जिसमें हिमांशु ने नाबाद 64 रन व शिवम पाल ने 39 रन व अंश यादव ने 38 रनो का योगदान दिया।

एनबी एकेडमी जीती

जयपुर, 27 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये पूर्व क्वार्टर फाईनल मैच में राहुल तोमर 52 रन (29 गेंद 5 चौके, 3 छक्के) चिराग शर्मा 22 रन व 24 रन पर 3 विकेट के ऑलराउंड प्रदर्शन तथा गजेन्द्र सिंह 16 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत एन.बी क्रिकेट एकेडमी ने कैण्डलवीक क्रिकेट एकेडमी को 38 रन से हराकर क्वार्टर फाईनल में प्रवेश किया जहाँ उसका मुकाबला शास्त्री एकेडमी से होगा।

जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजस्थान यूथ को हराया

जयपुर, 27 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में खेले गए मैच में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजस्थान यूथ को 3 विकेट से हराया। राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीतू शर्मा के 78 रन, तानिका शर्मा के 80 रन, स्नेहा उबना के 27 रन व प्रियांशु चौधरी के 18 रनो से 46.3 ओवर में 236 रन बनाए। जयपुर क्रिकेट एकेडमी के लिए सीमा जाट ने 41 पर 4, वेदिका सिंह ने 24 पर 2, रुतबा चौधरी, मैना सियोल व सिद्धि शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/सफाई शाखा/2025/12646 दिनांक :- 24.03.2026

-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 09.04.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2526SLOB40152, DLB2526SLOB40153 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/23326 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

(A Government of Rajasthan Undertaking)

Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302 005

Phone: 0141-2227079 Fax: 0141-2227257

Website: http://industries.rajasthan.gov.in/rajsico, E-mail: rajsico@rajasthan.gov.in

CIN- U91110RJ1961SGC001118, GSTN :08AAACR6761L1ZY

E-TENDER NOTICE 82/2025-26

UBN: RSI2526SLOB00071

E-bids are invited for awarding contract for franchisee of Rajasthali Kolkata from the reputed parties who have sufficient experience in selling of handicrafts/artifacts/readymade showroom in two bids system. Last date of submission of e-bids 06.04.2026 till 1 PM and same will be opened on same day at 3 PM. Interested parties visit web portal or for eproc.rajasthan.gov.in; industries.rajasthan.gov.in and SPPP Portal detail terms and conditions.

Raj.Samwad/C/25/23465 Managing Director

दो दिवसीय जेएपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

जयपुर, 27 मार्च। जेएवाय ने अपने सफल पहले संस्करण के बाद बहुप्रतीक्षित जेएपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के सीजन 2 की घोषणा की है। यह दो दिवसीय आयोजन 28 और 29 मार्च 2026 को एसजे पब्लिक स्कूल, जयपुर में आयोजित होगा। सिर्फ एक खेल आयोजन से आगे बढ़ते हुए, जेएवाय जेम एवं ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़े सदस्यों को आपसी सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से जोड़ने का मंच बन चुका है। इस वर्ष टूर्नामेंट में 12 टीमें भाग लेंगी, जिनमें प्रत्येक टीम में कम से कम आठ युवा सदस्य अनिवार्य होंगे, जो नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के जेएवाय के संकल्प को दर्शाता है।

जूनियर स्टेट वुशू चैम्पियनशिप का शानदार आगाज

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान वुशु संघ एवं बीकानेर वुशु संघ के संयुक्त तत्वावधान में 27 से 29 मार्च 2026 तक चलने वाली वूशू प्रतियोगिता का शुक्रवार 27 मार्च को स्थानीय डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 19वीं राजस्थान जूनियर (बालक/बालिका) स्टेट वुशु चैम्पियनशिप 2026 का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बीकानेर जिले के एडीजी डॉ भुवन भूषण यादव, डीआईजी, एंटी करप्शन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान वुशु संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान वुशु संघ के कोषाध्यक्ष विजय सिंह शेखावत और भारतीय वुशु टीम के कोच राजेश कुमार टेलर ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि खेल हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन भी सिखाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान वुशु संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि वुशु एक ऐसा खेल है जिसने राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान के लिए सर्वाधिक पदक जीते हैं।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर

दूरभाष-0145-2429953, फैक्स-0145-2433813,Email-ajmermc@gmail.com, ajmermc@rajasthan.gov.in

क्रमांकः ननिअ/दीदयो-राशआमि/SUH/2025-26/476 दिनांक : 24.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 2025-26

नगर निगम अजमेर द्वारा शहरी क्षेत्र मे दीन दयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) अन्तर्गत आश्रय स्थलो के संचालन एवं रख रखाव हेतु रजिस्ट्रर्ड स्वयंसेवी संस्थाओ/एनजीओं के माध्यम से करवाने हेतु केवल महिला निविदादाताओ से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

महत्वपूर्ण दिनांको का विवरण

विवरण	दिनांक/समय
ऑनलाइन निविदा फॉर्म प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय	24/03/2611:00 am
ऑनलाइन निविदा फॉर्म समाप्त होने की दिनांक एवं समय	30/03/26 06:00 am
ऑनलाइन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	01/04/26 11:00 am

तकनीकी निविदा में सफलतम निविदादाता को नेट के माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा

निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि सभी करो सहित	प्रोसेसिंग शुल्क	निविदा शुल्क	बीड सिक्यूरिटी राशि 2 प्रतिशत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	आश्रय स्थल का संचालन व रख रखाव कार्य :- (1) आश्रय स्थल, राजकीय महिला चिकित्सालय अजमेर (2) आश्रय स्थल देहली गेट अजमेर (3) आश्रय स्थल प्राइवेट बस स्टैंड के पास कोटड़ा अजमेर (4) आश्रय स्थल पड़ाव अजमेर (5) आश्रय स्थल जे.एल.एन. अस्पताल परिसर, हृदय रोगविभाग के पास अजमेर	34,00,000.00	500.00	5,000.00	68,000.00	12 माह

निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते निम्नानुसार है :-

1. सशर्त निविदाएं मान्य नहीं होगी एवं बिना किसी कारण बताए निविदा निरस्त की जा सकती है।
2. Area Level Fedration को निविदा में प्राथमिकता दी जायेगी।
3. CSR के तहत कोई कम्पनी अथवा संस्थान स्वंय के संसाधनो (Non Financial Spport) से आश्रय स्थल का संचालन करने हेतु इच्छुक संस्थाऐं अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकती है। ऐसे प्राप्त प्रस्तावो पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा।
4. निविदा प्रपत्रों को वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है इन निविदाओं में भाग लेने वाले संवेदको को निविदा कोइलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी।
5. निविदा खोलने की तिथि को किसी कारणवश यदि सम्पूर्ण निविदायें नही खोली जा सकती है तो उसके अगले कार्य दिवस को शेष निविदाये खोलने का कार्य जारी रखा जावेगा।

NIB CODE ANN2526A0240

UNB is - ANN2526SLOB00329

राज.संवाद/सी/25/23413

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी अप्रेल (2026)

94 आवासीय, व्यावसायिक एवं अन्य भूखण्ड

57 व्यावसायिक भूखण्ड

4 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर	1 गोल्डन रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2595	6 आदिनाथ सरोवर योजना, जयपुर	5 यमुना विहार जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3622	5 खुशी संसार योजना, जयपुर	8 दीनदयाल नगर जयपुर
1 गोकुल औरा योजना जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2021/1547	1 स्वर्ण विहार जयपुर	2 संतोष विला योजना, जयपुर	1 रामचन्द्रपुरा, तह. सांगानेर, ईआरसीपी योजना, जयपुर	1 गनक एनक्लेव योजना, जयपुर	2 सिनवार सिटी योजना, जयपुर
1 आकृति एनक्लेव योजना, जयपुर	1 गोविंदम रेजीडेंसी योजना, जयपुर	1 गोविंदम आश्रम योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2024/3315	2 नाथुलाल करोल एनक्लेव योजना, जयपुर	1 बडरामजानीपुरा योजना, जयपुर	4 इंस्टीट्यूशनल योजना ग्राम देहमीकलां, जयपुर
1 पत्रकार कॉलोनी जयपुर	1 रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033	3 रिंग एवेन्यु योजना, जयपुर	3 सेंट्रल स्पाईन योजना, जयपुर	1 रियासत निर्वाणा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3497	1 शिवांक सिटी योजना, जयपुर

10 अन्य भूखण्ड

- निर्मित दुकान: 02 — अण्डरपास (एसएमएस हॉस्पिटल से ट्रोमा सेंटर), जयपुर
- फार्म हाउस: 01 — गोविंदपुरा रोपाड़ा योजना जयपुर
- ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड: 02 — अनुपम विहार योजना जयपुर; 01 — अनंतपुरा ग्रुप योजना, जयपुर
- इण्डस्ट्रियल गोदाम भूखण्ड: 03 — जनरल वेयर हाउस योजना सिरानी मय गणपतपुरा, सांगानेर, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/4106
- संस्थानिक भूखण्ड: 01 — रामचन्द्रपुरा योजना, जगतपुरा, जयपुर

09 सेक्टर व्यावसायिक भूखण्ड

- 1 कन्हैया कुंज जयपुर
- 1 श्रीनाथ एनक्लेव ख.नं. 766,767,768,769, 771,773 तह. बस्सी, जयपुर
- 3 कृष्णा सिटी जयपुर
- 2 हनुमान नगर एच जयपुर
- 2 चेतन विहार जयपुर

18 आवासीय भूखण्ड

- 12 सेंट्रल स्पाईन योजना, जयपुर
- 5 स्वर्ण विहार योजना, जयपुर
- 1 यूनिक सिटी विस्तार योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2025/3714

अधिक जानकारी के लिये QR कोड स्केन करें

रेरा वेबसाईट : http://rera.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/25/23469

नीलामी की नियम व शर्तों के लिए विजिट करें जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट

www.jda.rajasthan.gov.in

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: + 91 9462 569 696

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

रामनवमी पर 12 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित, दो हजार किसानों को दिन में बिजली मिलेगी

भजनलाल की सरकार के समय कुसुम प्लांटों के द्वारा राज्य में रोज 10 मेगावाट क्षमता ग्रिड से जुड़ रही है

जयपुर, 27 मार्च। पीएम-कुसुम योजना में राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा कुल 12 सौर ऊर्जा संयंत्र राम नवमी के पावन अवसर पर स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 23.60 मेगावाट है। जयपुर, अजमेर और जोधपुर में 4-4 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। ये संयंत्र बूंदी, अलवर, कोटपूतली, अजमेर, नागौर, डीडवाना, सीकर, बीकानेर, बालोतरा और जोधपुर सर्किल में लगे हैं। इनसे प्रदेश के गांव-ढाणी तक सौर ऊर्जा पहुंच रही है। एक साथ 12 सौर संयंत्रों के ग्रिड से जुड़ने पर 2 हजार से अधिक किसानों को अब दिन में खेती के लिए बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

राजस्थान के गांव-ढाणी में कुसुम कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में अब तक 3585 मेगावाट के 1617 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। कुसुम कम्पोनेंट-ए में 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इसमें राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं, कम्पोनेंट-सी में 2899 मेगावाट के 1121 प्लांट लग चुके हैं। इसमें राजस्थान का द्वितीय स्थान है। योजना के अंतर्गत फीडर लेवल सोलराइजेशन में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने इसी वर्ष जनवरी माह में दिल्ली में आयोजित हुए ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विगत समय में प्रदेश में कुसुम प्लांटों के स्थापित होने की गति और तेज हुई है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम क्षेत्र में औसतन तीन से चार नए प्लांट प्रतिदिन लग रहे हैं, जिनसे औसतन 10 मेगावाट क्षमता प्रतिदिन ग्रिड से अतिरिक्त जुड़ रही है।

- कुसुम कम्पोनैंट-ए में राज्य में 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित हुए हैं और राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। कम्पोनैंट-सी में 2899 मेगावाट के 1121 प्लांट लग चुके हैं तथा राजस्थान का इसमें देश में दूसरा स्थान है।

कम्पोनेंट-ए में सर्वाधिक 86 प्लांट्स अकेले बीकानेर जिले में स्थापित हुए हैं। इसके पश्चात, 34 सौर ऊर्जा संयंत्र जोधपुर तथा 32 सौर संयंत्र झुंझुनूं सर्किल में लग चुके हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में फलौदी में 24,561, जोधपुर में 22,469 तथा बीकानेर में 22003 सोलर पंपों को ऊर्जीकृत किया जा चुका है।

'मैं दस दिनों तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करूंगा'

वाशिंगटन/तेहरान, 27 मार्च। अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध पर अब राष्ट्रपति डॉनल्ड के स्वर कुछ धीमे पड़े हैं। उन्होंने अहम घोषणा की है कि अमेरिका 06 अप्रैल तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वे ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमले पर लगी रोक को एक हफ्ते से ज्यादा समय के लिए बढ़ा रहे हैं।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट्स में कहा गया कि

- डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले के लिए लगी रोक 6 अप्रैल तक बढ़ाते हुए टिप्पणी की

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि अमेरिका ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों पर लगी रोक को 06 अप्रैल तक बढ़ाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि वे ईरानी सरकार के अनुरोध पर इस रोक को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इससे पहले सोमवार को ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले पर पांच दिन की रोक की घोषणा की थी। यह शनिवार को खत्म होने वाली है। उन्होंने लिखा, "ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार, कृपया इस बयान को इस बात का प्रमाण मानें कि मैं ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट करने की अवधि को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक कर रहा हूं।"

इस साल दुगनी संख्या में स्टैप ईगल बीकानेर के जोड़-बीड़ पहुँचे

विशेषज्ञों के अनुसार, मंगोलिया से आने वाले बाजों ने ईरान युद्ध के कारण बीकानेर-जैसलमेर को अपना ठिकाना बनाया

बीकानेर, 27 मार्च। ईरान-इज़रायल युद्ध के कारण पहली बार एक साथ 2200 स्टैप ईगल (बाज) ने बीकानेर के जोड़बीड़ में ठिकाना बनाया है। यह संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी है। पिछली बार यहां करीब 1200 बाज देखे गए थे। स्टैप ईगल रूस-मंगोलिया से उड़कर हर साल ईरान-इराक की तरफ रुख करते थे तथा राजस्थान में बहुत कम संख्या में रुकते थे। इस बार 25 दिन का सफर तय कर इनके दो बड़े झुंड बीकानेर के जोड़बीड़ और जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में रुके हैं। डेजर्ट नेशनल पार्क में इनकी संख्या करीब 1700 है। इतनी तादाद देखकर एक्सपर्ट भी हैरान हैं। खास बात यह है कि इनमें 70 फीसदी स्टैप ईगल किशोर (जूवनाइल) हैं। इनकी उम्र 2 साल से भी कम है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध से इनके आवास प्रभावित हुए हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो चुकी है। इसी वजह से ये विदेशी पक्षी इन सबसे ज्यादा संरक्षित जगहों पर रुक गए हैं। पिछले 20 साल से गिद्ध संरक्षण पर अनुसंधान कर रहे बीकानेर के वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट डॉ. दाऊ लाल बोहरा का कहना है- स्टैप ईगल मध्य एशिया, रूस और मंगोलिया से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर 25 दिन में भारत पहुँचते हैं। पहले इनकी सीमित संख्या होती थी। राजस्थान में बाज की यह प्रजाति पिछले 15 साल से नियमित आ रही है। पिछले तीन साल में इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़ी है।

- बीकानेर के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ डॉ. दाऊ लाल बोहरा के अनुसार, दक्षिण एशिया में गिद्धों के लिए प्रसिद्ध जोड़-बीड़ की स्टैप ईगल के कारण अंतर्राष्ट्रीय पहचान बन रही है, पर, इससे पारिस्थितिक असंतुलन हो सकता है व कुछ संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी खतरा खड़ा हो सकता है।

डॉ. दाऊ लाल बोहरा ने जनवरी 2026 में बीकानेर, चूरू के ताल छापर और गंगीतासर, जैसलमेर और फलोदी में सर्वे किया था।

इस बार सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा बीकानेर के जोड़बीड़ से सामने आया है, जहां 2200 से ज्यादा स्टैप ईगल की संख्या दर्ज की गई है।

डॉ. दाऊ लाल बोहरा का कहना है कि ईरान-इराक में भी स्टैप ईगल पहुंचे हैं, लेकिन उनकी संख्या कम हुई है। डॉ. बोहरा ने कहा, स्टैप ईगल अप्रैल के अंत तक यहां रुकेंगे। हमारे लिए अच्छी बात ये है कि दक्षिण एशिया में गिद्धों के लिए प्रसिद्ध जोड़बीड़ अब स्टैप ईगल के कारण भी अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है।

डॉ. बोहरा का कहना है कि इतने सारे ईगल का आना एक तरह से रेड फ्लैग भी है। एक साथ इतने सारे पक्षियों के आने से यहां पारिस्थितिक असंतुलन हो सकता है। कुछ संक्रामक बीमारियों (जैसे बर्ड फ्लू) का खतरा बना रहेगा। यह प्रवास विनाश या बदलते मौसम के कारण भोजन और सुरक्षा की तलाश में सामूहिक पलायन की निशानी भी है। इससे पहले, साल 2008 में बीकानेर के जोड़बीड़ में 40 स्टेपी ईगल मर गए थे। दरअसल, जोड़बीड़ में मृत पशुओं को यहां डेरा जमाने वाले गिद्ध के भोजन के लिए डाला जाता है। पशुओं को न्यूमेसुलाइड, डायक्लोफिनेक, एसिक्लोफिनेक जैसी दवाएं दी जाती हैं और मृत पशुओं का मांस खाने से स्टैप ईगल की मौत होने की पुष्टि हुई थी।

रुपए की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद रुपये की कीमत लगातार गिरती चली गई, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर बाद रुपया अभी तक सबसे निचले स्तर 94.85 के स्तर तक गिर गया। हालांकि बाद में भारतीय मुद्रा मामूली रिकवरी कर 94.84 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई।

पेट्रोल व डीज़ल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और डीज़ल की कीमतों में कोई कमी नहीं देखी गई। वहीं, सरकार ने कहा है कि यह कटौती ऐसे समय में तेल कंपनियों के नुकसान को कम करने के लिए की गई है, जब कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर हो गई है।

पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मोदी सरकार के पास दो विकल्प थे। या तो अन्य देशों की तरह, भारत के लोगों के लिए कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी जाए, या फिर अपने वित्तीय बोझ को खुद उठाया जाए, ताकि भारत के नागरिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बार फिर अपने वित्तीय संसाधनों पर बोझ डालने का फैसला किया है।"

पुरी के बयान का सार यह है कि उत्पाद शुल्क में कटौती का मकसद तेल कंपनियों के नुकसान को कम करना था और पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी को रोककर भारतीय नागरिकों को सुरक्षा दी जा रही थी।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है।

रामनवमी पर 35 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं।

रामनवमी के दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को फूलों, रोशनी और रंग-बिरंगी लड़ियों से सजाया गया था। सुबह से ही मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और आरती का सिलसिला चल रहा था। श्रीराम लला के सूर्य के किरण से मस्तकाभिषेक का दृश्य देखने लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे।

बेंगलुरु के वैज्ञानिकों की विकसित प्रणाली में सूर्य की किरणों को सटीक रूप से श्रीरामलला के मस्तक तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। दिन में ठीक दोपहर 12 बजे रामलला के दिव्य भाल पर भगवान सूर्य की किरण का स्वर्णिम तिलक किया गया।

बालेन्द्र शाह नेपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसदीय क्षेत्र से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50 हजार मतों के अंतर से हराकर प्रतिनिधि सभा सदस्य का चुनाव जीता था।

शाह मंत्रिपरिषद में स्वर्णिम वाग्ले को वित्त मंत्री बनाया और सुदन गुरूंग को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

शिशिर खनाल को विदेश मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। सुनिल लम्साल को भौतिक पूर्वाधार, परिवहन तथा शहरी विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

कोटा के सुल्तानपुर में 100 बीघा फसल आग से नष्ट हुई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी विकराल थी कि इसकी लपटें दूर से दिखाई पड़ रही थी

कोटा, 27 मार्च (निसं)। जिले के सुल्तानपुर इलाके में खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में शुक्रवार को अचानक से आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, आग एक से दूसरे खेत में पहुंचती गई और लगातार आगे बढ़ती रही। करीब 80 से 100 बीघा के बीच की फसल आग की चपेट में आने से जलकर नष्ट हो गई, आस-पास के कई किसानों की फसल आग की चपेट में आ गई।

गेहूं के खेत में खड़ी फसल में आग लगने की सूचना मिलते ही कई जगहों से अग्निश्मन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंचीं, खेत में लगी आग पर जब तक काबू पाया गया, तब तक आग से कई किसानों को काफी नुकसान हो चुका था।

सुल्तानपुर थाना अधिकारी दौलत साहू ने बताया कि खेतों में आग की सूचना मिलने पर जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल कंट्रोल रूम से मदद मांगी। आग आसपास के खेतों में लगातार बढ़ रही थी, आग की सूचना पर दमकलें मौके पर पहुंचीं और तीन से चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

थानाधिकारी ने बताया कि किसानों ने ज्ञापन दिया है, मामले की जांच की जा रही है। आग की चपेट में आने से कचोलिया निवासी किसान जगदीश मीणा के करीब 50 बीघा खेत में फसल जल गई। पड़ोसी खेत मालिक जालमपुरा निवासी महावीर मीणा का 14 बीघा में से 6 बीघा की फसल आग की चपेट में आ गई, आसपास के 7 से 8 किसानों के खेतों में आग फैल गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें दूर-दूर दिख रही थीं। धुआं भी तेजी से फैल रहा था। इस घटना की जानकारी लोगों ने तत्काल पुलिस को दी थी।

- भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा कलमंडा के अनुसार, पेट्रोल पम्प के पीछे ट्रांसफार्मर पर एक जम्पर का तार टूट कर लटक रहा था। हवा के कारण तारों के टकराने से संभवतः स्पार्किंग हुई और उसमें उठी चिंगारी से किसानों के खेत जलकर खाक हो गए।

फिलहाल आग लगने का कारण सामने नहीं आया। ट्रांसफार्मर के आसपास आग नहीं थी। ऐसे में आशंका है कि तारों में स्पार्किंग हुई होगी, जो खेत में पहुंच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि गेहूं के खेतों में आग की सूचना मिलते ही दिगोद सहित, अन्य जगहों से दमकलें मौके पर भेजीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा कलमंडा का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही किसानों पर भारी पड़ी है। इसने किसानों को खून के आंसू रुलाया है। पेट्रोल पम्प के पीछे स्थित ट्रांसफार्मर पर एक जम्पर का तार टूटी हुई अवस्था में लटक रहा है। हवा चलने से तारों के सम्पर्क में आने से स्पार्किंग होने से चिंगारी के कारण किसानों के खेतों में खड़ी 100 बीघा से ज्यादा फसल जलकर नष्ट हो गई है।

जिला मंत्री रूपनारायण यादव ने कहा कि बिजली विभाग लाइन व ट्रांसफार्मर के रखरखाव पर लाखों रुपए का बजट खर्च करता है लेकिन छोटी सी लापरवाही ने किसानों को लाखों का नुकसान पहुंचा दिया है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त हफ्ते में 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया है। इसके पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान 4.88 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी तथा यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

कुमारन ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त बने

नई दिल्ली, 27 मार्च। भारत सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक पेरियासामी कुमारन को यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कुमारन जल्द ही अपना पद संभालेंगे।

पश्चिम एशिया संकट पर मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की

मीटिंग में इस संकट से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई

नई दिल्ली, 27 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक टीम इंडिया की भावना के तहत राज्यों और केन्द्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इज़रायल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इज़रायल पर हमले किए।

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेन्द्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।

- जिन राज्यों में चुनाव हैं उनके मुख्यमंत्री आचार संहिता के कारण मीटिंग में शामिल नहीं हुए, उन राज्यों से मुख्य सचिवों ने मीटिंग में शिरकत की थी।

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

खाड़ी देशों के युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह विश्वास दिलाया कि ईरान में भी हजारों किलोमीटर दूर ऐसी ही जीत हासिल की जा सकती है।

लेकिन ज़मीनी हकीकत तब बिल्कुल अलग निकली, जब ईरान मिसाइलों और ड्रोन से लैस होकर जवाब देने सामने आया। अमेरिका बेहतर परिणाम की उम्मीद में था, लेकिन अमेरिका की इच्छा एक मृगतृष्णा साबित हुई और अब तक पूरी नहीं हुई। अब तक की प्रतिक्रियाओं को देखते हुए स्पष्ट है कि चाहे ईरान को कितना भी नुकसान हो, वह वेनेज़ुएला की तरह पूरी तरह आत्मसमर्पण करने वाला नहीं है।

इस अभियान ने एक और बात पूरी तरह स्पष्ट कर दी है कि डॉनल्ड ट्रंप बड़े-बड़े दावे तो करते रहे, लेकिन उनमें ठोस आधार कम था। ट्रंप ने अपने सबसे बड़े सहयोगी, पश्चिमी यूरोप, के सामने भी अपनी साख खो दी है, जो अब तक नाटो ढांचे के तहत उनका एक मजबूत सहयोगी था।

अब वह ढांचा टूट चुका है, नाटो पहले जैसा कभी नहीं रहेगा और अमेरिका अपने नाटो सहयोगियों पर भरोसा नहीं कर सकता, खासकर तब, जब उसे उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, जबकि पहले ऐसा सोचना भी मुश्किल था।

डॉनल्ड ट्रंप और उनके करीबी सहयोगी, जैसे जे.डी. वेंस और पीट हेगसेथ, ने यूरोप की आलोचना इस तरह से की, जैसी पहले कभी किसी अमेरिकी नेता ने नहीं की। ट्रंप के सहयोगियों ने तो यूरोप को रूस के खतरे का सामना कराने तक की धमकी दे दी।

विडंबना यह है कि ट्रंप को इन्हीं सहयोगियों से होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए मदद की गुहार लगानी पड़ी। लेकिन यह प्रयास पूरी तरह विफल रहा और नाटो सहयोगियों ने बिना किसी हिचकिचाहट के ट्रंप की अपील ठुकरा दी।

उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध में ट्रंप के साथ खड़े होने से साफ इनकार कर दिया, यहाँ तक कि ट्रंप की धमकियों की भी उपेक्षा कर दी। यही इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता है, लोगों ने ट्रंप की धमकियों और शेखी को अब गंभीरता से लेना बंद कर दिया है और वे उन्हें साफ तौर पर "ना" कह सकते हैं। ट्रंप बार-बार अलग-अलग रूपों में अपील कर रहे हैं, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिल रहा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव नज़दीक आने के साथ, ट्रंप को अब जनता की नजरों में अपनी छवि का ध्यान रखना होगा। उनकी छवि को अपूरणीय क्षति पहुँची है और उनकी धमकियों का असर पहले जैसा नहीं रहा।

दूसरी ओर, भले ही एक राज्य के रूप में ईरान की नीतियाँ आलोचना योग्य रही हों, लेकिन देश ने अपनी राजधानी और महत्वपूर्ण स्थलों पर हवाई हमलों से भारी नुकसान झेला है। ईरान को अब अपनी बुनियादी संरचना को फिर से शून्य से खड़ा करना होगा, जैसा उसे पहले करना पड़ा था।

आर्थिक रूप से भी, बमबारी और विनाश के कारण ईरान आने वाले कई वर्षों तक कमज़ोर रहेगा।

सिर्फ अमेरिका ही नहीं, ईरान भी इस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता चाहता है।

'डेढ़ करोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाहर का मामला है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को इस व्यवसायिक गतिविधि पर यूडी टैक्स वसूलने का अधिकार है, इस हिसाब से ट्राइटन मॉल के ऊपर 3 करोड़ रुपए (टैक्स व पेनल्टी) बनता है।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा जयपुर के सभी शॉपिंग मॉल्स और कमर्शियल बिल्डिंगों में जहां-जहां थर्ड पार्टी द्वारा पार्किंग संचालित है, उनको वर्ष 2007 से यूडी टैक्स वसूली का नोटिस थमाया है, जिसे लेकर याचिकाएं हाईकोर्ट में पेश की गई हैं।

गौरतलब है कि कई शॉपिंग मॉल, जो वर्ष 2007 के कई साल बाद शुरू हुए हैं, उनको भी वर्ष 2007 से ही बकाया यूडी टैक्स चुकाने के लिए नोटिस थमाया गया है, जैसे मन उपासना, जो वर्ष 2013 में बनकर तैयार हुआ था, परंतु उसे नोटिस वर्ष 2007 से ही मिला है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी।

कुवैत का बंदरगाह ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त

कुवैत सिटी, 27 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 28 दिनों से जारी युद्ध के बीच शुक्रवार को ईरान ने कुवैत के व्यवसायिक बंदरगाह शुवैख पर ड्रोनों ने हमला किया।

इससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और तुर्किए की संवाद समिति अनाडोलू के अनुसार, कुवैत पोर्ट्स अथॉरिटी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ईरान के ड्रोन हमले से शुवैख बंदरगाह की सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और अब तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

- ईरान के हमले में शुवैख बंदरगाह की सुविधाओं को नुकसान पहुँचा, कोई घायल नहीं हुआ।

शुवैख बंदरगाह कुवैत के प्रमुख और व्यापक वाणिज्यिक बंदरगाहों में से एक है, जिसने देश की उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला और सामान्य माल आयात प्रणाली में लंबे समय से अग्रणी भूमिका निभाई है।

बीकानेर के गाढ़ वाला में खेजड़ी के 26 पेड़ काटे

खेजड़ी कटाई पर रोक के आदेश के बाद से अब तक खेजड़ी के 138 पेड़ काटे गए

बीकानेर, 27 मार्च। राज्य सरकार ने पूरे राजस्थान में राजकीय वृक्ष खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल विधानसभा में 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने का आश्वासन भी दे चुके हैं। लेकिन, बीकानेर में प्रशासन को, लगता है, इसकी परवाह ही नहीं है। बीकानेर के गाढ़वाला गांव में खेजड़ी के 26 पेड़ों पर आरी चलाकर उन्हें धराशायी कर दिया गया है। फरवरी में खेजड़ी कटाई पर रोक के आदेश जारी होने के बाद, बीकानेर में अब तक 138 पेड़ काटे जा चुके हैं, किन्तु एक भी मामले में प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की है।

फरवरी में पर्यावरण प्रेमियों ने बीकानेर में "खेजड़ी बचाओ" आन्दोलन शुरू कर महापड़ाव डाला था तो सरकार का ध्यान इस ओर गया। आंदोलनकारियों से वार्ता के बाद, पूरे प्रदेश में सरकार द्वारा खेजड़ी कटाई पर रोक लगाने की घोषणा की गई। जिलों के कलेक्टर और राजस्व विभाग के अधिकारियों को खेजड़ी कटाई रोकने पर निगरानी रखने का जिम्मा सौंपा गया। इसके बाद 11 दिन चला महापड़ाव 12 फरवरी को खत्म हो गया।

- घटना बीकानेर से 15 किलोमीटर दूर गाढ़ वाला गाँव में प्रेम सिंह जाट के खेत में हुई। बताया जाता है दिन में कुछ लोग आए थे, सर्वे के लिए, रात में फिर पेड़ काटे गए।
- ग्रामीणों का आरोप है कि यह कटाई सोलर प्लांट के लिए की गई है, ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी रोष है।

बीकानेर से मात्र 15 किमी दूर गाढ़वाला में नापासर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते में खेजड़ी के 26 पेड़ काट दिए गए। ग्रामीणों ने बताया कि जहां खेजड़ी काटी गई है, वो 30 बीघा जमीन जेएनवी कॉलोनी निवासी प्रेमसिंह जाट की है। दिन में वहां कुछ गाड़ियां आई थीं, जिनमें सवार लोगों ने निरीक्षण किया और चले गए थे। रात को 14 बीघा क्षेत्र में 26 खेजड़ियों को आरियों से काट दिया गया। गुरुवार सुबह जब पर्यावरण प्रेमियों ने खेजड़ी के पेड़ कटे देखे तो ग्रामीण इकट्ठा हुए और राजस्व विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। पटवारी, वनपाल और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और रिपोर्ट तैयार की। खेजड़ी के पेड़ किसने और क्यों काटे, कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इसका जवाब नहीं दे सका।

पटवारी राकेश डूडी, गिरदावर रामदेव सारस्वत, रेंजर महेश जाखड़, वनरक्षक मालम सिंह सहित, ग्रामीण, वन्यजीव प्रेमी रामगोपाल बिश्नोई, हरिराम खीचड़, रामकिशन बिश्नोई मौजूद थे। पर्यावरण संघर्ष समिति के संयोजक रामगोपाल बिश्नोई ने कहा कि एक बार फिर प्रशासन की नाक के नीचे गाढ़वाला में खेजड़ी के पेड़ काट दिए गए हैं। इन पेड़ों पर गोरैया पक्षी के घोंसले थे, जो नष्ट हुए हैं। इसके बावजूद, वन विभाग की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

आशंका है कि खेजड़ी के पेड़ सोलर प्लांट लगाने के लिए ही काटे गए हैं। पर्यावरण प्रेमी मोखराम धारणिया का कहना है कि खेजड़ी बचाओ आन्दोलन के बाद भी लगातार खेजड़ी का कटना नौकरशाहों की तानाशाही का नतीजा है। सरकार ने बीकानेर में पर्यावरण प्रेमियों से बातचीत की थी और खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया था। आदेश जारी कर दिए गये थे। कलेक्टर, राजस्व विभाग के अधिकारियों को निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन अफसर सरकार के आदेशों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बीकानेर में ही नहीं, श्रीगंगानगर, जोधपुर, जैसलमेर में भी खेजड़ी काटी गई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908